MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | सोमवार, 20 जुलाई, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-197

स्पेन फुटबॉल बादशाह

एक्स्ट्रा टाइम में फेरान टोरेस के गोल से 1-0 से जीता फाइनल, मेसी रहे बेअसर

न्यू जर्सी, 19 जुलाई (एजेंसियां) ।

स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फीफा विश्व कप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। रविवार, 19 जुलाई को न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए रोमांचक फाइनल में स्पेन ने गत चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 से पराजित कर दूसरी बार विश्व विजेता बनने का गौरव हासिल किया। निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें गोलरहित बराबरी पर रहीं, जिसके बाद मुकाबला अतिरिक्त समय (एक्स्ट्रा टाइम) में पहुंचा। मैच के 106वें मिनट में सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी फेरान टोरेस ने निर्णायक गोल दागकर स्पेन को ऐतिहासिक जीत दिलाई। टोरेस को यह शानदार पास एक अन्य सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी निको विलियम्स ने दिया, जिसे उन्होंने गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की। स्पेन ने इससे पहले वर्ष 2010 में पहली बार फीफा विश्व कप का खिताब जीता था। अब 16 वर्ष बाद टीम ने दूसरी बार विश्व फुटबॉल पर अपना कब्जा जमाया है। दूसरी ओर, अर्जेंटीना चौथी बार विश्व कप जीतने का सपना पूरा नहीं कर सकी। साथ ही वह इटली (1934 और 1938) तथा ब्राजील (1958 और 1962) की तरह लगातार दो विश्व कप खिताब जीतने का इतिहास भी नहीं रच सकी। फाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी का जादू पूरी तरह फीका रहा और स्पेनिश खिलाड़ियों ने उन्हें पूरे मैच में प्रभावी प्रदर्शन का मौका नहीं दिया।

फाइनल तक पहुंचने का सफर भी रहा बेहद चुनौतीपूर्ण

खिताबी मुकाबले तक पहुंचने का दोनों टीमों का सफर आसान नहीं रहा। स्पेन ने सेमीफाइनल और उससे पहले के मुकाबलों में फ्रांस तथा पुर्तगाल जैसी मजबूत टीमों को हराकर फाइनल में प्रवेश किया था।

8 पर

मॉनसून सत्र आज से

परिसीमन बिल एजेंडा में नहीं

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां):

संसद का मॉनसून सत्र सोमवार से शुरू होने जा रहा है। अप्रैल में समाप्त हुए बजट सत्र के बाद से देश की राजनीतिक तस्वीर काफी बदल गई है। विपक्ष चुनावी हार, दल-बदल और इंडिया ब्लॉक (विपक्षी गठबंधन) के बिखराव से कमजोर हुआ है, जबकि एनडीए का संख्याबल बढ़ा है। इस बार का संसद सत्र सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए कई मायनों में बेहद अहम माना जा रहा है। एक ओर लोकसभा में बदलते राजनीतिक समीकरण सरकार को कुछ बड़े विधेयकों को आगे बढ़ाने का अवसर दे सकते हैं, तो दूसरी ओर विपक्ष के पास इस सत्र में सरकार को घेरने के लिए जन-सरोकार से जुड़े कई बड़े मुद्दे हैं।

सरकार ने मॉनसून सत्र के लिए जिन अहम विधेयकों को सूचीबद्ध किया है, उनमें शामिल हैं: 1.विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026, 2.आयकर (संशोधन) विधेयक, 2026, 3.उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026, 4.जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक-2026, 5.राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026, 6.सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026।

इनमें विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक पर विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच सबसे ज्यादा राजनीतिक टकराव होने की संभावना है। सरकार ने एफसीअ-रए संशोधन विधेयक के पीछे का उद्देश्य

विदेशी फंडिंग के इस्तेमाल में पारदर्शिता और जवाबदेही तय करना बताया है। हालांकि, विपक्षी दलों का आरोप है कि सरकार इस विधेयक को विदेशी सहायता पाने वाले एनजीओ और अन्य संगठनों पर नकेल कसने के लिए ला रही है।

इसके अलावा सरकार इस सत्र में मवंदे मातरम् बिलफ राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 भी पेश करेगी। इसके जरिए देश के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम्भी को राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान जन गण मन की तरह कानूनी संरक्षण देने का प्रस्ताव है। यदि यह बिल संसद से पारित हो जाता है, तो वंदे मातरम् का अपमान करने, इसके गायन-वादन में बाधा डालने या व्यवधान पैदा करने पर तीन साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है। बजट सत्र के बाद विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक को कई बड़े झटके लगे हैं। पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को भाजपा के हाथों हार का सामना करना पड़ा, जबकि तमिलनाडु में डीएमके सत्ता से बाहर हो गई। बंगाल चुनाव में हार के बाद ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी अंदरुनी कलह और बगावत से जूझ रही है। टीएमसी के 28 में से 20 लोकसभा सांसदों ने ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व के खिलाफ बगावत कर दी है और त्रिपुरा के एक गैर मान्यता प्राप्त दल नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया में विलय का ऐलान किया है।

टीएमसी के इन बागी सांसदों ने लोकसभा में एनडीए का समर्थन करने की भी घोषणा की है। इस तरह एनसीपीआई लोकसभा में एनडीए का दूसरा सबसे बड़ा सहयोगी दल बन गया है। दूसरी ओर तमिलनाडु में कांग्रेस और डीएमके का गठबंधन भी टूट गया है। दरअसल, कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव डीएमके के साथ गठबंधन में लड़ा था। कांग्रेस एमके स्टालिन की सरकार के दौरान भी डीएमके के साथ गठबंधन में शामिल थी। लेकिन तमिलनाडु में जोसेफ विजय और उनकी पार्टी टीवीके के उदय के साथ ही कांग्रेस ने पाला बदल लिया। उसने अपने पांच विधायकों के साथ टीवीके को समर्थन दे दिया।

इस बात से डीएमके नाराज है और कांग्रेस पर धोखेबाजी का आरोप लगाकर इंडिया ब्लॉक से बाहर हो गई है। मौके को भुनाते हुए बीजेपी ने डीएमके को अपने पाले में लाने की कोशिश की है और इस प्रयास में कुछ हद तक सफल भी होती दिख रही है। डीएमके ने बजट सत्र में पेश हुए जिस परिसीमन बिल का सबसे मुखर विरोध किया था, अब इसे कुछ शर्तों के साथ समर्थन देने की बात कह रही है। डीएमके के इस स्टैंड ने मॉनसून सत्र में नरेंद्र मोदी सरकार के लिए महिला आरक्षण विधेयक से जुड़े परिसीमन बिल को पारित कराने का दूसरा मौका दे दिया है। हालांकि, फिलहाल यह विधेयक मौजूदा सत्र के लिए लोकसभा की कार्यवाही सूची में शामिल नहीं है। वहीं शिवसेना (यूबीटी) में भी एक और विभाजन हुआ और उसके 9 में से 6 सांसद एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हो गए हैं, जो एनडीए का सहयोगी दल है।

क्या दोबारा पास हो पाएगा परिसीमन बिल?

सरकार ने परिसीमन से जुड़े किसी नए संविधान संशोधन विधेयक को फिलहाल लोकसभा की कार्यवाही में शामिल नहीं किया है।

रानी देवी दहेज प्रताड़ना केस

4 और आरोपी गिरफ्तार

पारसमल | कमला देवी | पिस्ता देवी | सुरमा देवी

ओम प्रकाश सिरवी

हैदराबाद, 19 जुलाई ।

यादाद्री-भुवनगिरि जिले के पोचमपल्ली-चोट्टुप्पल थाना क्षेत्र में प्रवासी विवाहिता रानी देवी की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने त्वरित जांच को आगे बढ़ाते हुए शनिवार (18 जुलाई) को बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने एफआईआर अपराध संख्या 140/2026 दहेज प्रताड़ना मामले में पति के अलावा और नामजद 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से सभी को न्यायिक हिरासत में नलगोंडा जिला जेल भेज दिया गया। पुलिस ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि मामले में नामजद एक अन्य महिला आरोपी की गिरफ्तारी अभी शेष है तथा उसकी तलाश जारी है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मृतका के जेठ पारसमल तथा जेठानियां सुरमा देवी, पिस्ता देवी और कमला देवी शामिल हैं। और पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना जारी है और शेष महिला आरोपी की तलाश जारी है जल्द ही गिरफ्तारी भी की जा सकेगी, और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की कार्रवाई के बाद शिकायतकर्ता को भी एफआईआर के पंजीकरण नंबर पर आधिकारिक संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें चार नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी की जानकारी दी गई। इससे स्पष्ट है कि पुलिस विधिक प्रक्रिया के तहत क्रमबद्ध तरीके से जांच आगे बढ़ा रही है।

मामले में आत्महत्या से पूर्व रिकॉर्ड किया गया कथित 2 मिनट 48 सेकंड का ऑडियो जांच का सबसे महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य माना जा रहा है। जो सोसल मिडिया पर प्रसारित भी हूआ था, प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता ने यह ऑडियो सबसे पहले अपने भाई को भेजा था। इस कथित रिकॉर्डिंग में मृतका ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर मानसिक एवं शारीरिक प्रताड़ना, मारपीट, गाली-गलौज और पारिवारिक उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। उसने यह भी कहा कि वह लंबे समय से सब कुछ सहन करती रही, लेकिन अब उसकी सहनशक्ति समाप्त हो चुकी है। रिकॉर्डिंग में उसने अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त की !

पुलिस इस कथित ऑडियो की फॉरेंसिक जांच के साथ-साथ अन्य इलेक्ट्रॉनिक एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्यों का भी परीक्षण कर रही है। यदि वैज्ञानिक जांच में ऑडियो की प्रामाणिकता स्थापित होती है और उसके कथनों की पुष्टि अन्य साक्ष्यों से होती है, तो यह मामले में महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य साबित हो सकता है।

इस बीच ससुराल पक्ष से जुड़े सूत्रों के अनुसार, पुलिस जब महिला पुलिसकर्मियों के साथ गिरफ्तारी के लिए उनके घर पहुंची, तब परिवार ने कानून का सम्मान करते हुए जांच में सहयोग किया और बिना किसी विरोध के गिरफ्तारी दी।

सूत्रों के हवाले से यह जानकारी भी सामने आई है कि आरोपी पक्ष कानूनी सलाह एवं सहायता के लिए हैदराबाद स्थित किसी गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) का दरवाजा खटखटा सकता है।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 24^0

अयोध्या चढ़ावाकाँड

एससी में सीट रिपोर्ट, सुनवाई आज

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां) ।

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (सीट) ने अपनी स्टेटस रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में सीलबंद लिफाफे में दाखिल कर दी है। यह रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट के उस निर्देश के बाद सौंपी गई है, जिसमें जांच की प्रगति से अदालत को अवगत कराने को कहा गया था। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की तीन सदस्यीय पीठ इस मामले पर आज सुनवाई करेगी, जिसने पहले सीट को जांच की प्रगति और अब तक के निष्कर्षों पर विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया

था। सुप्रीम कोर्ट फिलहाल उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है, जिनमें श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को मिले चढ़ावे में वित्तीय अनियमितताओं की सीबीआई से अदालत की निगरानी में जांच कराने की मांग की गई है। इस गंभीर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया था।

यह पूरा विवाद अयोध्या के भव्य राम मंदिर में देश-विदेश के श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए नकद और अन्य बहुमूल्य दान की चोरी के आरोपों से जुड़ा है। मामला सामने आने और इसके तूल पकड़ने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने जून महीने में तीन सदस्यीय एसआईटी (सीट) का गठन कर जांच शुरू की थी। हालांकि, मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए कई याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया और मंदिर के चढ़ावे में हुई वित्तीय अनियमितताओं की

टूटा टिन्नू , उगली पूरे स्कैम की स्क्रिप्ट

अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे की रकम की चोरी के मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव और उसके भतीजे मनीष यादव की 39 घंटे की पुलिस रिमांड समाप्त हो गई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इन 39 घंटों की सघन पूछताछ में टिन्नू यादव पूरी तरह टूट गया और उसने मंदिर के भीतर चल रहे इस बड़े स्कैम की पूरी स्क्रिप्ट पुलिस के सामने रख दी। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की रकम से खरीदी गई लग्जरी गाड़ियां और भारी मात्रा में नकदी समेत अन्य कीमती सामान बरामद किया है। पूछताछ में टिन्नू यादव ने कुबूला कि मंदिर परिसर में अनुकल्प मिश्रा, अविनाश शुक्ला और लवकुश मिश्रा पहले से ही

चढ़ावे की चोरी कर रहे थे और टिन्नू को इसकी भनक लग गई थी। इस चोरी में अपना हिस्सा और दबदबा बढ़ाने के लिए ही टिन्नू यादव ने पैरवी करके अप्रैल 2026 में अपने सगे भतीजे मनीष यादव को चढ़ावा गिनने की नौकरी पर रखवाया था। मनीष ने 15 अप्रैल 2026 से काम शुरू किया और मई के दूसरे सप्ताह में

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

सऊदी की सुरक्षा पाकिस्तान की रेड लाइन तो वह निष्पक्ष मध्यस्थता कैसे कर सकता है

दोहरी नीति में फंसा पाक, सऊदी पर हूती हमले के बाद बढ़ी चिंता

तेहरान

पाकिस्तान एक तरफ अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है, दूसरी तरफ सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौते का साझेदार है। पाकिस्तान ने ईरान को कह दिया है कि सऊदी पर हमला उसकी रेड लाइन है। सवाल यह है कि अगर सऊदी-ईरान आमने-सामने आ गए तो पाकिस्तान किस रास्ते पर चलेगा मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों की ओर से इस सप्ताह सऊदी अरब पर किए गए हमलों ने पाकिस्तान की चिंता पहले से कहीं ज्यादा है। पाकिस्तान को डर है कि अगर संघर्ष और बढ़ा तो उसे केवल मध्यस्थ नहीं, बल्कि सीधे किसी एक पक्ष के साथ खड़ा होना पड़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने जून में अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम समझौता कराने में अहम भूमिका निभाई थी, लेकिन दूसरी ओर पिछले साल सितंबर में पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच पारस्परिक रक्षा समझौता भी हुआ है, जिसके तहत हजारों पाकिस्तानी सैनिक और लड़ाकू विमानों का एक स्क्वाड्रन पहले से सऊदी अरब में तैनात है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि पाकिस्तान ने ईरान को साफ संदेश दिया है कि सऊदी अरब पर हमला, पाकिस्तान पर हमला माना जाएगा। यह हमारी रेड लाइन है। इसी बयान ने पाकिस्तान की दोहरी भूमिका पर सबसे बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। अगर सऊदी की सुरक्षा पाकिस्तान की रेड लाइन है, तो वह ईरान के साथ निष्पक्ष मध्यस्थ कैसे कर सकता है रिपोर्ट के मुताबिक हूतियों ने सोमवार को सऊदी अरब पर मिसाइलें दागीं। उनका आरोप था कि सऊदी ने उनके नियंत्रण वाले एयरपोर्ट पर बमबारी की थी। इससे चार साल से चला आ रहा संघर्ष विराम टूट गया, हालांकि फिलहाल यह टकराव एक ही घटना तक सीमित है। पाकिस्तानी सुरक्षा मामलों के विश्लेषक मुहम्मद आमिर राणा ने कहा कि इस्लामाबाद को इतनी तेजी से तनाव बढ़ने की उम्मीद नहीं थी। वहीं दो पाकिस्तानी अधिकारियों ने बताया कि यमन सीमा के पास तैनात पाकिस्तानी सैनिकों के कारण अब पाकिस्तान सीधे इस संघर्ष के दायरे में आ सकता है।

न्यूज ब्रीफ

कौवे के व्यवहार में छिपी सुरक्षा और सीखने की प्रवृत्ति

वाशिंगटन। वैज्ञानिकों के लिए कौवों की सामाजिक समझ और सामूहिक व्यवहार लंबे समय से अध्ययन का विषय बना हुआ है। अपने साथी कौवे की मौत होने पर अन्य कौवे बड़ी संख्या में वहां इकट्ठा हो जाते हैं, तेज आवाज में कांव-कांव करते रहते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि कौवे के इस तरह के व्यवहार के पीछे सुरक्षा और सीखने की प्रवृत्ति भी छिपी होती है। विशेषज्ञों के अनुसार जब किसी कौवे की मृत्यु होती है तो आसपास मौजूद कोई अन्य कौवा तेज आवाज निकालकर अपने समूह को सतर्क करता है। यह आवाज सुनकर कुछ ही समय में कई अन्य कौवे वहां पहुंच जाते हैं। वे मृत पक्षी के चारों ओर उड़ते हैं, आसपास बैठते हैं और लगातार आवाज करते हैं। वैज्ञानिक इस सामूहिक व्यवहार को क्राउ वेक या फ्यूनरल गैदरिंग जैसे नामों से भी संबोधित करते हैं। कई बार ऐसा भी देखा गया है कि कौवे मृत साथी को अपनी चोंच से छूकर उसकी स्थिति का निरीक्षण करते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह व्यवहार केवल शोक प्रकट करने तक सीमित नहीं होता। कौवे यह समझने की कोशिश करते हैं कि उनके साथी की मृत्यु का कारण क्या था। यदि आसपास कोई शिकारी जानवर, जहरीला पदार्थ या अन्य खतरा मौजूद हो, तो वे उसे पहचानने का प्रयास करते हैं। इसके बाद पूरा समूह उस स्थान को लंबे समय तक याद रखता है और भविष्य में वहां जाने से बचने की कोशिश करता है। इस प्रकार यह व्यवहार पूरे समूह की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कौवों को दुनिया के सबसे बुद्धिमान पक्षियों में गिना जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार वे औजारों का उपयोग कर सकते हैं, जटिल समस्याओं का समाधान खोज सकते हैं, इंसानों के चेहरे पहचान सकते हैं और लंबे समय तक घटनाओं को याद रखने की क्षमता रखते हैं।

गिरते हुए झरने को वापस ऊपर की ओर उछाल दिया तेज हवाओं ने

बीजिंग। हाल ही में चीन के झेजियांग प्रांत में स्थित डालोंगकिउ जलप्रपात पर शक्तिशाली टाइफून बावी के दौरान तेज हवाओं ने गिरते हुए पानी को वापस ऊपर की ओर उछाल दिया। इस

अनोखी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों के बीच इसकी वैज्ञानिक वजह जानने की उत्सुकता बढ़ गई है। पानी का स्वाभाविक गुण गुरुत्वाकर्षण के कारण ऊंचाई से नीचे की ओर बहना है, लेकिन दुनिया में कुछ परिस्थितियों में झरनों का पानी उल्टी दिशा में यानी ऊपर की ओर उड़ता हुआ दिखाई देता है। करीब 190 मीटर (623 फीट) ऊंचे डालोंगकिउ जलप्रपात पर 11 जुलाई को आए टाइफून के दौरान बेहद तेज गति से हवाएं चलीं। जब पानी ऊंचाई से नीचे गिर रहा था, उसी समय विपरीत दिशा में चल रही शक्तिशाली हवाओं ने उसकी धारा को रोकते हुए उसे ऊपर की ओर धकेल दिया। इससे ऐसा दृश्य बना मानो झरना नीचे गिरने के बजाय आसमान की ओर बह रहा हो। विशेषज्ञों के अनुसार यह पूरी तरह प्राकृतिक घटना है, जिसका संबंध हवा के दबाव और उसकी गति से है। ऐसी घटनाएं केवल चीन तक सीमित नहीं हैं। भारत में भी मानसून के दौरान महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट में स्थित नानेघाट क्षेत्र में कई बार रिवर्स वाटरफाल का अद्भुत नजारा देखने को मिलता है। समुद्र तल से लगभग 2,600 फीट की ऊंचाई पर स्थित इस क्षेत्र में जून से अगस्त के बीच तेज हवाएं चलती हैं। जब झरनों का पानी नीचे गिरता है, तो हवा का दबाव इतना अधिक हो जाता है कि पानी की धार ऊपर की ओर उड़ती हुई दिखाई देती है। यही कारण है कि मानसून के मौसम में बड़ी संख्या में पर्यटक इस प्राकृतिक दृश्य को देखने पहुंचते हैं।

अमेरिका का ईरान पर लगातार 8वीं रात हमला, जार्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर हुए हमले का जवाब बताया

तेहरान/वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आदेश पर अमेरिकी सेना ने शनिवार को लगातार आठवीं रात ईरान पर हवाई हमले किए। यह कार्रवाई जार्डन में एक अमेरिकी

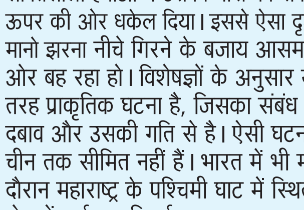

सैन्य बेस पर हुए ईरानी हमले का जवाब है, जिसमें दो अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई थी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सिटकाम) की तरफ से एक्स पर साझा किए गए संदेश में बताया गया है कि कमांडर-इन-चीफ़ के आदेश पर अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ नए हवाई हमले शुरू किए। इन हमलों का मकसद होर्मुज जलडमरूमध्य में कमर्शियल शिपिंग के लिए बाधक बने ईरान की क्षमता को और कम करना है। साथ ही इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) बलों को सजा देना है ।

होर्मुज बंद होने से दुनिया चिंतित, खाड़ी देश इस रूट का खोज रहे विकल्प

सऊदी अरब और यूएई बना रहे बाइपास तेल और गैस पाइपलाइन

दुबई

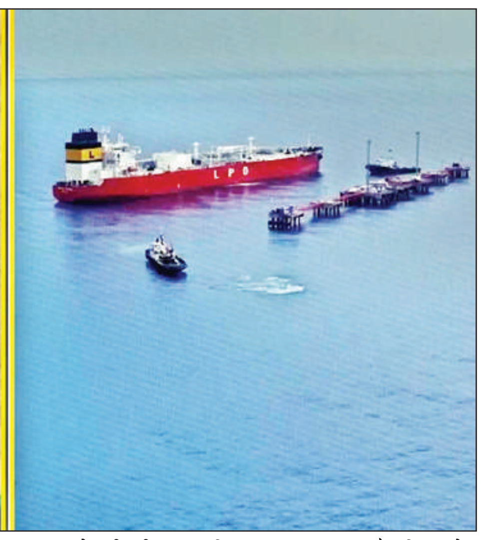

पिछले दिनों ईरान और अमेरिका के बीच समझौते के बाद होर्मुज खुला था, लेकिन हालिया तनाव के चलते ये फिर बंद कर दिया गया है। इस समुद्री रूट से गुजरने वाले टैंकरों पर हमले हुए हैं, जिससे यातायात बहुत कम हो गया है। इसने दुनिया के बड़े हिस्से की चिंता बढ़ा दी है। खासतौर से खाड़ी देशों में अपने तेल और गैस के एक्सपोर्ट की चिंता है। ऐसे में तेल-गैस से संपन्न खाड़ी देश इस रूट के विकल्प खोज रहे हैं। वे नई पाइपलाइनों और एक नए बंदरगाह के जरिए भविष्य में किसी भी रुकावट से निपटने की तैयारी कर रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जानकारों का कहना है कि ईरान कुछ महीनों तक होर्मुज का इस्तेमाल कर सकता है, लेकिन हमेशा के लिए नहीं। उनका तर्क है कि युद्ध ने दुनिया को हालात के हिसाब से ढलने और ऊर्जा के लिए सिर्फ एक संकरे रास्ते पर अपनी भारी निर्भरता कम करने के लिए मजबूर किया है। हालांकि लंबे समय में ये विकल्प कितने कारगर होंगे, इस पर राय बंटी हुई है। ईरान पर हमले 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने से पहले दुनिया का पांचवां हिस्सा तेल और गैस का व्यापार होर्मुज से होता था। इससे बाकी दुनिया को रोजाना 2 करोड़ बैरल तेल मिलता था। एक्सपर्ट का दावा है कि लड़ाई फिर से शुरू होने के बावजूद ग्लोबल आयल मार्केट में घबराहट कम है, जिसकी वजह आपातकालीन योजनाएं हैं।

ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन 1980 के दशक की शुरुआत में बनाई गई थी। यह सऊदी अरब में 1,200 किलोमीटर लंबे नेटवर्क के जरिए कच्चा तेल ले जाती है और पूर्व में अबकैक आयल प्रोसेसिंग सुविधा को पश्चिम में यानबू के रेड सी पोर्ट से जोड़ती है। वहां से सऊदी तेल टैंकरों में भरा जाता है और रेड सी से होते हुए स्वेज नहर के जरिए यूरोप या बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य से गल्फ आफ एडेन तक ले जाया जाता है।

इस पाइपलाइन की क्षमता रोजाना 70 लाख बैरल तेल प्रोसेस करने की है। सऊदी अरब अब इसकी क्षमता बढ़ाने पर विचार कर रहा है। यूएई क्रूड आयल पाइपलाइन पर काम कर रहा है। यह अबू धाबी के दक्षिण-पश्चिमी इलाके में मौजूद तेल क्षेत्रों से हर दिन 1.8 मिलियन बैरल तक तेल उस अमीराती टर्मिनल तक ले जा सकती है। यह जलडमरूमध्य के पूर्वी हिस्से में है, जो चोक पाइंट से बचकर निकलता है। यूएई होर्मुज पर अपनी निर्भरता को और कम करने के लिए एक नया बंदरगाह बनाने की भी कोशिश कर रहा है। दुबई की एक सप्लाई चेन कंपनी फुजैराह के तटीय इलाके में एक नया बंदरगाह और कंटेनर टर्मिनल बनाने के लिए बातचीत कर रही है, जहां मौजूदा हबशान-फुजैराह पाइपलाइन खत्म होती है। इराक में भी बसरा-हदीथा पाइपलाइन को 2024 में मंजूरी मिली है। यह एक बहुत बड़ी योजना का हिस्सा है, जिसके तहत इराक के दक्षिणी शहर बसरा के आस-पास के तेल क्षेत्रों को जार्डन के लाल सागर वाले बंदरगाह शहर अकाबा से जोड़ा जाएगा और सीरिया व तुर्की से गुज़रने वाले प्रोजेक्ट्स से भी जोड़ा जाएगा। कुछ एनालिस्ट वैकल्पिक रास्तों से होर्मुज पर दुनिया की निर्भरता को कम होने की बात कह रहे हैं लेकिन कई इसे नकार रहे हैं। वाशिंगटन इंस्टीट्यूट के एनर्जी पालिसी एनालिस्ट का कहना है कि लोग जल्दबाजी में बहुत आगे की सोच रहे हैं। इनमें से कुछ पाइपलाइन प्रस्ताव मुख्य रूप से भूमध्य सागर के तट तक तेल पहुंचाने के लिए हैं। यह वह जगह नहीं है, जहां इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। एक्सपर्ट ने इसको लेकर भी आगाह किया है कि ईरान एक और अहम समुद्री रास्ते बाब अल-मंडेब स्ट्रेट को बंद कर सकता है। यह यमन और अफ्रीका के बीच एक संकरा रास्ता है जो लाल सागर और एशिया के बीच आने-जाने का जरिया है। दुनिया का लगभग 5 प्रतिशत तेल उत्पादन इस जलडमरूमध्य से गुजरता है। कुछ साल पहले बाब अल-मंडेब क्षमता दोगुनी थी। 2023 में इजराइल-हमास युद्ध की शुरुआत में यमन में हूती लड़ाकों ने कमर्शियल जहाजों पर बार-बार हमले किए।

अब भारतीय ड्राइवरों की नौकरी छीनेंगे ट्रंप! ट्रकों पर सेवानिवृत्त सैनिकों की करेंगे तैनाती

वाशिंगटन

यह नया प्रस्ताव पूरी तरह लागू हुआ तो 1.5 परिवारों पर गहरा जाएगा रोजी-रोटी का संकट

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रवासियों को लेकर एक नया और बेहद विवादित प्रस्ताव पेश किया है, जिसका सीधा असर अमेरिका में रह रहे लाखों भारतीय प्रवासियों पर पड़ सकता है। ट्रंप ने ऐलान किया है कि उनकी सरकार देश की सड़कों पर दौड़ रहे बड़ी संख्या में अप्रवासी ट्रक ड्राइवरों को हटाकर उनकी जगह अमेरिकी सेना के सेवानिवृत्त सैनिकों को तैनात करेगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने आरोप लगाया कि प्रवासियों में से ज्यादातर ड्राइवर नशे की लत में डूबे हैं और सड़कों पर कई लोगों की जान ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन गैर-कानूनी और बिना उचित दस्तावेजों के बड़े ट्रक चलाने वाले ड्राइवरों के खिलाफ देशव्यापी कार्रवाई कर रहा है। ट्रंप ने कहा कि वे सड़कों पर लगे साइन बोर्ड तक नहीं पढ़ सकते। उनमें से कई ड्रग्स या शराब के नशे में होते हैं। वे पूरी तरह से अवैध रूप से देश में आए हैं, और हम उन्हें अमेरिकी सड़कों पर गाड़ियां चलाते हुए नहीं देखना चाहते। ट्रंप ने कहा कि इन ड्राइवरों की जगह गर्वित अमेरिकी दिग्गजों को दी जाएगी। प्रस्ताव के तहत सेना में भारी ट्रक चलाने का अनुभव रखने वाले किसी भी अमेरिकी नागरिक को बिना किसी परेशानी के सीधे कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस जारी कर दिया जाएगा। यह कोई हवाई घोषणा नहीं है, बल्कि ट्रंप प्रशासन इस पर पहले से ही एक बड़ा क्रैकडाउनकर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसी साल मार्च में नए नियमों के तहत करीब 2,00,000 अप्रवासी ड्राइवरों के कमर्शियल लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं, जिनके पास पहले अमेरिका में रहने और काम करने का कानूनी अधिकार था।

रिपोर्ट के मुताबिक सबसे तगड़ा झटका भारतीय समुदाय, खासकर सिख और पंजाबी ड्राइवरों को लगेगा। नार्थ अमेरिकन पंजाबी ट्रकर्स एसोसिएशन के आंकड़ों के मुताबिक इस समय अमेरिका में करीब 1.3- 1.5 लाख ट्रक ड्राइवर पंजाब और हरियाणा के रहने वाले हैं। यदि ट्रंप का यह नया प्रस्ताव पूरी तरह लागू होता है, तो इन परिवारों की रोजी-रोटी का संकट गहरा जाएगा। भारतीय मूल के ट्रक चालक पहले से ही सरकार के कड़े फैसलों, जैसे- अनिवार्य अंग्रेजी दक्षता परीक्षा और नए दलीला कानून की मार झेल रहे हैं।

जार्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर ईरानी हमला, दो अमेरिकी सैनिकों की मौत

अम्मान। जार्डन में स्थित एक अमेरिकी सैन्य अड्डे पर ईरान द्वारा किए गए मिसाइल और ड्रोन हमले में दो अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य सैनिक लापता है। हमले में चार सैनिक घायल भी हुए हैं। अमेरिकी सेना ने शनिवार को इस घटना की पुष्टि की। अमेरिकी सेना के अनुसार, ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन के जरिए सैन्य अड्डे को निशाना बनाया। हमले के समय अमेरिकी और सहयोगी देशों की सेनाएं जवाबी कार्रवाई में लगी हुई थीं। सेना ने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद ईरान के प्रत्यक्ष हमले में अमेरिकी सैनिकों की यह पहली मौत है। घायल चार सैनिकों को तत्काल जार्डन के अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। लापता सैनिक की तलाश जारी है। अमेरिकी अधिकारियों ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए मृत सैनिकों की पहचान फिलहाल सार्वजनिक नहीं की है।

सौहार्द की मिसाल बना छोटा-सा द्वीपीय देश मारीशस

पोर्ट लुइस

हिंद महासागर में स्थित छोटा-सा द्वीपीय देश मारीशस लंबे समय से शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का उदाहरण माना जाता है। धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता के लोग यहां एक साथ रहते हैं और सार्वजनिक जीवन में धार्मिक सद्भाव को विशेष महत्व दिया जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि समान अधिकार, समावेशी नीतियां और सामाजिक सहयोग की भावना ने मारीशस को बहुसांस्कृतिक समाज के सफल माडल के रूप में स्थापित किया है। करीब 13 लाख की आबादी वाले मारीशस में हिंदू समुदाय सबसे बड़ा है, जिसकी हिस्सेदारी लगभग 48 प्रतिशत मानी जाती है। इसके अलावा लगभग 26 प्रतिशत ईसाई, 17 प्रतिशत मुस्लिम तथा बौद्ध, सिख, बहाई और अन्य धर्मों के अनुयायी भी यहां रहते हैं। देश की आबादी में भारतीय मूल के लोगों की बड़ी भागीदारी है, जिनमें उत्तर भारतीय, तमिल, तेलुगु और मराठी समुदाय शामिल हैं। इनके साथ ही क्रियोल, चीनी और फ्रांसीसी मूल के नागरिक भी मारीशस के सामाजिक ताने-बाने का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। विशेषज्ञों के अनुसार मारीशस की सबसे बड़ी ताकत उसका संविधान है, जो सभी धर्मों को समान अधिकार प्रदान करता है। देश का कोई आधिकारिक राज्य धर्म नहीं है और सरकार विभिन्न समुदायों के प्रमुख धार्मिक पर्वों को सार्वजनिक अवकाश के रूप में मान्यता देती है।

दिवाली, ईद, क्रिसमस, चीनी नववर्ष और अन्य प्रमुख त्योहार राष्ट्रीय स्तर पर मनाए जाते हैं। इससे सभी समुदायों में समान सम्मान और सहभागिता की भावना विकसित होती है। शिक्षा व्यवस्था को भी सामाजिक सद्भाव का महत्वपूर्ण आधार माना जाता है। स्कूलों में विद्यार्थियों को विविधता, सहिष्णुता और आपसी सम्मान का महत्व सिखाया जाता है। इतिहास की पढ़ाई में भी विभिन्न समुदायों के योगदान और साझा विरासत पर विशेष जोर दिया जाता है। सामाजिक जीवन में लोग एक-दूसरे के त्योहारों में भाग लेते हैं और विभिन्न समुदायों के बीच आपसी मेलजोल सामान्य बात मानी जाती है। मारीशस की मजबूत अर्थव्यवस्था भी सामाजिक स्थिरता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पर्यटन, चीनी उद्योग, वस्त्र निर्माण, वित्तीय सेवाओं और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों ने रोजगार के अवसर बढ़ाए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि जब आर्थिक अवसर उपलब्ध होते हैं और सामाजिक असमानता अपेक्षाकृत कम होती है, तब सामाजिक तनाव की संभावना भी घट जाती है। इसके अलावा भड़काऊ भाषण, नफरत फैलाने वाले संदेश और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली गतिविधियों के खिलाफ प्रशासन सख्त रुख अपनाता है।

बलूचिस्तानः आजाद रियासत से पाकिस्तान के प्रांत तक संघर्ष

इस्लामाबाद

बलूचिस्तान, दक्षिण एशिया का एक ऐतिहासिक और खनिज संसाधनों से भरपूर क्षेत्र है, जो वर्तमान में पाकिस्तान, ईरान और अफगानिस्तान के बीच विभाजित है। पाकिस्तान का बलूचिस्तान प्रांत क्षेत्रफल के हिसाब से देश का सबसे बड़ा प्रांत है, हालांकि इसकी आबादी थोड़ी कम है। इतिहासकारों के अनुसार, ब्रिटिश शासन के दौरान यहां कई रियासतें मौजूद थीं, जिनमें कलात रियासत सबसे प्रमुख थी। 11 अगस्त 1947 को, भारत और पाकिस्तान के औपचारिक गठन से ठीक पहले, कलात के खान ने अपनी स्वतंत्रता की घोषणा कर दी थी। इसके बाद कुछ महीनों तक कलात ने स्वयं को एक स्वतंत्र राज्य के रूप में संचालित किया और पाकिस्तान के साथ अपने भविष्य को लेकर बातचीत जारी रखी।

पाकिस्तान की स्थापना के बाद कलात और नवगठित पाकिस्तान के बीच कई दौर की वार्ताएं हुईं। पाकिस्तान चाहता था कि कलात उसके साथ विलय कर ले, जबकि कलात के शासक शुरुआत में अपनी स्वतंत्र स्थिति बनाए रखना चाहते थे। आखिरकार, 27 मार्च 1948 को, कलात के तत्कालीन खान, अहमद यार खान ने पाकिस्तान के साथ विलय पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए। पाकिस्तान का आधिकारिक पक्ष इस विलय को एक स्वैच्छिक और कानूनी प्रक्रिया मानता है, लेकिन कई बलूच राष्ट्रवादी नेताओं और कुछ इतिहासकारों का दावा है कि यह फैसला राजनीतिक और सैन्य दबाव में लिया गया था। इसी मूलभूत विवाद के कारण आज भी इस विषय पर अलग-अलग मत देखने को मिलते हैं, और यह बलूचिस्तान के मौजूदा संघर्षों की जड़ में है।

विलय के तुरंत बाद ही इसका विरोध शुरू हो गया। कलात के खान के भाई प्रिंस अब्दुल करीम ने इस विलय को अस्वीकार कर दिया और पाकिस्तान के खिलाफ विद्रोह छेड़ दिया। तब से लेकर आज तक, बलूचिस्तान में समय-समय पर कई अलगाववादी आंदोलन और सशस्त्र संघर्ष हुए हैं। 1950 के दशक, 1960 के दशक, 1970 के दशक और फिर 2000 के दशक के बाद भी बलूच अलगाववादी संगठनों और पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों के बीच संघर्ष लगातार जारी रहा है। बलूच संगठनों का आरोप है कि उनके प्राकृतिक संसाधनों (जैसे गैस, तांबा, सोना) का पर्याप्त लाभ स्थानीय लोगों को नहीं मिलता, और उन्हें विकास से वंचित रखा जाता है। वहीं, पाकिस्तान सरकार का कहना है कि वह क्षेत्र के विकास और सुरक्षा के लिए लगातार काम कर रही है। आज बलूचिस्तान पाकिस्तान की राजनीति और सुरक्षा के लिहाज से सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में से एक माना जाता है। 1948 में हुए विलय की वैधता और परिस्थितियों को लेकर विवाद अब भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। पाकिस्तान इसे अपने संघ का वैध हिस्सा मानता है, जबकि कई बलूच राष्ट्रवादी संगठन ऐतिहासिक आधार पर पूर्ण स्वतंत्रता की मांग करते हैं और अपनी आवाज विभिन्न माध्यमों से उठाते रहते हैं।

रोटरी क्लब ऑफ निजामाबाद ने मनाया जिला पर्यावरण दिवस, 60 से अधिक पौधों का किया वृक्षारोपण

निजामाबाद, 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रोटरी क्लब ऑफ निजामाबाद, आरआई जिला 3150 के तत्वावधान में जिला पर्यावरण दिवस के अवसर पर रविवार को न्यालकल रोड स्थित एनआरएसटी परिसर में वृक्षारोपण अभियान एक हरित भविष्य के लिए कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान 60 से अधिक फलदार, फूलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरटीएन. पीपी. अकुला अशोक, अध्यक्ष, एनआरएसटी ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग और बढ़ते प्रदूषण से आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। उन्होंने रोटरी क्लब द्वारा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए ग्रीन टुडे, बेटर टुमॉरो का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर रोटरी कम्युनिटी सेंटर परिसर में 60 से अधिक पौधे लगाए गए। इन पौधों की नियमित देखभाल की जिम्मेदारी क्लब के सदस्यों ने स्वयं लेने का संकल्प लिया।

रोटरी क्लब ऑफ निजामाबाद के अध्यक्ष आरटीएन. सीए. श्रीकांत झंवर ने कहा कि क्लब स्वयं से ऊपर सेवाङ्बङ्ग की भावना के साथ समाज सेवा के विभिन्न कार्यों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए भी निरंतर कार्य करता रहेगा।

कार्यक्रम में क्लब के सचिव आरटीएन. डॉ. अंकित अग्रवाल, कोषाध्यक्ष आरटीएन. पवन पांडे, कम्युनिटी सर्विस डायरेक्टर आरटीएन. पीपी. बी. विजय राव सहित पूर्व अध्यक्ष कटकम श्रीनिवास, इंगु राजेश्वर, दर्शन सिंह, जितेंद्र मलानी, राज कुमार सुबेदार, वी. श्रीनिवास राव, ज्ञान प्रकाश, चिलक प्रकाश, रामकृष्ण, श्याम अग्रवाल, डॉ. अमरनाथ, बासा प्रकाश, बाबू राव, गोविंद झंवर, बिरेली नरसिंग राव, गोपाल किरण, गुरप्रीत सिंह, अकुला संदीप, रमेश, गंगारेड्डी सहित बड़ी संख्या में रोटरी सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थितजनों ने संकल्प लिया कि हर व्यक्ति कम से कम एक पौधा लगाए और उसके पूर्ण विकसित होने तक उसकी देखभाल की जिम्मेदारी निभाए। इस सामूहिक संकल्प के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश समाज तक पहुंचाने का आह्वान किया गया।

विशाखापट्टणम में आचार्य श्रीमद्विजय भक्तिरत्न सूरीश्वरजी का भव्य चातुर्मास प्रवेश

विशाखापट्टणम, 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के श्री विशाखा जैन मूर्तिपूजक संघ, विशाखापट्टणम में परम पूज्य आचार्य भगवंत श्रीमद्विजय भक्तिरत्न सूरीश्वरजी महाराज साहब आदि ठाणा-3 का चातुर्मास प्रवेश श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं विभिन्न जैन संघों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

चातुर्मास प्रवेश समारोह में श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर संघ, गोशामहल, हैदराबाद की ओर से संघ का प्रतिनिधित्व करने हेतु पदाधिकारियों एवं गणमान्य सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल विशेष रूप से विशाखापट्टणम पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल में चंपालाल भंडारी, अशोक बागरेचा (वापीवाला), जितेंद्र मरड़िया, अशोक कवाड़, मोहनलाल मुणोत, मुकेशभाई चौहान, बाबूलाल सालेचा, प्रवीण मरड़िया, जयंतीलाल कांकरिया, दिनेश छत्रगोता, हेमराज बाफना, जितेंद्र भंडारी, राजू पटवारी, सुरेश सालेचा, विलासभाई बंदामुथा, दिनेशभाई छत्रगोता सहित अन्य संघ सदस्य शामिल थे।

प्रतिनिधिमंडल ने पूज्य आचार्य भगवंत के श्रीचरणों में वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा श्री विशाखा जैन मूर्तिपूजक संघ के पदाधिकारियों से भेंट कर गोशामहल, हैदराबाद संघ की ओर से मंगलकामनाएं प्रेषित कीं।

साथ ही चातुर्मास की सफल एवं मंगलमय पूर्णता के लिए शुभेच्छाएं व्यक्त कीं।

इस अवसर पर श्री विशाखा जैन मूर्तिपूजक संघ, विशाखापट्टणम द्वारा सभी पधारे हुए धर्मप्रेमियों एवं अतिथियों का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। पूरा वातावरण धार्मिक आस्था, श्रद्धा और भक्ति से ओत-प्रोत रहा।

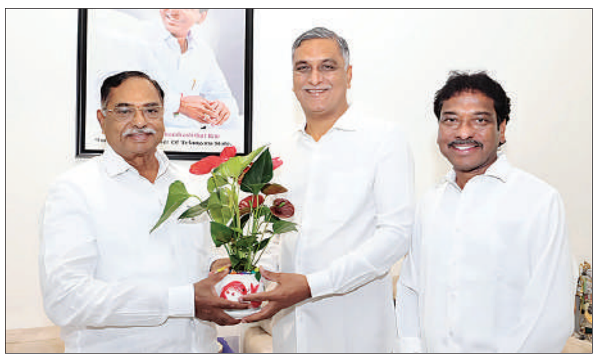

पूर्व मंत्री हरीश राव से मुलाकात करते हुए पेद्दापल्ली के पूर्व विधायक दसारी मनोहर रेड्डी एवं पेद्दापल्ली जिला पुस्तकालय के पूर्व अध्यक्ष रघुवीर सिंह।

विनायक नवरात्रि उत्सव भव्य रूप से मनाया जाएगा : स्वरूप किरण गौड़

पेद्दापल्ली, 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष डॉ. स्वरूप किरण गौड़ ने कहा कि इस वर्ष विनायक नवरात्रि उत्सव को हिंदू आध्यात्मिकता और देशभक्ति के प्रतीक के रूप में भव्य स्तर पर मनाया जाएगा। रविवार को हैदराबाद में आरएसएस क्षेत्र कार्यवाह काचम रमेश जी और भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष राघव रेड्डी के तत्वावधान में आयोजित बैठक में उन्होंने यह बात कही। डॉ. गौड़ ने तेलंगाना में मंदिरों और मूर्तियों पर हमलों पर चिंता जताते हुए दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की और कहा कि आरोपी चाहे कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाना चाहिए।

उन्होंने सरकार से उत्सवों पर लगे प्रतिबंधों में ढील देने और सहयोग का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हिंदू त्योहार अर्थव्यवस्था को भी बल देते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की डखठ प्रक्रिया को लेकर जागरूकता लाई जाएगी ताकि पात्र हिंदू मतदाताओं के नाम सूची से न हटें और अवैध घुसपैठियों पर कार्रवाई हो।

करीमनगर में संयुक्त जिला समीक्षा बैठक संपन्न

पेद्दापल्ली / करीमनगर, 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। करीमनगर प्रभारी मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव की अध्यक्षता में शनिवार को करीमनगर कलेक्ट्रेट में संयुक्त जिला समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायी मामलों और आईटी मंत्री डुडिल्ला श्रीधर बाबू, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार और पेद्दापल्ली जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिले के विकास कार्यों और शासन की योजन-ाओं की प्रगति पर चर्चा की गई।

केबीआर पार्क पर किया गया अन्नदान, जरूरतमंदों की सेवा में समर्पित रहा राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद

हैदराबाद, 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को प्रेम, आत्मीयता और सम्मान के साथ भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य के दौरान ग्रुप के सदस्यों ने प्रत्येक व्यक्ति का सम्मानपूर्वक स्वागत करते हुए मानवता और सेवा का संदेश दिया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुभाष अग्रवाल ने कहा कि निस्वार्थ भाव से किया गया अन्नदान सबसे श्रेष्ठ सेवा है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य केवल भोजन वितरित करना नहीं, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करना भी है। उन्होंने सभी समाजबंधुओं से आग्रह किया कि वे अपनी क्षमता के अनुसार सेवा कार्यों में सहभागी बनकर जरूरतमंदों के जीवन में खुशियां लाने का प्रयास करें।

कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, भंवरलाल अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता एवं उर्मिला गुप्ता ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। सभी ने पूरे समर्पण और उत्साह के साथ अन्नदान सेवा को सफल बनाया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर समाजसेवा के कार्यों में जुड़े रहने का संकल्प व्यक्त किया। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर नियमित रूप से संचालित अन्नदान कार्यक्रम सेवा, संस्कार और मानवता का उत्कृष्ट उदाहरण बन चुके हैं। ग्रुप का यह सतत सेवा अभियान जरूरतमंदों के लिए आशा की किरण और पूरे समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है।

हाईलाइफ ज्वेल्स प्रदर्शनी 24 से

हैदराबाद, 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): हैदराबाद के आभूषण प्रेमियों के लिए एक बेहद शानदार और अनूठा अवसर आने जा रहा है। शहर की सबसे प्रीमियम और विशिष्ट आभूषण प्रदर्शनी हाईलाइफ ज्वेल्स एक्जिबिशन आगामी 24, 25 और 26 जुलाई 2026 को हैदराबाद के हाईटेक सिटी स्थित एचआईसीसी-नोवोटेल में आयोजित होने के लिए पूरी तरह तैयार है। रविवार को हैदराबाद में आयोजित इस प्रदर्शनी के भव्य आभूषण प्रदर्शन और तारीखों की घोषणा के विशेष कार्यक्रम में प्रसिद्ध अभिनेत्री कामाक्षी भास्कर्ला, अभिनेत्री प्रीति सुंदर और अभिनेत्री आद्या रेड्डी ने भाग लिया। इन लोकप्रिय अभिनेत्रियों के साथ-साथ आभूषण प्रेमियों और उत्साही लोगों ने उन विशेष एवं चुनिंदा डिजाइनों को प्रदर्शित किया, जो इस आगामी प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण होने वाले हैं।

इस भव्य प्री-इवेंट (तारीखों की घोषणा के कार्यक्रम) के दौरान फिल्मी पर्दे की जानी-मानी अभिनेत्रियों ने एक से बढ़कर एक नायाब आभूषणों को पहनकर मीडिया और प्रशंसकों के सामने पेश किया। अभिनेत्री कामाक्षी भास्कर्ला, अभिनेत्री प्रीति सुंदर और अभिनेत्री आद्या रेड्डी के इस खास लुक ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। अभिनेत्रियों ने इस आगामी प्रदर्शनी का हिस्सा बनने वाले डिजाइनों की तारीफ की और बताया कि यहां पेश किए जाने वाले गहने हर महिला के दिल को छू लेने वाले हैं।

24, 25 और 26 जुलाई 2026 को एचआईसीसी-नोवोटेल में होने वाली यह तीन दिवसीय हाईलाइफ ज्वेल्स प्रदर्शनी हैदराबाद के लिए सबसे खास इवेंट साबित होने वाली है। इस प्रदर्शनी में देश के कोने-कोने से आए बेहतरीन ज्वेलरी डिजाइनर्स अपने सबसे विशिष्ट, पारंपरिक और आधुनिक कलेक्शन पेश करेंगे। यह उन सभी लोगों के लिए एक बेहतरीन मौका होगा जो शादी-ब्याह, त्योहारों या किसी खास अवसर के लिए सबसे अलग और प्रीमियम आभूषणों की तलाश में हैं। रविवार को हुए इस प्री-लॉन्च इवेंट में न सिर्फ मशहूर अभिनेत्रियां बल्कि शहर के प्रतिष्ठित आभूषण प्रेमी, ज्वेलरी एक्सपर्ट्स और खरीदार भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

पेद्दापल्ली जिला ऑटो जेएसी की नई तदर्थ समिति का गठन

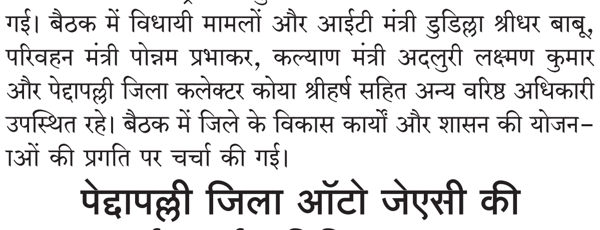

पेद्दापल्ली, 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिला ऑटो जे.ए.सी. ने सर्वसम्मति से अपनी नई तदर्थ समिति का चुनाव किया है। जिला केंद्र में आयोजित आपातकालीन बैठक में राज्य स्तरीय नेताओं ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

बैठक में ऑटो श्रमिकों की समस्याओं, एसोसिएशन को मजबूत करने और भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा कर पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए।

जिला जे.ए.सी. को और सशक्त बनाने के उद्देश्य से नई समिति की घोषणा की गई, जिसमें - एनागंडुला नामपल्ली को जिला संयोजक, एसके जब्बार को जिला सह-संयोजक, एमडी गौस को रामागुंडम निर्वाचन क्षेत्र संयोजक, मदिपेद्दा रमेश को रामागुंडम सह-संयोजक, मट्टा नरसैया को मंथनी संयोजक और यादगिरी शंकर को पेद्दापल्ली निर्वाचन क्षेत्र संयोजक चुना गया।

इस अवसर पर राज्य नेताओं ने कहा कि ऑटो श्रमिकों के अधिकारों और कल्याण की रक्षा के लिए संगठन को और मजबूत करना जरूरी है।

बैठक में राज्य अध्यक्ष मंडा रविकुमार, कार्यकारी अध्यक्ष इम्मादिसेट्टी राजू, राज्य उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी जनगामा कुमार, राज्य उपाध्यक्ष आईबी चारी, महासचिव बुगुडाला सैलू, करीमनगर जिला प्रभारी मद्देला राजेंदर, मंचरियाल जिलाध्यक्ष कट्टा रामकुमार सहित अन्य नेता उपस्थित थे। जिले भर से बड़ी संख्या में ऑटो चालकों ने बैठक में भाग लेकर नई समिति को बधाई दी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपको कामकाम के मोर्चे पर धक्का लग सकता है, क्योंकि आपकी सेहत आपके साथ नहीं है और इसके चलते आपको कोई ज़रूरी काम अधर में ही छोड़ना पड़ सकता है। ऐसे हालात में धैर्य और होशियारी से काम लें। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, जब आपको लगता है कि आपके पास घर वालों या अपने दोस्तों के लिए टाइम नहीं है तो आपका मन खराब हो जाता है ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। बच्चे को अपनी उम्मीदों के मुताबिक़ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करें। हालाँकि किसी चमत्कार की उम्मीद न करें। आपका प्रोत्साहन निश्चित तौर पर बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाएगा।धन को इतनी अहमियत न दें कि आपके रिश्ते ही खराब हो जाएँ। यह बात याद रखें कि धन मिल सकता है लेकिन रिश्ते नहीं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। खासकर अपने पर्स को आज बहुत संभालकर रखें। घर पर कोशिश करें कि कोई आपकी वजह से आहत न हो और परिवार की ज़रूरतों के मुताबिक़ ख़ुद को ढालें। आज आपके पास लोगों से मिलने-जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है । जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता मज़बूत होगा। जब आपके पास ज़्यादा खाली समय हो, तो नकारात्मक विचार आपको ज़्यादा परेशान करते हैं। अत: सकारात्मक पुस्तकें पढ़ें ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज हो सकते हैं। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। जीवनसाथी के साथ हँसते-खिलखिलाते, हर पल के मज़े लेते हुए आप महसूस करेंगे कि आप किशोरावस्था में लौट गए हैं। आध्यात्म की ओर आज आपका झुकाव देखा जा सकता है और आप किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। जो लोग अब तक पैसे को बेवजह खर्च कर रहे थे आज उन्हें समझ आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है क्योंकि आज अचानक आपको पैसे की जरुरत पड़ेगी और आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। आपका अड़ियल स्वभाव आपके माता-पिता का चैन छीन सकता है। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर मुमकिन हो तो लम्बे सफ़र पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए अभी आप कमज़ोर हैं और उनसे आपकी कमज़ोरी और बढ़ेगी। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली-भांति जाँच-पड़ताल कर लें। दोस्तों के साथ शाम को घूमने बाहर जाएँ, इससे आपको बहुत फ़ायदा होगा। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है। आज अचानक तबीयत खराब हो सकती है जिससे आप सारे दिन भर परेशान रह सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। बेवजह का शक रिश्तों को खराब करने का काम करता है। आपको भी अपने प्रेमी पर शक नहीं करना चाहिए। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। शाम का वक्त अच्छा रहे इसके लिए आपको दिनभर मन लगाकर काम करने की जरुरत है। लंबे समय से कामकाज का दबाव आपके वैवाहिक जीवन के लिए कठिनाई खड़ा कर रहा है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका स्पष्ट और निडर नज़रिया आपके दोस्त के अहम्को ठेस पहुँचा सकता है। आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं- लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं- या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। आपको ख़ुश रखने के लिए आपके बच्चे जो कुछ बन पड़ेगा, वह करेंगे। अगर आप यात्रा कर रहें है तो सभी ज़रूरी दस्तावेज़ साथ रखना न भूलें। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। माता के साथ आज आप अच्छा समय बिता सकते हैं, आज वो आपसे आपकी बचपन की बातें शेयर कर सकती हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने स्वास्थ्य को लेकर ज़्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आपको बच्चों या ख़ुद से कम अनुभवी लोगों के साथ धैर्य से काम लेने की ज़रूरत है। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज अपने प्रेमी की याद सता सकती है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। किसी दोस्त की सहायता करके आज आप अच्छा महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

लंबे समय से चली आ रही अपनी बीमारी का इलाज अपनी मुस्कान से करें, क्योंकि यह सभी परेशानियों की सबसे कारगर दवा है। बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। कोई आपको दिल से सराहेगा। शादीशुदा ज़िन्दगी के नज़रिए से चीज़ें काफ़ी अच्छी रहेंगी। जीवन की उलझनों का हल आपको खुद ढूंढने की जरुरत है क्योंकि लोग आपको बस सलाह दे सकते हैं और कुछ नहीं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे- ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे। आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। नाती-पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आकर्षित करेंगे। अगर आप ऐसे अच्छे कामों में थोड़ा समय लगाएँ, तो काफ़ी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। ख़राब तबियत से ध्यान हटाने के लिए कोई और दिलचस्प काम करें। क्योंकि इस बारे में आप जितनी ज़्यादा बातें करेंगे, उतनी ही ज़्यादा तकलीफ़ आपको होगी। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. ऐसे काम करें जिनसे आपको ख़ुशी मिले, लेकिन दूसरों के मामलों में दख़लअंदाज़ी से बचें। अपने घर परिवार के साथ समय बिताने की जरुरत है। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है। आपके दोस्त आपके काम नहीं आते यह शिकायत आज आपको हो सकती है।

आज का पंचांग

दिनांक : 20 जुलाई 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 04:04 तक
नक्षत्र : हस्त रात्रि 07:10 तक
योग : शिव सायं 06:37 तक
करण : गर सायं 03:43 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 05:51 ,सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पुष्य में रवि प्रात: 11:04 से , भद्रा रात्रि 04:00 से

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

गृह प्रवेश कर रहें हैं तो करें ये उपाय, जानें किस यंत्र से होगी कौन सी बाधा दूर

घर में प्रवेश करने से पहले बडे-बुजुर्ग, पूजनीय, पित्रों (इष्ट) का आशीर्वाद लें तथा भोजन कराना चाहिए। ऐसा करने से सबके मन में सकारात्मक प्रभाव आता है और उनकी सकारात्मक शक्ति आपको जीवन में आगे बढने का हौसला देती है।

मकान, वस्तु शास्त्र की विधि द्वारा बनवाना जितना जरूरी है, उतना ही ज्योतिष विद्या के अनुसार गृह प्रवेश भी जरूरी है। विभिन्न ज्योतिष ग्रंथों में नक्षत्रों को ध्यान में रखकर गृहप्रवेश विधि का वर्णन किया गया है। सभी ज्योतिष शास्त्रों में गृह प्रवेश को विधि विधान द्वारा ही शुभ माना जाता है। ऐसा न करने पर कोई अनहोनी या समस्या जातक को परेशान कर सकती है।

नए मकान में प्रवेश करने से पहले रंगाई- पुताई करवाकर पानी के सभी नल, बिजली के कनेक्शन आदि की अच्छी तरह से जांच कर लेनी चाहिए। शुभ मुहूर्त में, मकान का फर्श- सुथरा करके यज्ञ, हवन, पूजन, दीप, धूप आदि द्वारा विधि- विधान से गृह प्रवेश पूजन सम्पन्न करना चाहिए। घर में प्रवेश करने से पहले बडे- बुजुर्ग, पूजनीय, पित्रों (इष्ट) का आशीर्वाद लें तथा भोजन कराना चाहिए। ऐसा करने से सबके मन में सकारात्मक प्रभाव आता है और उनकी सकारात्मक शक्ति आपको जीवन में आगे बढने का हौसला देती है। रोजाना घर में फिटकरी के पानी से पोछा लगाना भी बेहद लाभकारी माना जाता है। घर में वास्तु दोष निवारक यंत्र अवश्य रखें इससे अगर घर की बनावट में किसी तरह की परेशानी होगी तो दूर होगी।

हिंदू धर्म संस्कृति में प्राचीन युग से ही वास्तु देवता की प्रसन्नता के लिए उनकी पूजा का विशिष्ट स्थान रहा है। चाहे नगर निर्माण हो या भवन निर्माण अथवा कर्मकांड के लघु एवं बृहत यज्ञानुष्ठान आदि हों, इन सभी कार्यों में सफलता में आने वाली बाधाओं के शमन के लिए वास्तुपुरुष की विधिपूर्वक पूजा की जाती है। ऐसी स्थिति में संपूर्ण वास्तुयंत्र को अपने घर में स्थापित करने से वास्तु देवता प्रसन्न होते हैं जिससे घर की सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

श्री गायत्री यंत्र: गायत्री यंत्र के पूजन, दर्शन से घर में सात्विक वातावरण बनता है जिससे घर के सभी सदस्यों में पवित्र भावना का विकास होता है। महामृत्युंजय यंत्र: इस यंत्र के दर्शन, पूजन से घर में दु:ख, बीमारियों से रक्षा होती है, व्यक्ति उन्नति की ओर अग्रसर होता है।

श्री काली यंत्र: महाकाली यंत्र के दर्शन, पूजन से अकाल मृत्यु से रक्षा होती है। आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। श्री वास्तु महायंत्र: इस यंत्र के दर्शन, पूजन से घर में वास्तुदोष का निवारण होता है। घर की सुरक्षा बनी रहती है।

श्री केतु यंत्र: केतु यंत्र के दर्शन, पूजन से अचानक होने वाली अशुभ घटनाओं का पूर्वाभास होता है। व्यक्ति सावधानीपूर्वक विकट स्थितियों का सामना करने में सफल होता है।

श्री राहु यंत्र: इस यंत्र के दर्शन, पूजन से कार्यों में आने वाली अडचनें दूर होती हैं। सामान्य संघर्ष के बाद व्यक्ति सफलता प्राप्त करता है।

श्री शनि यंत्र: शनि यंत्र के पूजन, दर्शन से हीन भावनाओं का नाश होता है। व्यक्ति स्थिरतापूर्वक कार्यक्षेत्र में सफ्ल होता है।

श्री मंगल यंत्र: मंगल यंत्र के पूजन, दर्शन से धैर्य एवं साहस में वृद्धि होती है जिससे व्यक्ति निडर होकर कार्य करता है।

श्री कुबेर यंत्र: कुबेर यंत्र के पूजन, दर्शन से आय के स्रोतों में वृद्धि होती है। धन का सदुपयोग होता है।

इसीलिए इसका नाम स्कंद पुराण पडा

स्कंदपुराण का मूल रचनाकाल सातवीं शताब्दी माना जाता है, पर इसमें समय-समय पर सामग्री जुडती गई है। इसके वृहदाकार का यही कारण है। शिव-पुत्र कार्तकेय का नाम ही स्कन्द है।

पुराणों के क्रम में स्कंद पुराण का तेरहवां स्थान है। आकार की दृष्टि से सबसे बडा पुराण है। इसमें स्कंद (कार्तकेय) द्वारा शिवतत्व का वर्णन किया गया है। इसीलिए इसका नाम स्कंद पुराण पडा। इसमें तीर्थों के उपाख्यानों और उनकी पूजा-पद्धति का भी वर्णन है। 'वैष्णव खंड' में जगन्नाथपुरी की और 'काशीखंड' में काशी के समस्त देवताओं, शिवलिंगों का आविर्भाव और महात्म्य बताया गया है। 'आवन्यखंड' में उज्जैन के महाकलेश्वर का वर्णन है।

हिंदुओं के घर-घर में प्रसिद्ध 'सत्यनारायण व्रत' की कथा 'रेवाखंड' में मिलती है। तीर्थों के वर्णन के माध्यम से यह पुराण पूरे देश का भौगोलिक वर्णन प्रस्तुत करता है। स्कंदपुराण का मूल रचनाकाल सातवीं शताब्दी माना जाता है, पर इसमें समय-समय पर सामग्री जुडती गई है। इसके वृहदाकार का यही कारण है। शिव-पुत्र कार्तकेय का नाम ही स्कन्द है। स्कन्द का अर्थ होता है- क्षरण अर्थात् विनाश। भगवान शिव संहार के देवता हैं। उनका पुत्र कार्तिकेय संहारक शस्त्र अथवा शक्ति के रूप में जाना जाता है। यह छह संहिताओं-सनत्कुमार संहिता, सूत संहिता, शंकर संहिता, वैष्णव संहिता, ब्रहम संहिता तथा सौर संहिता में विभाजित है।

'स्कन्द पुराण' में इक्यासी हजार श्लोक हैं। इस पुराण का प्रमुख विषय भारत के शैव और वैष्णव तीर्थों के माहात्म्य का वर्णन करना है। उन्हीं तीर्थों का वर्णन करते समय प्रसंगवश पौराणिक कथाएं भी दी गई हैं। बीच-बीच में अध्यात्म विषयक प्रकरण भी आ गए हैं। तुलसीदास के 'रामचरित मानस' में इस पुराण का व्यापक प्रभाव दिखाई देता है।

'स्कन्द पुराण' कहता है कि ममता-मोह त्याग कर निर्मल चित्त से मनुष्य को भगवान के चरणों में मन लगाना चाहिए। तभी वह कर्म के बन्धनों से मुक्त हो सकता है। मन के शान्त हो जाने पर ही व्यक्ति योगी हो पाता है। जो व्यक्ति राग-द्वेष छोडकर क्रोध और लोभ से दूर रहता है, सभी पर समान दृष्टि रखता है तथा शौच-सदाचार से युक्त रहता है; वही सच्चा योगी है।

'स्कन्द पुराण' में जितने तीर्थों का उल्लेख है, उतने तीर्थ आज देखने में नहीं आते। उनमें से अधिकांश तीर्थों का तो नामोनिशान तक मिट गया है और कुछ तीर्थ खण्डहरों में परिवर्तित हो चुके हैं। इस कारण समस्त तीर्थों का सही-सही पता लगाना अत्यन्त कठिन है। किन्तु जिन तीर्थों का माहात्म्य प्राचीन काल से चला आ रहा है, उनका अस्तित्व आज भी देखा जा सकता है।

जब पार्वती ने दिया शिवजी को श्राप

भगवान शंकर ने माता पार्वती को अपने साथ द्युत क्रीडा खेलने का प्रस्ताव दिया। इस खेल में भगवान शिव सब कुछ पार्वतीजी के हाथों हार जाते हैं। द्युत क्रीडा में सब कुछ हारने के बाद भगवान शिव पत्तों के वस्त्र पहनकर गंगा के तट पर चले जाते हैं।

द्युत क्रीडा (जुआ) ने केवल मनुष्यों को ही बर्बाद नहीं किया है बल्कि इसके चपेट से भगवान भी नहीं बच सके। महाभारत काल में पांडवों को तथा पार्वती के साथ भगवान शिवजी को भी इस खेल में सब कुछ गवाना पडा था। शायद इन्हीं देवताओं की गलती से सबक लेकर बडे-बुजर्गों ने हम सबको जुआ को खेल नहीं एक बुराई के रूप में बताया है। जुआ के कारण उस काल से लेकर इस काल तक कई परिवार बर्बाद हुए हैं। इसे कभी भी एक खेल के रूप में नहीं देखा गया क्योंकि इसके पीछे बिना मेहनत के लाभ कमाना और षडयंत्र जैसे कृत शामिल होता है। जुआ के कारण भगवान शंकर को सबकुछ हारना पडा था।

कहा जाता है कि एक बार भगवान शंकर ने माता पार्वती को अपने साथ द्युत क्रीडा खेलने का प्रस्ताव दिया। इस खेल में भगवान शिव सब कुछ पार्वतीजी के हाथों हार जाते हैं। द्युत क्रीडा में सब कुछ हारने के बाद भगवान शिव पत्तों के वस्त्र पहनकर गंगा के तट पर चले जाते हैं।

यह देख पार्वती बहुत चिंतित हो गई । माता पार्वती ने गणोश जी को पूरी बात बतायी। माता की व्यथा सुनकर गणेश जी स्वयं जुआ खेलने शंकर भगवान के पास पहुंचते हैं। गणेश जी की लीला देखिए वह शिवजी से द्युत क्रीडा जीत जाते हैं। यह समाचार माता को सुनाते हैं लेकिन माता पार्वती खुश नहीं होती है। वह उन्हें अपने साथ शिवजी को लाने के लिए भी कहती हैं। गणेशजी भोलेबाबा की तलाश में चले जाते हैं।

उधर पार्वती से नाराज भोलेबाबा लौटने से इंकार कर देते है। भोलेनाथ की मदद के लिए उनके परम भक्त रावण ने बिल्ली का रूप धारण कर गणेश जी के वाहन मूषक भगा देते हैं। अब भगवान विष्णु ने भोलेनाथ की इच्छा से पासा का रूप धारण कर लिया। शंकरजी ने गणेशजी से कहा कि यदि पार्वती फिर से मेरे साथ जुआ खेलने के लिए राजी होती है तो मैं चलने के लिए तैयार हूँ।

शिवजी के प्रस्ताव पर पार्वती हस पडी और कहा कि अब जुआ खेलने के लिए आपके पास है क्या यह सुनकर नारद जी ने अपनी वीणा आदि सामग्री शिवजी को दे दिया। चूकी पासा के रूप में भगवान विष्णु थे इसलिए हर बाजी शिवजी जीतने लगे। परन्तु इस खेल की चाल गणेश जी समझ गए और माता पार्वती को बता दिया। यह सुनकर पार्वती जी को गुस्सा आ गया। यह देख रावण ने माता पार्वती को समझाने का प्रयत्न किया पर उनका गुस्सा शांत नहीं हुआ।

क्रोध में माता ने भोलेनाथ को श्राप दिया कि गंगा की धारा का बोझ उनके माधे पर हमेशा बना रहेगा। पार्वती जी ने नारद को भी श्राप दिया कि वे कभी एक स्थान पर नहीं टिक सकेंगे। उन्होंने भगवान विष्णु को श्राप दिया कि रावण तुम्हारा शत्रु होगा और रावण का विनाश विष्णु के हाथों होगा तथा कार्तिकेय को माता पार्वती ने कहा कि वह हमेशा बालक के रूप में ही रहेंगे।

यह पूजा और मंत्र आपके ज्ञान, बुद्धि और भाग्य को बेहतर बनाएंगे

हिन्दू धर्म शास्त्रों के मुताबिक गुरु बृहस्पति ज्ञान, बुद्धि और भाग्य को नियत करने वाले देवता माने गए हैं। साथ ही सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए भी गुरु पूजा श्रेष्ठ उपाय है। इन इच्छाओं को जल्द पूरा करने के लिये गुरुवार के दिन देव गुरु बृहस्पति की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। गुरुवार के दिन इस बेहद आसान गुरु बृहस्पति मंत्र से पूजा बुद्धि, ज्ञान और वैवाहिक बाधाओं को दूर कर किस्मत चमकाने वाली मानी गई है। इसलिए जानिए, गुरु पूजा की सरल विधि व मंत्र -

बृं बृहस्पतये नम:।

देवगुरु बृहस्पति के तंत्रोक्त मंत्र ना सिर्फ धन और वैभव की दृष्टि से चमत्कारी है बल्कि तुरंत असर करने वाले हैं। जरूरत है इन्हें एक साथ निरंतर जपने की। इन चमत्कारी पांचों मंत्रों की जप संख्या 19 हजार है। आप किसी भी एक गुरु मंत्र का गुरुवार के दिन जप कर सकते हैं।

गुरुवार के दिन नवग्रह या बृहस्पति मंदिर में गुरु बृहस्पति की प्रतिमा को पंचामृत स्नान या केसर मिले दूध से स्नान के बाद पूजा गंध, अक्षत, पीले फूल चढाएं, पीले पकवानों का भोग लगाएं। बाद पीले आसन पर बैठ नीचे लिख बेहद आसान बृहस्पति मंत्र का यथाशक्ति या कम से कम 108 बार सौभाग्य कामना से जप करें व आरती करें-

ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं स: गुरवे नम:।
ॐ ऐं श्रीं बृहस्पतये नम:।
ॐ गुं गुरवे नम:।
ॐ बृं बृहस्पतये नम:।
ॐ क्लीं बृहस्पतये नम:।

सूर्य के बाद सबसे विशाल ग्रह भी बृहस्पति ही है। देवपूज्य बृहस्पति या गुरु दार्शनिक, आध्यात्मिक ज्ञान को निर्देशित करने वाला उत्तम ग्रह माना गया है। देवगुरु बृहस्पति के तंत्रोक्त मंत्र ना सिर्फ धन और वैभव की दृष्टि से चमत्कारी है बल्कि तुरंत असर करने वाले हैं। जरूरत है इन्हें एक साथ निरंतर जपने की।

हिंदू धर्म में महिलाएं क्यूं नहीं फोडती नारियल

यदि भगवान को नारियल चढाया जाए तो, धन संबंधी समस्याएं दूर हो जाती हैं। आपने अक्सर मंदिरों में देखा होगा कि नारियल को या तो पंडित जी या फिर कोई पुरुष ही फोडता है।

पूजा के कार्य में नारियल का अपना महत्वपूर्ण स्थान है। किसी भी देवी देवता की पूजा नारियल के बिना अधूरी मानी जाती है। यदि भगवान को नारियल चढाया जाए तो, धन संबंधी समस्याएं दूर हो जाती हैं।

आपने अक्सर मंदिरों में देखा होगा कि नारियल को या तो पंडित जी या फिर कोई पुरुष ही फोडता है। महिलाओं को नारियल फोडने का अधिकार हिंदू धर्म में नहीं दिया गया है। क्या आपके मन में कभी ऐसा प्रशन्न उठा है कि जब हम महिलाओं को लक्ष्मी का दर्जा देते हैं, तो उनका नारियल फोडने से अधिकार क्यूं छीन लेते हैं। इसके पीछे भी राज है, आइये जानते हैं इसके बारे मे नारियल के पीछे भी एक कथा छुपी हुई है। वह यह है कि ब्रम्हा ऋषि विश्वामित्र ने विश्व का निर्माण करने से पहले नारियल का निर्माण किया था। यह मानव का प्रतिरूप माना गया था। नारियल को बीज रूप माना गया है, जो प्रजनन क्षमता से जुडा है।

स्त्रियों बीज रूप से ही शिशु को जन्म देती है और इसलिए नारी के लिए बीज रूपी नारियल को फोडना अशुभ माना गया है। देवी-देवताओं को श्रीफल चढाने के बाद पुरुष ही इसे फोडते हैं। हांलाकि इसके बारे में ना तो कहीं लिखा गया है और ना ही देवी-देवताओं ने इससे जुडे निर्देश कभी दिये हैं। यह सब सामाजिक मान्यताओं और विश्वास के चलते बरसों से हमारे रीति-रिवाज का हिस्सा बना हुआ है।

वजन घटाने के लिए ज्यादा कसरत करना ठीक नहीं

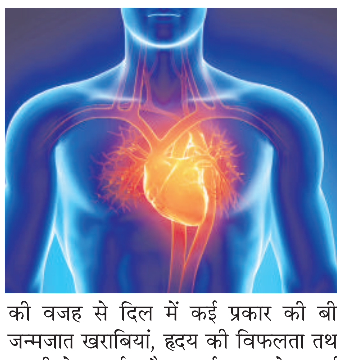

हृदय (दिल) हमारे शरीर का अहम अंग है। छाती के मध्य से थोड़ी बायीं ओर स्थित दिल पूरे शरीर में रक्त का प्रवाह करता है। दिल को ऑक्सीजन कोरोनरी धमनियों द्वारा प्रदान की जाती है जो कि रक्त के माध्यम से मिलती है। अलग-अलग कारणों की वजह से दिल में कई प्रकार की बीमारी जैसे रुमेटिक हृदय रोग, जन्मजात खराबियां, हृदय की विफलता तथा पेरिकार्डियल बहाव, कोरोनरी धमनी रोग, हार्ट अटैक, हार्ट वाल्व रोग, हार्ट फेल्योर, स्ट्रोक आदि हो सकते हैं।

दिल व ईसीजी के आकार में स्टेटोस्कोप

हृदय रोग (कार्डियोवस्कुलर हार्ट डिजीज) होने का मुख्य कारण है कोलेस्ट्राल के स्तर में वृद्धि। यदि हाइ डेन्सिटी लिपोप्रोटीन (एचडीएल) की मात्रा है तो वे कम प्रभावशाली होते हैं। एचडीएल को अच्छा कोलेस्ट्राल माना जाता है क्योंकि यह हृदय की रक्तवाहनियों से कोलेस्ट्राल को बाहर लाता है। यदि लो डेन्सिटी लिपोप्रोटीन अणुओं का आकार छोटा है तो उनके रक्तवाहनियों में जमने की आशंका बढ़ जाती है। मोटापा भी दिल की बीमारियों का प्रमुख कारण है। वजन घटाने के लिए नियमित व्यायाम तथा साधारण तथा संतुलित भोजन करना चाहिए।

वजन घटाने के लिए भूखे रहना और ज्यादा कसरत करना भी ठीक नहीं है, इससे दिल पर बुरा असर पड़ता है। दिल को स्वस्थ रखने के लिए नियमित रूप से व्यायाम और सुबह या शाम के समय चहलकदमी करनी चाहिए। व्यायाम से हाथ-पैरों की धमनियां स्वस्थ रहती हैं जिससे शरीर में रक्त बहाव ठीक से होता है। धूम्रपान भी दिल के रोग का एक प्रमुख कारण है। सोया प्रोटीन लेने से शरीर में एचडीएल कोलेस्ट्राल की मात्रा बढ़ती है, इसे गुड़ कोलेस्ट्राल माना जाता है।

इस तरह करें उपचार

जीवनशैली में करें सकारात्मक बदलाव: कार्डियोवस्कुलर रोगों से बचाव के लिए जीवन शैली में बदलाव व सुधार करना बहुत जरूरी है। इसके लिए जरूरी है कि शारीरिक सक्रियता को बनाएं रखा जाए। जितना हो सके तनाव से बचें। अपनी सोच को सकारात्मक रखें और आशावादी बनें। तनाव से बचने के लिए मनपसन्द संगीत सुन सकते हैं।

नियमित व्यायाम: नियमित रूप से व्यायाम करके आसानी से जानलेवा हृदय रोग से बचा जा सकता है। सुबह सैर पर जा सकते हैं या घर, पार्क या बागीचे में कसरत या योगा कर सकते हैं। अगर आप के परिवार में पूर्व में किसी को हृदय रोग रहा हो तो शारीरिक श्रम से आप लंबे समय तक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

सर्जरी का सहारा: यदि दवाएं और नियमित देखभाल हृदय रोग के लक्षणों को कम नहीं करती हैं, तो आप सर्जरी के विकल्प के बारे में अपने डॉक्टर से बात कर सकते हैं। अनेक प्रक्रियाएं जैसे हार्ट वॉल्व सर्जरी, इनफ्रेक्ट एक्सक्लूजन सर्जरी, हार्ट ट्रासप्लान्ट (हृदय प्रत्यारोपण) तथा बाईपास सर्जरी आदि संकीर्ण या अवरुद्ध धमनियों को फिर से खोलने या सीधे हृदय की चिकित्सा के लिए इस्तेमाल की जा सकती हैं।

खान पान का ध्यान रखें: तला-भुना अधिक न खाएं। फास्ट फूड और चिकनाई वाला खाना खाने से वजन भी बढ़ता है और यह चिकनाई रक्त धमनियों में जम जाती है। जिससे खून का बहार धीरे-धीरे कम होता जाता है। इसलिए संतुलित व पौष्टिक आहार ही लें। फल व सब्जियों का सेवन करें।

स्मार्ट शॉपिंग की सुपर टिप्स

सेल का सीजन चल रहा है। इस वक्त आपको हर जगह फ्लैट 50त्न डिस्काउंट लिखा मिल जाएगा। सच बात तो यह है कि यह डिस्काउंट ऑफर देखते ही हमें खरीददारी का लालच आ जाता है। जानें, कुछ शानदार टिप्स ताकि आप ज्यादा से ज्यादा डिस्काउंट पर अच्छे से अच्छा सामान घर ला सकें...

» शॉपिंग पर जाने से पहले एक बार उन चीजों की कीमत ऑनलाइन भी चेक कर लें। कई बार अलग-अलग वेबसाइट्स पर भी ये चीजें आसानी से मिल जाती हैं। ऑनलाइन का एक फायदा यह भी रहता है कि यहां पर कई बार अच्छे डिस्काउंट में सामान मिल जाता है। लेकिन ध्यान रखें कि कपड़े, जूते जैसी चीजें यहां से खरीदने पर उनकी फिटिंग में समस्या आ सकती है।

» अक्सर होता है कि कोई सामान बहुत पसंद आ जाता है या कई बार सामान की जरूरत अचानक से महसूस होने लगती है, जिसकी वजह से कब हम बजट से ज्यादा खर्च कर देते हैं, पता ही नहीं चलता। ऐसे में जरूरी है कि बजट सेट करके ही घर से निकलें और शॉपिंग के दौरान खुद पर बजट के हिसाब से कंट्रोल रखें।

» कभी भी दुकानदार की बातों से झांसे में न आएं। कई बार दुकानदार ऐसी लाइनें बोलता है कि यह डिस्काउंट तो सिर्फ आपके लिए है, आप हमारे खास कस्टमर हैं, ऐसा सामान जल्दी नहीं मिलता वगैरह-वगैरह। यह किसी भी दुकानदार का रोज का काम है और यह लाइनें वह हर कस्टमर को बोलते हैं। ऐसे में कभी भी दुकानदार की इस तरह की बातों में न आएं।

» सेल सीजन में शॉपिंग करने जा रही हैं तो ऑफर आने के बाद पहला दो दिन खरीददारी के लिहाज से बेस्ट होता है क्योंकि आपको स्टॉक में अच्छी-अच्छी चीजें हाथ लग जाती हैं। तब हर साइज और कलर में सामान उपलब्ध होते हैं और स्टॉक्स सीमित होने की चिंता नहीं रहती। हां, अगर ज्यादा डिस्काउंट पाना चाहती हैं तो इसके लिए आखिरी के दो दिन सबसे मुफीद हैं। आखिरी के दो दिनों में 70प्रतिशत तक डिस्काउंट मिलने लगते हैं।

» सेल के सीजन में स्टैंडर्ड साइज का अभाव होता है। मीडियम साइज के कपड़े जल्दी बिक जाते हैं। जाहिर है कि आप छोटे साइज के कपड़े तो नहीं लेंगे। इसलिए, अगर थोड़ी बड़ी साइज के मिल जाएं तो ले लीजिए क्योंकि अल्टर करवाने का ऑप्शन आपके पास होता है।

कमर दर्द ने कर रखा है परेशान तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे!

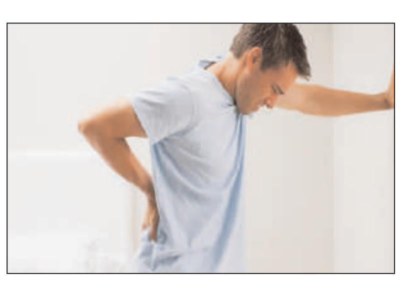

कई बार घंटों लगातार बैठे रहने से कमर में दर्द होना शुरू हो जाता है। इसके अलावा गलत लाइफस्टाइल और खान-पान में पोषक तत्वों की कमी से भी कमर दर्द की परेशानी होना आम बात है। इस दर्द के कारण बैठने-उठने में परेशानी और काम करने में भी दिक्कत आने लगती है। सही समय पर इसका इलाज न किया जाए तो यह दर्द बढ़ने लगता है। आज हम आपको कुछ घरेलू उपाय बताने जा रहे है जिसे अपनाकर आप दर्द से राहत पा सकते है।

कमर दर्द के घरेलू उपाय

अजवाइन : कमर में दर्द है तो एक छोटा चम्मच अजवाइन लेकर तवे पर सेंक लें। जब यह ठंड़ी हो जाए तो इसे धीरे-धीरे चबाते हुए निगलें। 7 दिन लगातार इसका सेवन करने से दर्द से राहत मिलती है।

सिकाई : दर्द होने पर उस जगह पर पानी की सिकाई करें। ध्यान रखें कि पानी ज्यादा गर्म न हो। इसके साथ ही बासी खाने से परहेज करें।

सैर भी जरूरी

सुबह सैर करने से कई हैल्थ प्रॉब्लम्स दूर होती है। कमर दर्द से बचने के लिए रोजाना सुबह 2 मील सैर जरूर करें।

सरसों का तेल : सरसों के तेल में लहसुन की तीन-चार कलियां डालकर गर्म कर लें और ठंडा होने पर इस तेल से कमर की मालिश करें।

कैल्शियम : कैल्शियम का कमी भी कमर में दर्द होने लगता है। ऐसे में अपनी डाइट में कैल्शियम युक्त आहार को शामिल करें।

इसलिए जल्द छोड़ दें शराब...

अगर आप शराब छोड़ने की प्लानिंग कर रहे हैं तो जितनी जल्दी हो सके कर लें, क्योंकि शराब लंबे समय तक आपको इफेक्ट कर सकती है। हाल ही में आई एक रिसर्च कुछ ऐसा ही कह रही है। जनरल ऑफ स्टडीज ऑन एल्कोहल एंड ड्रग्स में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, शराब को छोड़ने के बाद भी इसका प्रभाव लंबे समय पर शरीर पर साइलेंट तरीके से रहता है। यह हेल्थ को प्रभावित करता है यानी शराब की वजह से कई तरह की परमानेंट इंजरी हो जाती हैं जिसकी वजह से कई तरह के हेल्थ इश्यू होने लगते हैं। रिसर्च के नतीजों में पाया गया कि जो लोग युवावस्था में शराब पर निर्भर थे लेकिन शराब छोड़ने के 5 साल बाद तक उसका असर उन्हें दिखाई दिया और 60 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते बेशक कम लेकिन शराब का मेंटल और फीजिकल हेल्थ पर भी इफेक्ट दिखा।

डिप्रेशन का भी खतरा

रिसर्च में यह भी पाया गया कि जो लोग

एल्कोहल पीने के आदी हैं उनमें सामान्य लोगों से दुगुना डिप्रेशन होने की आशंका रहती है। हैरान करने वाली बात यह है कि ये सिम्टम्स तब भी बरकरार रहते हैं जब आप शराब सालों पहले छोड़ चुके हैं। दरअसल, शराब का दिमाग के कई हिस्सों में प्रभाव पड़ता है। रिसर्च यह भी कहती है कि जो लोग शराब पीना छोड़ देते हैं और लाइफस्टाकइल हेल्दी करते हैं। हेल्दी खाते हैं, स्मोकिंग नहीं करते और अपनी हेल्थ की परवाह करते हैं तो उन पर शराब छोड़ने के बाद शराब का उतना अधिक इफेक्ट नहीं पड़ता।

छोटी मात्रा भी खतरनाक

शराब की छोटी सी मात्रा भी शरीर को प्रभावित करती है। यह तेजी से हमारे शरीर के खून में मिल जाती है और पानी की कमी कर देती है। शराब हमारे शरीर को भावनात्मक और शारीरिक दोनों तरह से नुकसान करती है। यह हमारे उत्सर्जन तंत्र को सबसे अधिक प्रभावित करती है जिसका काम होता है हमारे शरीर में मूत्रमार्ग और मलमार्ग के द्वारा अवांछित पदार्थो को बाहर करना। अधिक मात्रा में शराब के सेवन से अग्न्याशय ग्रंथि में जहरीले पदार्थ बनते हैं जिसकी वजह से उसके काम करने के तरीके में बदलाव आ सकता है।

स्नायुतंत्र पर असर

सबसे अधिक एल्कोहल साइड इफेक्ट होता है हमारे लिवर पर और अधिक मात्रा में शराब के सेवन से लीवर में एल्कोहल हेपेटाइटिस हो सकता है। शराब का प्रभाव हमारे शरीर पर जल्दी ही दिखाई देने लगता है क्यूंकि यह हमारे शरीर के सभी भागों तक पहुंच सकती है जिसकी वजह से हमारे स्नायुतंत्र पर इसका असर होता है और इसके सेवन के बाद किसी से बात करना, अधिक पीने पर खड़े रहना तक मुश्किल हो जाता है। साथ ही दिमाग के लिए भी यह हानिकारक होता है और लंबे समय तक शराब के सेवन से कई तरह की परमानेंट दिमागी समस्याएं हो सकती है जिनमें मतिभ्रम भी शामिल है।

विटामिन बी-1 की कमी

लम्बे समय तक पीने का एल्कोहल साइड इफेक्ट यह भी होता है कि यह विटामिन बी-1 की कमी का कारण बनता है जिसकी वजह से आपकी आंखों की कमजोरी और आंखों की मांसपेशियों को नुकसान हो सकता है। शराब पाचन तंत्र पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है और साथ ही यह पेट के सभी जरुरी हिस्सों पर दुष्प्रभाव डालती है।

दिल के लिए खतरा

दिल के लिए भी शराब बिलकुल अच्छी नहीं होती और इससे होने वाली परेशानियों में मुख्य है अनियमित धड़कन। अगर कोई जरुरत से अधिक शराब पीता है तो उसे दिल संबंधी कोई भी रोग होने की आशंका बढ़ जाती है।शराब का अधिक सेवन करने वालों में यौन क्षमता से जुडी समस्या भी देखी गई है। शराब पीने से महिलाओं में मासिक धर्म की अनियमितता और साथ ही बांझ होने का खतरा भी बढ़ जाता है।

कुछ यूं गुलाब से ही पाएं गुलाब सी निखरी और कोमल त्वचा...

गुलाब, कभी प्यार तो कभी खूबसूरती को बयां करने वाला एक फूल. गुलाब, कभी हमें नर्म अहसास कराता है, तो कभी अपनी खुश्बू से मन को प्रफुल्लित कर देता है. खूबसूरती के लिए भी इसकी खूब प्रतिमाएं दी जाती हैं. यही गुलाब खूबसूरती को बढ़ाने में भी मददगार है. जी हां, गुलाब न सिर्फ अपनी खुशबू से मन को सुकून पहुंचाते हैं, बल्कि ये त्वचा में नमी भी बनाए रखते हैं और चेहरे पर निखार लाते हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि गुलाब की पंखुड़ियों के कई फायदे हैं. गुलाब के इस्तेमाल से खूबसूरत त्वचा पाने के कुछ टिप्स-

» पानी में मिली गुलाब की पंखुड़ियों का सत्व या गुलाब जल त्वचा को नमी प्रदान करता है और ताजगी देता हैं. यह त्वचा में ऑयल को नियंत्रित करता है और पीएच बैलैंस बनाए रखता है. विटामिन, मिनरल और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होने के कारण गुलाब से बना एसेन्शल ऑयल त्वचा के रुखेपन को दूर करता है और निखार लाता है.

» गुलाब जल और नींबू के रस से बना टॉनिक चेहरे पर लगाने से कील, मुंहासे कम होते हैं. चेहरे पर इसे 15 मिनट तक लगा रहने दे, इसके बाद गुनगुने पानी से धो लें. यह सामान्य और तैलीय त्वचा दोनों के लिए उपयुक्त है.

» नियमित रूप से इस्तेमाल के लिए कॉटन बॉल या रूई के फाहे को गुलाब जल में भिगोकर इससे चेहरा साफ करें. यह प्राकृतिक टोनर का काम करता है. ऐसा आप सुबह और रात में सोने जाने से पहले कर सकती हैं. पानी में गुलाब जल डालकर आप स्नान भी कर सकती हैं, इससे चेहरे पर चमक आती है और इसकी सौम्य खुशबू से मानसिक

तनाव व शारीरिक थकान भी दूर होती है.

» गुलाब जल आंखों को स्वस्थ रखता है. इसमें मौजूद एंटी-सेप्टिक और जीवाणुरोधी गुण आंखों को धूल, गंदगी, लालिमा और मेकअप उत्पादों के केमिकल से होने वाले नुकसान से बचाते हैं. दूध के साथ मिलाकर लगाने से यह आंखों के काले घेरे को भी दूर करता है.

» शैम्पू के दौरान नियमित रूप से गुलाब जल का इस्तेमाल बालों में नमी बनाए रखता है और कंडीशन करता है.

» बाल धोने से 10 मिनट पहले गुलाब जल और जोजोबा ऑयल को मिलाकर लगाने से यह हेयर ड्रायर के इस्तेमाल से रूखे व बेजान हुए बालों को रिपेयर करता है.

» उलझे व रूखे बालों से छुटकारा पाने के लिए आप गुलाब जल और एलोवेरा को समान मात्रा में मिलाकर स्कैल्प पर अच्छे से लगा लें और 30 मिनट तक लगाए रहने के बाद धो लें.

» गुलाब में जीवाणुरोधी, एंटी फंगल और एंटीवायरल गुण होने के कारण यह खरोंच लगी या जली त्वचा पर भी लगाया जा सकता है. इसका इस्तेमाल बुखार और खांसी में भी किया जा सकता है.

» गुलाब का खुशबू तनाव को दूर कर मूड तरोताजा करता है. यह उत्तेजना, चिंता को दूर कर राहत व सुकून का अहसास कराता है.

* गुलाब झुर्रियों को दूर कर त्वचा में कसाव लाकर जवां लुक देता है. रोजहिप सीड ऑयल का इस्तेमाल करें, जो विटामिन सी, तेल और प्रोटीन से समृद्ध होता है.

खाना खजाना

एप्पल रबड़ी

सामग्री

3 कप वसा भरपुर दूध
2 1/2 टेबल-स्पून शक्कर
3/4 कप छिले और कसे हुए सेब
3 टेबल-स्पून हल्के उबाले और स्लाईस्ड बादाम, 1/2 टी-स्पून इलायची पाउडर

विधि

एक चौड़ा नॉन-स्टिक पैन गरम करें, दूध डालकर मध्यम आंच पर 20 से 25 मिनट तक बीच-बीच में हिलाते हुए या मिश्रण के गाढ़े होने तक पका लें। शक्कर और सेब डालकर, बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 3 से 4 मिनट तक पका लें। बादाम और इलायची पाउडर छिड़क कर अच्छी तरह मिला लें। कम से कम 2 घंटे के लिए फ्रिज में रखें और ठंडा परोसें। सुलभ सुझाव- इस बात का ध्यान रखें कि आप सेब को रबड़ी में डालने से तुरंत पहले ही कसे, क्योंकि सेब का रंग भूरा हो सकता है।

पनीर पाव भाजी

सामग्री

1 टेबलस्पून तेल, 100 ग्राम प्याज, 1 टीस्पून लहसुन का पेस्ट, 100 ग्राम शिमला मिर्च, 160 ग्राम टमाटर, 1 टेबलस्पून पाव भाजी मसाला , 1/2 टेबलस्पून चाट मसाला, 50 ग्राम फूलगोभी(उबली हुई), 50 ग्राम गाजर(उबली हुई), 500 ग्राम आलू(उबली हुई), 100 ग्राम पनीर, 1 टीस्पून नमक,1/4 टीस्पून हल्दी, 30 ग्राम बटर, 2 टीस्पून नींबू का रस, 2 टीस्पून हरी मिर्च, 250 मि.ली पानी

विधि

1. एक पैन में 1 टेबलस्पून तेल डाल कर गर्म कर लें। अब इसमें 100 ग्राम प्याज,1 टीस्पून लहसुन का पेस्ट और 100 ग्राम शिमला मिर्च डालकर 2-3 मिनट के लिए भूनें। इसमें 160 ग्राम टमाटर डालकर भूनें और फिर इसमें 1 टेबलस्पून पाव भाजी मसाला और 1/2 टेबलस्पून चाट मसाला डालकर अच्छे से मिलाएं और पकाएं। पकने पर इसमें 50 ग्राम फूलगोभी(उबली हुई),50 ग्राम गाजर(उबली हुई),500 ग्राम आलू(उबली हुई),100 ग्राम पनीर और 1 टीस्पून नमक डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब इसमें 1/4 टीस्पून हल्दी,30 ग्राम बटर, 2 टीस्पून नींबू का रस,2 टीस्पून हरी मिर्च और 250 मि.ली पानी डालकर 10 मिनट के लिए पकाएं। पनीर पाव भाजी तैयार है। इसे पाव के साथ सर्व करें।

संपादकीय

हाइड्रोजन ट्रेन

देश की पहली हाइड्रोजन ऊर्जा से चलने वाली रेल की शुरुआत ने भारत में साफ-सुथरे और कम प्रदूषण वाले ट्रांसपोर्ट की ओर बदलाव की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुक्रवार को हरियाणा में हरी झंडी दिखाकर शुरू किया गया यह प्रोजेक्ट- 'मेक इन इंडिया' की सफलता के प्रतीक के तौर पर भी प्रस्तुत किया गया। दूसरे शब्दों में कहें तो यह पूरी दुनिया को संदेश देने का प्रयास ही है कि आज भारत पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को प्राथमिकता देने के लिये प्रतिबद्ध है। यानी हम भी इस क्षेत्र के ग्लोबल लीडर्स में शामिल होने के आकांक्षी हैं। निश्चित रूप से हाइड्रोडन फ्यूल सेल से चलने वाली यह 10-कोच वाली ट्रेन, जिसमें सिर्फ पानी की भाप ही निकलती है, डीजल इंजनों का पर्यावरण अनुकूल विकल्प भी है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के जींद में स्वदेशी टेक्नोलॉजी और स्थानीय स्तर पर विकसित हाइड्रोजन इकोसिस्टम के साथ, यह प्रोजेक्ट एडवांस्ड इंजीनियरिंग में देश की बढ़ती क्षमताओं को भी दर्शाता है। वहीं दूसरी ओर यह प्रोजेक्ट देश के 'नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन' को भी संबल देने वाला है। जिसका उद्देश्य आयातित जीवाश्म ईंधन पर भारत की निर्भरता को कम करना तो है ही, साथ ही दीर्घकाल में देश के नेट-जीरो के लक्ष्यों को पूरा करने में सहयोग बढ़ाना भी है। सही मायने में देश में ग्रीन हाइड्रोजन का रणनीतिक महत्व जलवायु संबंधी चिंताओं से कहीं आगे बढ़कर है। हाल के दिनों में पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते अमेरिका व ईरान के संघर्ष से उपजे विषम हालातों ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की जरूरत को एकबार फिर से रेखांकित किया है। ऐसे में आयातित कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और औद्योगिक फीडस्टॉक पर भारत की भारी निर्भरता के कारण ऊर्जा सुरक्षा आज देश की राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है। विशेष रूप से वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता के दौर में। आज के वैश्विक अशांति के समय में ऊर्जा सुरक्षा राष्ट्रीय संप्रभुता की संरक्षा के लिए अपरिहार्य शर्त बन गई है। इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि मौजूदा दौर में हमें नवीकरणीय ऊर्जा की उपयोगिता को बढ़ावा देना होगा। इसी क्रम में देश में ही हाइड्रोजन का उत्पादन करने से हमें अस्थिर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। वहीं दूसरी ओर इन सभी प्रयासों से देश की अर्थव्यवस्था को भी संबल मिलेगा। निस्संदेह, हाइड्रोजन ट्रेन को लेकर जो उत्साह देखा जा रहा है, वह स्वाभाविक ही है। लेकिन इससे जुड़ी हकीकत को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए हरित हाइड्रोजन की कीमत आम ग्रे हाइड्रोजन की कीमत से लगभग दोगुनी होती है। इसमें बिजली की अधिक लागत, महंगे इलेक्ट्रोलाइजर और लगातार पॉलिसी सपोर्ट की जरूरत, बड़े पैमाने पर इसके उपयोग को लेकर चुनौतियां पैदा कर सकती है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि देश में ब्रॉड-गेज रेलवे नेटवर्क का 95 फीसदी हिस्सा पहले ही बिजली से संचालित हो चुका है। हाल-फिलहाल इस बात की संभावना कम ही है कि हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन पूरे देश में इलेक्ट्रिक ट्रेनों की जगह ले लेंगी। इसके बजाय, हाइड्रोजन ऊर्जा से संचालित ट्रेनों का ज्यादा लाभ उन रूटों पर हो सकता है, जहां बिजली की लाइन बिछाना आर्थिक या तकनीकी रूप से कठिन होता है। इस दृष्टिकोण से हाइड्रोजन ट्रेन को लंबे समय के समाधान के बजाय एक रणनीतिक प्रदर्शन के तौर पर देखा जाना चाहिए। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि भारत इसकी उत्पादन लागत किस हद तक कम करने में सफल हो पाता है। साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता का विस्तार करने तथा व्यावसायिक रूप से कामयाब हाइड्रोजन इकोसिस्टम बनाने में हम किस सीमा तक सफल होते हैं। इसके अलावा हमें कम लागत वाली अन्य नवीकरणीय ऊर्जा के नये स्रोतों को भी तलाशना होगा। जिसके लिये इन विकल्पों की व्यावहारिकता और आर्थिक लागत कम रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। हमारे प्रयास हों कि तकनीक व अन्य संसाधनों के मामले में 'मेक इन इंडिया' के लक्ष्यों की प्राथमिकता पर ध्यान दें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुक्रवार को हरियाणा में हरी झंडी दिखाकर शुरू किया गया यह प्रोजेक्ट- 'मेक इन इंडिया' की सफलता के प्रतीक के तौर पर भी प्रस्तुत किया गया। दूसरे शब्दों में कहें तो यह पूरी दुनिया को संदेश देने का प्रयास ही है कि आज भारत पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को प्राथमिकता देने के लिये प्रतिबद्ध है। यानी हम भी इस क्षेत्र के ग्लोबल लीडर्स में शामिल होने के आकांक्षी हैं। निश्चित रूप से हाइड्रोडन फ्यूल सेल से चलने वाली यह 10-कोच वाली ट्रेन, जिसमें सिर्फ पानी की भाप ही निकलती है, डीजल इंजनों का पर्यावरण अनुकूल विकल्प भी है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के जींद में स्वदेशी टेक्नोलॉजी और स्थानीय स्तर पर विकसित हाइड्रोजन इकोसिस्टम के साथ, यह प्रोजेक्ट एडवांस्ड इंजीनियरिंग में देश की बढ़ती क्षमताओं को भी दर्शाता है। वहीं दूसरी ओर यह प्रोजेक्ट देश के 'नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन' को भी संबल देने वाला है। जिसका उद्देश्य आयातित जीवाश्म ईंधन पर भारत की निर्भरता को कम करना तो है ही, साथ ही दीर्घकाल में देश के नेट-जीरो के लक्ष्यों को पूरा करने में सहयोग बढ़ाना भी है।

कुछ अलग

सोनम का जीवन

सोनम का जीवन पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को उनके धरना स्थल जंतर-मंतर से उठाकर पुलिस ने सफदरजंग अस्पताल भेज दिया जहां उनके स्वास्थ्य का चिकित्सक जांच कर रहे हैं। दिल्ली पुलिस का कहना है कि स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप सोनम वांगचुक को अस्पताल में भती कराया गया है और चिकित्सकों की निगरानी में उन्हें आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। दरअसल जब 17 जुलाई को दिल्ली उच्च न्यायालय ने काकरोच जनता पाटी (सीजेपी) के लोगों की याचिका पर पैसला दिया कि सोनम का जीवन बहुमूल्य है, सरकार उनके जीवन की रक्षा करे, तभी लग गया था कि अब सोनम के धरने का समय समाप्त होने वाला है। सोनम की सरकार से मांग क्या थी, किसलिए उन्होंने 20 दिनों तक जंतर-मंतर पर धरना देकर अपने 20 प्रतिशत स्वास्थ्य को जो क्षरण किया, उसका उद्देश्य क्या था? यदि इसका तात्विक विश्लेषण करें तो स्पष्ट हो जाता है कि सोनम ने जिस काकरोच जनता पाटी के समर्थन में इतना बड़ा कदम उठाया वह खुद ही समस्या को लेकर गंभीर नहीं थी। विरोधी पार्टियों का समर्थन हासिल करने के लिए सीजेपी को जिस तरह प्रयास करना चाहिए था, नहीं कर पाई। अब केन्द्र सरकार के खिलाफ यदि बयान देने की बात आती है तो चलते-चलाते अनमने तरीके से विरोधी पार्टियों के किसी नेता ने बयान दे दिया किन्तु पाटी के स्तर पर गंभीरता से समर्थन इसलिए नहीं किया कि इस पाटी ने राजनीति का ही मजाक बना दिया।

भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा पर विशेष

सदियों पुरानी परंपरा का जीवंत उत्सव है जगन्नाथ रथ यात्रा

भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएं अनादि काल से मानवता को आध्यात्मिकता, समरसता और भक्ति की राह पर चलने की प्रेरणा देती आई हैं। इन्हीं पवित्र परंपराओं में एक है उड़ीसा के पुरी में निकलने वाली जगन्नाथ रथ यात्रा, जो केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि करोड़ों आस्थाओं, परंपराओं और लोक मान्यताओं का प्रतीक है। हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि से शुरू हुई यह यात्रा नौ दिनों तक चलती है, जो 24 जुलाई को समाप्त होगी। इस दौरान भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ भव्य रथों पर सवार होकर पुरी के मुख्य मंदिर से निकलकर मौसी के घर गुंडिचा मंदिर तक की यात्रा करते हैं। यह आयोजन न केवल भारत के सबसे प्राचीन धार्मिक उत्सवों में से एक है बल्कि विश्व के सबसे बड़े वार्षिक सार्वजनिक आयोजनों में भी इसकी गिनती होती है, जिसमें लाखों श्रद्धालु देश-विदेश से भाग लेने आते हैं। पुरी का जगन्नाथ मंदिर भारत के चार प्रमुख धामों (बद्रीनाथ, द्वारका, रामेश्वरम और पुरी) में से एक है। यह मंदिर न केवल वास्तुकला की दृष्टि से विशिष्ट है बल्कि इसकी महत्ता धार्मिक ही नहीं, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी अत्यंत विशिष्ट है। भगवान जगन्नाथ को विष्णु के अवतार के रूप में पूजा जाता है और यह मंदिर उनके भाई बलभद्र तथा बहन सुभद्रा के साथ विराजने वाले एकमात्र मंदिर के रूप में प्रसिद्ध है। रथ यात्रा के माध्यम से यह 'त्रिदेव' जब मंदिर की सीमाओं से बाहर निकलते हैं तो भक्तों के लिए यह अवसर होता है प्रभु को निकट से देखने, उनके रथ को खींचने और मोक्ष की दिशा में एक कदम बढ़ाने का। इस रथ यात्रा की परंपरा का उल्लेख स्कंद पुराण, ब्रह्म पुराण और अन्य पुरातन ग्रंथों में मिलता है। मान्यता है कि रथ यात्रा में भाग लेने और विशेषकर रथ खींचने से समस्त पापों का नाश होता है और व्यक्ति को जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति मिलती है। यह यात्रा मानवीय समर्पण और भक्ति की पराकाष्ठा का जीवंत प्रदर्शन है, जहां हर कोई, चाहे वह राजा हो या आमजन, एक ही पंक्ति में खड़ा होकर भगवान की सेवा करता है।

रथ यात्रा की सबसे अनूठी परंपरा है 'छेरा' की रस्म। यह रस्म रथ यात्रा के पहले दिन पुरी के राजा द्वारा निभाई जाती है, जिसमें वे सोने की झाड़ू से तीनों रथों की सफाई करते हैं। इस परंपरा का आध्यात्मिक और सामाजिक संदेश अत्यंत गहन है। एक राजा, जो स्वयं राज्य का सर्वोच्च होता है, भगवान के समक्ष स्वयं को एक सेवक मानकर झाड़ू लगाता है। यह प्रतीक है भगवान के समक्ष सभी के समान होने का, जहां न कोई ऊंचा है, न कोई नीचा। यह सामाजिक समरसता का वह आदर्श उदाहरण है, जो आज के समाज में अत्यंत आवश्यक है। जब लाखों की भीड़ 'जय जगन्नाथ' के उद्घोष के साथ इन रथों को

खींचती है, तब वह केवल रथ नहीं खींच रही होती, वह अपनी भक्ति, आस्था, सेवा और आत्मशुद्धि की भावना को आगे बढ़ा रही होती है। भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा के रथों को नंदीघोष, तालध्वज और दर्पदलन कहा जाता है, जिन्हें हर वर्ष नए सिरे से विशेष प्रकार की नीम की लकड़ी से निर्मित किया जाता है। इन रथों का निर्माण विशेष रीति-रिवाज और शास्त्र सम्मत विधियों से होता है, जिसमें सैंकड़ों शिल्पकार और सेवक कई महीनों तक जुटे रहते हैं। हर रथ की अपनी आकृति, रंग, ध्वज और प्रतीक होते हैं, जो देवताओं के स्वरूप और गुणों का प्रतिनिधित्व करते हैं। रथों की ऊंचाई और आकृति निश्चित नियमों के अनुसार होती है। नंदीघोष रथ की ऊंचाई लगभग 45 फीट होती है और इसमें 16 चक्के होते हैं। तालध्वज रथ में 14 चक्के होते हैं और इसकी ऊंचाई लगभग 44 फीट होती है। दर्पदलन रथ सबसे छोटा होता है, जिसमें 12 चक्के होते हैं और यह लगभग 43 फीट ऊंचा होता है। यात्रा के दौरान तीनों रथों को श्रीमंदिर से गुंडिचा मंदिर तक खींचा जाता है और वहां सात दिनों तक भगवान विश्राम करते हैं। यह यात्रा किसी साधारण जुलूस की तरह नहीं होती बल्कि यह हजारों वर्षों से चली आ रही ऐसी आध्यात्मिक परंपरा है, जिसे केवल आंखों से नहीं, आत्मा से अनुभव किया जाता है।

रथ यात्रा से जुड़े कई पौराणिक प्रसंग भी हैं, जिनमें से सबसे प्रसिद्ध स्कंद पुराण में वर्णित कथा है। इसके अनुसार, एक दिन भगवान श्रीकृष्ण की बहन सुभद्रा ने द्वारका शहर घूमने की इच्छा प्रकट की। तब श्रीकृष्ण और बलराम उन्हें रथ पर बैठाकर नगर दर्शन कराने ले गए। यही प्रसंग पुरी में जगन्नाथ रथ यात्रा के रूप में जीवंत होता है, जहां भगवान अपनी बहन को साथ लेकर नगर भ्रमण के लिए निकलते हैं। इस यात्रा के हर पड़ाव पर धार्मिक रस्में होती हैं, जैसे कि हेरा पंचमी, जब देवी लक्ष्मी क्रोधित होकर भगवान के देर से लौटने पर मंदिर के बाहर प्रतीक्षारत रहती हैं। इसके बाद बहुड़ा यात्रा होती है, जब भगवान जगन्नाथ गुंडिचा मंदिर से वापस अपने मुख्य मंदिर आते हैं। 24 जुलाई को वापसी के बाद उनका भव्य स्वागत किया जाएगा और सुनाबेसा रस्म के अंतर्गत उन्हें स्वर्णाभूषणों से सजाया जाएगा।

जगन्नाथ रथ यात्रा की लोकप्रियता केवल भारत तक सीमित नहीं है। अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, जर्मनी, जापान जैसे कई देशों में इस यात्रा का आयोजन किया जाता है, विशेष रूप से इस्कॉन संस्था द्वारा। इस यात्रा ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की आध्यात्मिक शक्ति और सांस्कृतिक प्रभाव को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पुरी में हर साल लाखों की संख्या में विदेशी श्रद्धालु आते हैं, जो इस भव्य आयोजन में भाग लेकर भारतीय संस्कृति की गहराई को अनुभव करते हैं। यह भारत की सॉफ्ट पावर का एक जीवंत उदाहरण है, जहां धर्म, संस्कृति और पर्यटन एक साथ राष्ट्र के वैश्विक प्रभाव को मजबूत करते हैं।

आज के डिजिटल युग में रथ यात्रा की पहुंच और भी व्यापक हो गई है। विभिन्न टीवी चैनलों, यूट्यूब, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और सरकारी पोर्टल्स पर इस यात्रा का सीधा प्रसारण किया जाता है, जिससे देश और विदेश के करोड़ों लोग इसे अपने घर बैठे अनुभव कर सकते हैं। ओडिशा सरकार और भारत सरकार इस अवसर पर व्यापक व्यवस्थाएं करती हैं, जिसमें सुरक्षा, चिकित्सा, जल आपूर्ति, यातायात नियंत्रण और आपदा प्रबंधन तक की तैयारियां शामिल होती हैं। हजारों पुलिसकर्मी, डॉक्टर, वॉलंटियर्स और सेवक इस आयोजन को निर्बाध रूप से संपन्न कराने में दिन-रात लगे रहते हैं। यह आयोजन जहां एक ओर आस्था का प्रतीक है, वहीं यह प्रशासनिक समन्वय और जन-सहभागिता का भी उत्कृष्ट उदाहरण है।

रथ यात्रा का एक महत्वपूर्ण पक्ष है इसकी सामाजिक और आर्थिक भूमिका। इस यात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालु पुरी पहुंचते हैं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी जबरदस्त बल मिलता है। होटल, लॉज, रेस्तरां, हस्तशिल्प, पारंपरिक परिधान और लोक कला से जुड़े व्यवसाय इस अवसर पर खूब फलते-फूलते हैं। पुरी का 'पटकमाल' (महाप्रसाद), स्थानीय शिल्पकारों द्वारा बनाए गए रथ मॉडल्स, पारंपरिक भजन और कीर्तन की प्रस्तुतियां भी इस यात्रा को एक सांस्कृतिक महोत्सव में बदल देती हैं। यह केवल धर्म का उत्सव नहीं, लोकजीवन का उत्सव बन जाता है। कुल मिलाकर, कहा जा सकता है कि जगन्नाथ रथ यात्रा न केवल एक धार्मिक उत्सव है बल्कि भारतीय संस्कृति, समर्पण, समानता और सामाजिक एकता की ऐसी गाथा है, जो पीढ़ियों से चली आ रही है और आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। यह हमें सिखाती है कि जब हम समर्पण के भाव से आगे बढ़ते हैं तो स्वयं ईश्वर हमारे रथ में सवार होकर हमें मार्ग दिखाने आते हैं।

पवित्र परंपराओं में एक है उड़ीसा के पुरी में निकलने वाली जगन्नाथ रथ यात्रा, जो केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि करोड़ों आस्थाओं, परंपराओं और लोक मान्यताओं का प्रतीक है। हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि से शुरू हुई यह यात्रा नौ दिनों तक चलती है, जो 24 जुलाई को समाप्त होगी। इस दौरान भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ भव्य रथों पर सवार होकर पुरी के मुख्य मंदिर से निकलकर मौसी के घर गुंडिचा मंदिर तक की यात्रा करते हैं। यह आयोजन न केवल भारत के सबसे प्राचीन धार्मिक उत्सवों में से एक है बल्कि विश्व के सबसे बड़े वार्षिक सार्वजनिक आयोजनों में भी इसकी गिनती होती है, जिसमें लाखों श्रद्धालु देश-विदेश से भाग लेने आते हैं।

देश दुनिया से

धरती की कोख उजाड़कर कितने दिन चमकेगा सोने का वैभव

सोने का भाव जितनी ऊंचाई छू रहा है, धरती उतनी ही गहराई में धंस रही है। वित्तीय बाजार इसे सुरक्षित निवेश का स्वर्णकाल मान रहे हैं, जबकि प्रकृति इसे अपने अस्तित्व का काला अध्याय। तिजोरियां भर रही हैं, लेकिन नदियां विष से, जंगल वीरानी से और आदिवासी अंचल भय से भर रहे हैं। कभी वैभव, विश्वास और स्थिरता का प्रतीक रही यह पीली धातु आज पर्यावरणीय संहार, संगठित अपराध और वैश्विक अस्थिरता की नई मुद्रा बन चुकी है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि बाजार सोने का मूल्य चुकाता है, उसकी पर्यावरणीय कीमत नहीं। हर बढ़ता भाव किसी जंगल की हरियाली, किसी नदी की निर्मलता और किसी समुदाय के भविष्य को गिरवी रखकर हासिल हो रहा है। उन्नीसवीं सदी की गोल्ड रश अवसरों की कहानी थी, इक्कीसवीं सदी की यह स्वर्ण-दौड़ अस्तित्व का संकट है। सोने की ऊंची कीमतों ने लघु स्वर्ण खनन (आर्टिजनल एंड स्मॉल-स्केल गोल्ड माइनिंग) को अभूतपूर्व रफ्तार दे दी है। छोटे और अवैध खनिक अब केवल धरती की छाती नहीं चीर रहे, पूरी आपूर्ति श्रृंखला पर शिकंजा कस रहे हैं। घाना, अमेज़न, इंडोनेशिया और अफ्रीका के कई इलाकों में जंगल ऐसे उजाड़े जा रहे हैं, मानो वे धरती के फेफड़े नहीं, लालच के रास्ते की बाधा हों। खनन अब उद्योग नहीं, प्रकृति पर संगठित डकैती है। जहां कभी पक्षियों का कलरव था, वहां अब मशीनों का शोर और विस्फोट हैं। इस विनाश की सबसे भयावह तस्वीर नदियों में दिखाई देती है। सोना निकालने की सबसे सस्ती तकनीक—पारा (मरकरी) और सायनाइड—आज भविष्य की सबसे महंगी कीमत वसूल रही है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के अनुसार, दुनिया में मरकरी प्रदूषण का लगभग 37 प्रतिशत हिस्सा केवल आर्टिजनल एंड स्मॉल-स्केल गोल्ड माइनिंग (एएसजीएम) से आता है। हर वर्ष 800 टन से अधिक पारा हवा और जल स्रोतों में घुलकर मछलियों के जरिए पूरी खाद्य श्रृंखला में फैलता है तथा बच्चों के मस्तिष्क विकास पर स्थायी चोट करता है। घाना इसका सबसे दर्दनाक

उदाहरण है, जहां लगभग 60 प्रतिशत जल स्रोत दूषित हो चुके हैं और अनेक नदियां पीने योग्य नहीं रहीं। यह केवल जल प्रदूषण नहीं, मानव सभ्यता की जीवनरेखा में घोला जा रहा धीमा ज़हर है। यह केवल पर्यावरण का नहीं, संगठित अपराध के फैलते साम्राज्य का भी वृत्तांत है। अमेज़न के जंगलों में स्वर्ण खनन अब ड्रग कार्टेलों और अपराधी गिरोहों का नया अड्डा बन चुका है। अनेक क्षेत्रों में इसका मुनाफा कोकीन के कारोबार से भी अधिक माना जा रहा है। चीनी अपराधी नेटवर्क ₹फ्लाइंग मनी₹ के जरिए सोने का इस्तेमाल अवैध वस्तुओं के विनिमय और काले धन के लेन-देन में कर रहे हैं। नतीजा यह है कि वहां केवल जंगल ही नहीं उजड़ रहे, कानून का राज भी मिटता जा रहा है। जैव विविधता सिमट रही है, आदिवासी अपनी पुश्तैनी जमीन से बेदखल हो रहे हैं और हिंसा जीवन की सामान्य सच्चाई बनती जा रही है। ब्राजील के मुंडुरुकु आदिवासी क्षेत्र में खनन थमने के बाद भी स्वास्थ्य संकट कायम है। संदेश साफ है—खदानें बंद हो सकती हैं, लेकिन प्रकृति और समाज पर पड़े उनके घाव पीढ़ियों तक नहीं भरते। यह मानना भूल होगी कि यह संकट केवल अमेज़न या अफ्रीका तक सीमित है। भारत में कर्नाटक, झारखंड, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में अवैध स्वर्ण खनन तेजी से समानांतर अर्थव्यवस्था का रूप ले रहा है। सरकारी राजस्व लूट रहा है, वन सिकुड़ रहे हैं और नदियां ज़हर निगल रही हैं। यहां भी पारे का अंधाधुंध इस्तेमाल मछलियों, खेती और ग्रामीण स्वास्थ्य पर भारी पड़ रहा है। वैश्विक बाजार में सोने की कीमत चढ़ते ही स्थानीय जंगलों पर दबाव कई गुना बढ़ जाता है। वैश्वीकरण का यही कठोर सच है कि लंदन और न्यूयॉर्क के निवेशकों का मुनाफा, झारखंड और छत्तीसगढ़ के जंगलों की कीमत पर लिखा जा रहा है। सबसे बड़ा भ्रम यही है कि सोना आज भी केवल आभूषण या निवेश है। सच यह है कि वह अब भू-राजनीति, प्रतिबंधों से बच निकलने, भ्रष्टाचार और राजनीतिक वित्तपोषण का भी सशक्त माध्यम बन चुका है। विकसित देशों के बाजारों तक पहुंचने वाला सोना अपने पीछे छूटे विनाश के निशान साथ नहीं ले जाता। शायद ही किसी उपभोक्ता को पता हो कि उसकी उंगली में चमकती एक साधारण शादी की अंगूठी के पीछे लगभग 20 टन जहरीला खनन अपशिष्ट छिपा है। बाजार धातु की शुद्धता तो परखता है, लेकिन उसके उत्पादन की नैतिकता पर चुप्पी साध लेता है। आधुनिक अर्थव्यवस्था की यही सबसे बड़ी विडंबना है—मुनाफा कुछ हाथों में सिमटता है, जबकि उसकी पर्यावरणीय कीमत पूरी पृथ्वी चुकाती है। समाधान केवल अवैध खनन पर छापेमारी में नहीं, बल्कि वैश्विक जवाबदेही में है। पारा-मुक्त तकनीकों को बढ़ावा देना होगा, छोटे खनिकों के लिए वैकल्पिक आजीविका सुनिश्चित करनी होगी और पूरी आपूर्ति श्रृंखला को पारदर्शी बनाना होगा, ताकि बाजार तक पहुंचने वाले हर ग्राम सोने की पूरी यात्रा दर्ज रहे। जब तक दुनिया केवल हॉलमार्क देखेगी और उसके पर्यावरणीय पदचिह्न नहीं पूछेगी, तब तक यह संकट थमेगा नहीं। विकास का अर्थ प्रकृति की कीमत पर समृद्धि नहीं, बल्कि संसाधनों और संवेदनाओं के बीच संतुलन है। प्रकृति कभी अदालत नहीं लगाती, वह केवल अपना फैसला सुनाती है। अब फैसला हमें करना है—सोना बचाना है या धरती।

आप का नज़रिया

ट्रंप : मोजतबा खामेनेई 90 फीसदी खत्म

ईरान के नए सवर्ोच्च नेता मोजतबा अली खामेनेई अपने पिता आयतुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में भी नहीं दिखे थे और तब से ही उनकी सेहत को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फॉक्स न्यूज से कहा कि आयतुल्लाह अली खामनेई मारे जा चुके हैं और उनके बेटे मोजतबा खामेनेई भी 90 फीसदी खत्म हो चुके हैं। ट्रंप ने आगे कहा कि उनके पास अब कोई नौसेना नहीं बची है, उनकी वायु सेना भी नहीं बची है, सब वुछ खत्म हो चुका है। उनका एयर डिपेंस सिस्टम भी खत्म हो चुका है। उनके सभी नेता मारे जा चुके हैं। उनके सबसे बेहतरीन नेता मारे जा चुके हैं। इससे पहले मोजतबा खामेनेई के नाम से शनिवार को जारी एक लिखित बयान में पूर्व सवर्ोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामनेई की हत्या का बदला लेने की कसम खाई। बयान में कहा गया था कि हम अपने पवित्र खून और इन दोनों युद्धों में शहीद हुए सभी लोगों के खून का बदला लेने की कसम खाते हैं। दुनिया भर में ऐसे लोग मौजूद हैं जो बदला लेने को तैयार हैं। इसी साल 23 अप्रैल को अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसमें बताया गया था कि ईरान के नए सवर्ोच्च नेता मोजतबा खामेनेई अमेरिका-इजरायल के उस हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिसमें उनके पिता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गई थी। हालांकि वह मानसिक रूप से पूरी तरह सव्रिय हैं। अखबार ने अधिकारियों के हवाले से कहा था, उनके एक पैर का तीन बार ऑपरेशन किया गया है और अब उन्हें वृत्रिम संव्रमित पैर (प्रोस्थेटिक) लगाए जाने का इंतजार है। उनके एक हाथ की भी सर्जरी हुई है और उसकी कार्यक्षमता धीरे-धीरे वापस आ रही है। उनके चेहरे और होंठ पूरी तरह झुलस गए हैं, जिससे उन्हें बोलने में कठिनाई होती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि आखिरकार उन्हें प्लास्टिक सर्जरी की भी जरूरत होगी। बता दें कि इसी साल 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल हवाई हमलों में आयतुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद मोजतबा खामेनेई को सवर्ोच्च नेता नियुक्त किया गया था। नियुक्ति के बाद से ही वह सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दिए हैं। उन्होंने कोई वीडियो संदेश भी जारी नहीं किया है। इससे इस बात को लेकर सवाल उठे हैं कि उसी हमले में वह कितने गंभीर रूप से घायल हुए थे? आयतुल्लाह अली खामेनेई के अन्य तीन बेटे मसूद, मुस्तफा और मेमसाम रविवार को आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए थे। उनके साथ राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और रिव्यूल्शनरी गाड्र्स के प्रमुख अहमद वहीदी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। जून में जारी एक बयान में मोजतबा खामेनेई ने कहा था कि सिद्धांत रूप से वह अमेरिका के साथ डील के पक्ष में नहीं थे। लेकिन राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के आश्वासनों के बाद ही उन्होंने इसकी अनुमति देने का पैसला किया। वुवैती अखबार अल जरीदा ने मार्च 2026 में एक रिपोर्ट की थी। इसके मुताबिक मोजतबा खामेनेई को शुरुआत में इलाज के लिए मास्को ले जाया गया था। उसके बाद मोजतबा के स्वास्थ्य को लेकर कोई खबर नहीं आई। इस वक्त मॉस्को खुद असुरक्षित है, वहां लगातार यूव्रेन का हमला हो रहा है, इसलिए इस वक्त चीन को मोजतबा के लिए सुरक्षित माना जाता है। ईरानी जनता चाहती है कि जल्द आयतुल्लाह मोजतबा आवाम के सामने आएं ताकि दुनिया देख सके कि वह ठीक हैं, सुरक्षित हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फॉक्स न्यूज से कहा कि आयतुल्लाह अली खामनेई मारे जा चुके हैं और उनके बेटे मोजतबा खामेनेई भी 90 फीसदी खत्म हो चुके हैं। ट्रंप ने आगे कहा कि उनके पास अब कोई नौसेना नहीं बची है, उनकी वायु सेना भी नहीं बची है, सब वुछ खत्म हो चुका है। उनका एयर डिपेंस सिस्टम भी खत्म हो चुका है। उनके सभी नेता मारे जा चुके हैं। उनके सबसे बेहतरीन नेता मारे जा चुके हैं। इससे पहले मोजतबा खामेनेई के नाम से शनिवार को जारी एक लिखित बयान में पूर्व सवर्ोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामनेई की हत्या का बदला लेने की कसम खाई। बयान में कहा गया था कि हम अपने पवित्र खून और इन दोनों युद्धों में शहीद हुए सभी लोगों के खून का बदला लेने की कसम खाते हैं। दुनिया भर में ऐसे लोग मौजूद हैं जो बदला लेने को तैयार हैं। इसी साल 23 अप्रैल को अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसमें बताया गया था कि ईरान के नए सवर्ोच्च नेता मोजतबा खामेनेई अमेरिका-इजरायल के उस हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिसमें उनके पिता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गई थी। हालांकि वह मानसिक रूप से पूरी तरह सव्रिय हैं। अखबार ने अधिकारियों के हवाले से कहा था, उनके एक पैर का तीन बार ऑपरेशन किया गया है और अब उन्हें वृत्रिम संव्रमित पैर (प्रोस्थेटिक) लगाए जाने का इंतजार है। उनके एक हाथ की भी सर्जरी हुई है और उसकी कार्यक्षमता धीरे-धीरे वापस आ रही है। उनके चेहरे और होंठ पूरी तरह झुलस गए हैं, जिससे उन्हें बोलने में कठिनाई होती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि आखिरकार उन्हें प्लास्टिक सर्जरी की भी जरूरत होगी।

दृष्टि कोण

सिंधु जल संधि : आतंकवाद, राष्ट्रीय सुरक्षा और बदलती कूटनीति

भारत और पाकिस्तान के बीच 19 सितंबर 1960 को हुई सिंधु जल संधि को लंबे समय तक दुनिया के सबसे सफल अंतरराष्ट्रीय जल समझौतों में गिना जाता रहा। यह संधि तीन युद्धों, कारगिल संघर्ष, संसद हमले, मुंबई हमले और दोनों देशों के बीच लगातार तनाव के बावजूद छह दशक तक कायम रही लेकिन अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पहली बार इस संधि को स्थगित करने का फैसला लेकर स्पष्ट संदेश दिया कि आतंकवाद और सामान्य द्विपक्षीय संबंध अब साथ-साथ नहीं चल सकते। ऐसे में यह विवाद अब केवल पानी के बंटवारे तक सीमित नहीं है। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा, कूटनीति, अंतरराष्ट्रीय कानून, जल संसाधन और दक्षिण एशिया की भविष्य की राजनीति जैसे कई आयाम जुड़ चुके हैं। हाल में पाकिस्तान के सेना प्रमुख फ़ील्ड मार्शल आसिम मुनीर, विदेश मंत्री इसहाक डार और पीपीपी नेता बिलावल भुट्टो जरदारी की तीखी प्रतिक्रियाओं के बाद सिंधु जल संधि एक बार फिर चर्चा में है। सिंधु नदी प्रणाली में छह प्रमुख नदियां शामिल हैं-सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज। इन नदियों का जलग्रहण क्षेत्र भारत, पाकिस्तान, चीन और अफगानिस्तान तक फैला है तथा करोड़ों लोगों की आजीविका इन्हीं पर निर्भर करती है। 1947 के विभाजन के बाद पानी के बंटवारे को लेकर दोनों देशों के बीच विवाद शुरू हो गया। 1948 में भारत द्वारा कुछ नहरों का पानी अस्थायी रूप से रोके जाने के बाद स्थिति गंभीर हुई। इसके समाधान के लिए विश्व बैंक ने मध्यस्थता की और करीब नौ वर्षों की लंबी बातचीत के बाद 1960 में कराची में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान ने सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत रावी, ब्यास और सतलुज का उपयोग भारत को मिला जबकि सिंधु, झेलम और चिनाब का अधिकांश जल उपयोग पाकिस्तान के हिस्से में गया। कुल जल प्रवाह का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा पाकिस्तान और लगभग 20 प्रतिशत भारत को मिला।

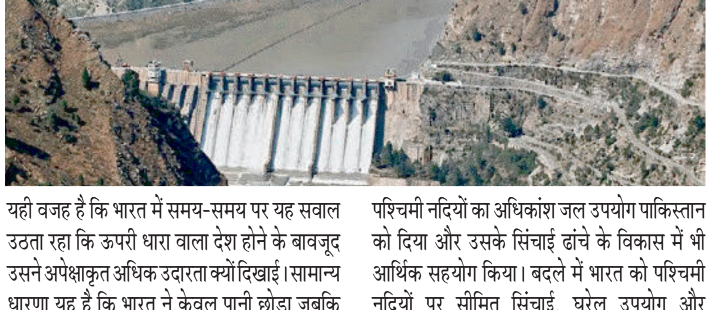

यही वजह है कि भारत में समय-समय पर यह सवाल उठता रहा कि ऊपरी धारा वाला देश होने के बावजूद उसने अपेक्षाकृत अधिक उदारता क्यों दिखाई। सामान्य धारणा यह है कि भारत ने केवल पानी छोड़ा जबकि वास्तविकता इससे कहीं अधिक व्यापक है। भारत ने पश्चिमी नदियों का अधिकांश जल उपयोग पाकिस्तान को दिया और उसके सिंचाई ढांचे के विकास में भी आर्थिक सहयोग किया। बदले में भारत को पश्चिमी नदियों पर सीमित सिंचाई, घरेलू उपयोग और जलविद्युत परियोजनाएं बनाने का अधिकार मिला लेकिन पानी के प्राकृतिक प्रवाह को रोकने का अधिकार नहीं मिला। संधि के तहत स्थायी सिंधु आयोग का गठन किया गया जिसके माध्यम से दोनों देश नियमित बैठकें करते थे, परियोजनाओं की जानकारी साझा करते थे और विवादों का समाधान बातचीत से निकालने की कोशिश करते थे। यही व्यवस्था छह दशकों तक इस संधि की सबसे बड़ी ताकत रही। पिछले तीन दशकों में उरी, पठानकोट, पुलवामा और पहलगाम जैसे आतंकी हमलों ने भारत की सुरक्षा चिंताओं को लगातार बढ़ाया है। भारत का कहना है कि पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देता है और दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय समझौतों का लाभ भी उठाता है। पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार ने पहली बार स्पष्ट रूप से कहा कि "आतंकवाद और सहयोग साथ-साथ नहीं चल सकते।" इसके बाद सिंधु जल संधि को स्थगित करने, जल संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान पर रोक लगाने और संयुक्त बैठकों को बंद करने जैसे कदम उठाए गए।

हम कोच डिडिएर डेशां को जीत के साथ विदाई देना चाहते थे: एम्बाप्पे

मियामी

फीफा विश्व कप 2026 के तीसरे स्थान के मुकाबले में इंग्लैंड से 6-4 की हार के बाद फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने कहा कि टीम अपने विदाई ले रहे मुख्य कोच डिडिएर डेशां को जीत के साथ विदाई देना चाहती थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी टीम पहले हाफ में पूरी तरह बिखर गई थी, लेकिन दूसरे हाफ में खिलाड़ियों ने फिर विश्व स्तरीय प्रदर्शन किया।

मियामी स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले हाफ में 4-0 की बढ़त बना ली थी। डेक्लान राइस, एजरी कान्सा और बुकायो साका (दो गोल) ने इंग्लैंड को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। विश्व कप इतिहास में यह पहला अवसर था जब फ्रांस ने किसी एक हाफ में चार गोल खाए।

मैच के बाद एम्बाप्पे ने कहा, मैच के दो बिल्कुल अलग-अलग हिस्से थे। पहले हाफ को देखकर मैं समझ सकता हूं कि कुछ लोगों को लगा होगा कि हमने खुद को हास्यास्पद बना लिया और फ्रांस की जर्सी का सम्मान नहीं किया। लेकिन मैं कहूंगा कि हम इंसान हैं, हालांकि इस स्तर पर हमें ऐसी गलती की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। हम पूरी तरह हिल गए थे और इंग्लैंड ने हमें झकझोर कर रख दिया।

उन्होंने आगे कहा, दूसरे हाफ में हम फिर वही शीर्ष स्तर के खिलाड़ी बन गए, मानसिक रूप से मजबूत और पूरी तरह तैयार। दुर्भाग्य से हम मैच नहीं जीत सके और इसका सबसे ज्यादा दुख हमारे कोच डिडिएर डेशां के लिए है। हम उनके लिए कुछ खास करना चाहते थे। पहले हाफ को देखकर ऐसा लगा जैसे हमने उन्हें निराश किया, लेकिन हम कभी भी उन्हें ऐसा महसूस नहीं कराना चाहते थे। हालांकि मुझे पूरा विश्वास है कि यह एक मैच डिडिएर डेशां की महान विरासत को कभी धूमिल नहीं करेगा।

चार गोल से पिछड़ने के बाद फ्रांस ने दूसरे हाफ में शानदार वापसी की। एम्बाप्पे ने दो गोल किए, जबकि ब्रैडली बारकोला ने एक गोल कर स्कोर 4-3 कर दिया।

एम्बाप्पे के इन दो गोलों के साथ वह फीफा विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक 22 गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए और उन्होंने लियोनेल मेसी को पीछे छोड़ दिया। हालांकि 87वें मिनट में बुकायो साका ने पेनल्टी पर अपना हैट्रिक पूरा कर इंग्लैंड की बढ़त फिर मजबूत कर दी। उस्मान डेम्बेले ने फ्रांस के लिए एक और गोल किया, लेकिन स्टापेज टाइम में जूद बेलिंगहैम ने गोल कर इंग्लैंड की 6-4 की जीत सुनिश्चित कर दी। यह मुकाबला फ्रांस के मुख्य कोच डिडिएर डेशां का आखिरी मैच भी था। उन्होंने 2012 में टीम की कमान संभाली थी और उनके नेतृत्व में फ्रांस ने 2018 फीफा विश्व कप का खिताब जीता, 2022 में फाइनल खेला और 2026 विश्व कप में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के साथ उनके 14 वर्षों के सफल कार्यकाल का समापन हो गया।

न्यूज ब्रीफ

ब्रेंडन मैकुलम के बाद इंग्लैंड टेस्ट टीम का कोच कौन, आस्ट्रेलिया के पूर्व कोच समेत रेस में 3 दिग्गज

नई दिल्ली। ब्रेंडन मैकुलम के इंग्लैंड टेस्ट टीम के मुख्य कोच पद छोड़ने के बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) नए कोच की तलाश में जुट गया है। लगातार खराब प्रदर्शन के बाद इंग्लैंड क्रिकेट में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। इस बीच, आस्ट्रेलिया के पूर्व कोच जस्टिन लैंगर, न्यूजीलैंड के दिग्गज स्टीफन फ्लेमिंग और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एंड्रयू फिलंटाफ टेस्ट टीम के नए हेड कोच बनने की रेस में सबसे आगे बताए जा रहे हैं, जिनमें स्टीफन फ्लेमिंग को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। ब्रेंडन मैकुलम के कार्यकाल की शुरुआत शानदार रही थी, लेकिन बाद में इंग्लैंड की टेस्ट टीम लगातार संघर्ष करती नजर आई। आस्ट्रेलिया में 4-1 से एशेज हारने के बाद टीम ने अगले 12 टेस्ट में से 8 मुकाबले गंवा दिए। लगातार खराब नतीजों के बाद ईसीबी ने टीम मैनेजमेंट में बदलाव का फैसला लिया और अब नए टेस्ट कोच की तलाश शुरू हो गई है। जस्टिन लैंगर इस रेस के प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं। लैंगर आस्ट्रेलियाई टीम के साथ सफल कार्यकाल निभा चुके हैं और इंडियन प्रीमियर लीग में लखनऊ सुपर जायंट्स के हेड कोच भी रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी क्रिकेट का उनका अनुभव ईसीबी के लिए बड़ा प्लस माना जा रहा है। पूर्व इंग्लैंड कप्तान एंड्रयू फिलंटाफ का नाम भी चर्चा में है। फिलंटाफ इंग्लैंड लायंस और सीनियर व्हाइट-बाल टीम के साथ कोचिंग स्टाफ का हिस्सा रहे हैं। इंग्लैंड के मैनेजिंग डायरेक्टर राब की के साथ उनकी अच्छी समझ उन्हें मजबूत दावेदार बनाती है।

इंग्लैंड दौरे पर निकी प्रसाद ने सीखा बहुत कुछ

नई दिल्ली। भारतीय अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप 2025 का खिताब दिलाने वाली कप्तान निकी प्रसाद ने इंडिया ए महिला टीम के साथ अपने इंग्लैंड दौरे को सीखने का एक बेहतरीन अनुभव बताया है। हाल ही में इंग्लैंड ए के खिलाफ 2-1 से वनडे सीरीज जीतने वाली टीम का हिस्सा रहीं प्रसाद ने एक खास बातचीत में कहा कि यह उनका पहला इंडिया ए और पहला इंग्लैंड दौरा था। टीम का माहौल शानदार था और उन्हें खुद को अभिव्यक्त करने का भरपूर अवसर मिला, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा। एक जीतने वाली टीम का हिस्सा होना उनके लिए बेहद सकारात्मक अनुभव रहा। प्रसाद ने इंग्लैंड की परिस्थितियों को भारत से काफी अलग बताया, जहां के विकेट और विपक्षी टीमें, विशेषकर लंबे तेज गेंदबाजों, चुनौतीपूर्ण थीं। उन्होंने महसूस किया कि अपने बैकफुट खेल में, खासकर बाउंसर गेंदों को पुल और कट करने में, सुधार की आवश्यकता है। शार्ट बाल के साथ संतुलन बनाना उन्होंने जल्द सीखा। कोचों ने उन्हें गेंद की उछाल का सही अनुमान लगाने और ओवरहिट न करने की सलाह दी। गेंदबाजी में भी, उन्हें यह सीखने को मिला कि गेंद को ऊपर पिच करके बल्लेबाजों को ड्राइव करने के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि वे स्वीप जैसे शाट न खेलें।

राष्ट्रीय शूटर दमयंती सेन दो दिन बाद लौटीं घर, पुलिस कर रही लापता होने की वजह की जांच

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राष्ट्रीय स्तर की शूटर दमयंती सेन, जो पिछले 48 घंटों से लापता थीं, शनिवार सुबह सुरक्षित अपने घर लौट आईं। हालांकि, उनके दो दिनों तक लापता रहने की वजह अभी भी एक रहस्य बनी हुई है, और परिवार तथा जांच एजेंसियों की ओर से इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। दमयंती के लापता होने की खबर ने खेल जगत और उनके परिवार को चिंता में डाल दिया था। जानकारी के अनुसार, दमयंती सेन गुरुवार दोपहर अपने हावड़ा स्थित घर से कुछ घरेलू सामान खरीदने के लिए निकली थीं। उनके पास उस समय मोबाइल फोन भी था, लेकिन इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटीं और उनका फोन भी बंद आने लगा। काफी देर तक उनसे संपर्क न होने पर चिंतित परिवार ने उनकी गुमशुदगी की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद उन्हें तलाशने के लिए एक विशेष जांच शुरू की गई। शनिवार सुबह, हावड़ा जिले के रामकृष्णपुर फेरी जेटी के पास सुबह टहलने वाले कुछ लोगों ने दमयंती को बिना किसी स्पष्ट उद्देश्य के घूमते हुए देखा। लोगों ने उन्हें पहचान लिया और तुरंत उनके परिवार को सूचना दी। इसके बाद उनके पिता ध्रुवज्योति सेन मौके पर पहुंचे और बेटी को सुरक्षित घर ले आए।

लॉर्ड्स वनडे में इंग्लैंड की शानदार जीत
भारत 27 रन से हारा, सीरीज 2-1 से गंवाई

रोहित शर्मा का शतक भी नहीं दिला सका जीत, शुभमन गिल की कप्तानी में भारत को सीरीज में मिली हार

लंदन। इंग्लैंड ने लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए तीसरे और निर्णायक वनडे मुकाबले में भारत को 27 रन से हराकर तीन मैचों की वनडे श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली। 388 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 50 ओवर में 360 रन ही बना सकी। कप्तान शुभमन गिल की अगुवाई में भारतीय टीम को एक और द्विपक्षीय श्रृंखला में हार का सामना करना पड़ा।

इंग्लैंड ने बनाया लॉर्ड्स का सबसे बड़ा वनडे स्कोर

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने निर्धारित 50 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 387 रन बनाए। यह लॉर्ड्स मैदान पर वनडे क्रिकेट में किसी भी टीम का सर्वोच्च स्कोर है।सलामी बल्लेबाज बेन डकेट और जैकब बेथेल ने पहले विकेट के लिए 192 रन की शानदार साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। यह भारत के खिलाफ इंग्लैंड की ओर से वनडे में पहले विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी भी रही।

डकेट का शतक, बेथेल शतक से चूके

तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने जैकब बेथेल को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। बेथेल ने 93 गेंदों में 91 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 2 छक्के शामिल रहे।

वहीं बेन डकेट ने 135 गेंदों में 141 रन की शानदार शतकीय पारी खेली। उनकी पारी में 18 चौके और एक छक्का शामिल रहा। इसके बाद जो रूट ने नाबाद 74 रन और जोस बटलर ने मात्र 13 गेंदों में नाबाद 41 रन की विस्फोटक पारी खेलकर इंग्लैंड को 387 रन के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। रूट और बटलर ने अंतिम 19 गेंदों में 63 रन जोड़े।

रोहित का शतक, लेकिन टीम को नहीं मिली जीत

विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी रही और रोहित शर्मा ने 138 रन की शानदार शतकीय पारी खेलकर टीम को मुकाबले में बनाए रखा। हालांकि दूसरे छोर से उन्हें अपेक्षित सहयोग नहीं मिल सका। विराट कोहली ने भी उपयोगी योगदान दिया, लेकिन अन्य बल्लेबाज बड़ी साझेदारी निभाने में असफल रहे। परिणामस्वरूप भारतीय टीम 360 रन पर सिमट गई और मुकाबला 27 रन से हार गई।

भारतीय गेंदबाज रहे महंगे

भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। गुरनूर बरार ने 10 ओवर में 97 रन खर्च किए, जबकि अर्शदीप सिंह ने 10 ओवर में 72 रन दिए। दोनों को कोई विकेट नहीं मिला।

अक्षर पटेल ने 10 ओवर में 61 रन दिए, लेकिन उन्हें भी सफलता नहीं मिली। प्रसिद्ध कृष्णा ने 10 ओवर में 69 रन देकर 2 विकेट हासिल किए, जबकि प्रिंस यादव ने 10 ओवर में 79 रन देकर 1 विकेट लिया।

इंग्लैंड की इस जीत के साथ उसने तीन मैचों की वनडे श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली, जबकि भारतीय टीम को एक और द्विपक्षीय श्रृंखला में निराशा हाथ लगी।

कनाडा के जंगलों की आग के बावजूद नहीं बदलेगा फाइनल मुकाबले का वेन्यू

नई दिल्ली। कनाडा के जंगलों में लगी भीषण आग का असर अब अमेरिका के न्यूयार्क और न्यू जर्सी तक पहुंच गया है, जिससे धुएं के कारण हवा की गुणवत्ता बुरी तरह प्रभावित हुई है। इसके बावजूद, फीफा ने साफ कर दिया है कि स्पेन और अर्जेंटीना के बीच 20 जुलाई को होने वाला फीफा विश्व कप 2026 का फाइनल मुकाबला तय कार्यक्रम के अनुसार ही खेला जाएगा। फिलहाल, मैच के वेन्यू या समय में किसी भी तरह के बदलाव की कोई योजना नहीं है। यह घोषणा फुटबाल प्रेमियों और आयोजकों के लिए एक बड़ी राहत है, क्योंकि मैच पर मंडरा रहे अनिश्चितता के बादल छंट गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, फीफा लगातार अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा (एनडब्ल्यूएस) के संपर्क में है और पूरे टूर्नामेंट के दौरान मौसम विभाग के अधिकारी फीफा के कमांड सेंटर में मौजूद रहे हैं। फाइनल से पहले भी हालात पर पैनी नजर रखी जा रही है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि शनिवार को धुएं का असर अधिक रहेगा, लेकिन रविवार तक हवा की गुणवत्ता में सुधार होने की उम्मीद है। यह पूर्वानुमान फीफा को अपने फैसले पर टिके रहने का आत्मविश्वास दे रहा है।

एनुअल मास्टर्स स्विमिंग चैंपियनशिप में छाए 81 वर्षीय केएल नारायण, जीते चार स्वर्ण पदक

हैदराबाद। सेवानिवृत्त अतिरिक्त सरकारी सचिव श्री के. एल. नारायण ने आज हैदराबाद जिला तैराकी संघ द्वारा आयोजित 'एनुअल मास्टर्स स्विमिंग चैंपियनशिप' में अद्वितीय प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इस प्रतियोगिता का आयोजन अमीरपेट (हैदराबाद) स्थित श्री गुरु गोविंद सिंह जी इंडोर स्टेडियम (जीएचएमसी) स्विमिंग पूल में किया गया था।

इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में 25-29 वर्ष से लेकर 80 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग तक के विभिन्न आयु समूहों के तैराकों ने भाग लिया था।

81 वर्ष की आयु में भी गजब की फुर्ती और फिटनेस रखने वाले श्री के. एल. नारायण ने 80-84 वर्ष के आयु वर्ग में प्रतिस्पर्धा की। उन्होंने कुल चार स्पर्धाओं में हिस्सा लिया और अपने दृढ़ संकल्प और उत्कृष्ट खेल कौशल की बदौलत चारों ही स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर क्लीन स्वीप किया। उन्होंने यह ऐतिहासिक सफलता- 25 मीटर फ्रीस्टाइल , 25 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक , 25 मीटर बैकस्ट्रोक, 50 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धाओं में हासिल की।81 साल की उम्र में श्री नारायण की यह असाधारण उपलब्धि समाज के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत है। वह अपनी इस फिटनेस को बनाए रखने के लिए रोजाना वायूपुरी स्विमिंग पूल में नियमित रूप से अभ्यास करते हैं। उनकी यह शानदार सफलता यह संदेश देती है कि अगर मन में अनुशासन, खेल के प्रति अटूट जुनून और जीवन भर फिट रहने की चाह हो, तो उम्र कभी भी आपके सपनों और सफलता के आड़े नहीं आ सकती।

आईसीसी ने 2027 वनडे विश्व कप के क्वालीफिकेशन नियमों में किए बड़े बदलाव

नई दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2027 वनडे विश्व कप के क्वालीफिकेशन प्रारूप में बड़े बदलावों की घोषणा की है, जो पहले 2021 में अनुमोदित संरचना को बदल देगा। इन नए नियमों के तहत, क्वालीफायर जीतने वाली टीम को अफ्रीका में होने वाले विश्व कप के मुख्य ग्रुप चरण में सीधे एंट्री मिलेगी, और आईसीसी के बदले हुए माडल के तहत उसे शुरुआती सुपर सीरीज राउंड से नहीं गुजरना पड़ेगा।

बदले हुए प्रारूप में मुख्य टूर्नामेंट की टीमें 14 से घटाकर 12 कर दी गई हैं, जिसमें दो ग्रुप होंगे और उसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल से पहले सुपर सेवन स्टेज होगा, जबकि पहले दो-ग्रुप और सुपर सिक्स फार्मेट था। इस बड़े बदलाव से विश्व कप क्वालीफायर से शीर्ष चार टीमों के लिए क्वालिफिकेशन का रास्ता भी बदल गया है।

नए माडल के तहत, सितंबर 2026 के आखिर में एकदिवसीय रैंकिंग में शीर्ष आठ टीमें, सह-मेजबान दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के साथ, विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई कर लेंगी। हालांकि, तीसरे सह-मेजबान नामीबिया को स्वचालित क्वालिफिकेशन नहीं मिलेगा और उसे क्वालिफाइंग पाथवे से अपनी जगह बनानी होगी। क्वालीफायर जीतने वाली टीम को विश्व कप के मुख्य चरण में 11वीं सीधी एंट्री मिलेगी। दूसरे, तीसरे और चौथे नंबर पर रहने वाली टीमों को दो मैचों की सुपर सीरीज खेलनी होगी, जिसमें केवल जीतने वाली टीम ही आगे बढ़ेगी, जबकि बाकी टीमें सिर्फ दो मैच खेलकर बाहर हो जाएंगी।

2027 के एकदिवसीय विश्व कप में पहली बार होने वाले सुपर सेवन स्टेज में, छह-छह टीमों के दो ग्रुप में से प्रत्येक से शीर्ष तीन टीमें होंगी, साथ ही दोनों ग्रुप में अगली सबसे अच्छी रैंक वाली टीम भी शामिल होगी। यह सात टीमें एक ही राउंड-राबिन में खेलेंगी, जिसमें कुल 21 मैच होंगे, और शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी।

नाकआउट स्टेज में पहले नंबर पर रहने वाली टीम का मुकाबला चौथे नंबर पर रहने वाली टीम से होगा और दूसरे नंबर पर रहने वाली टीम का मुकाबला तीसरे नंबर पर रहने वाली टीम से होगा, जिसमें जीतने वाली टीमें फाइनल में पहुंचेंगी।

2027 एकदिवसीय विश्व कप क्वालीफायर में कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी: एकदिवसीय रैंकिंग में सबसे कम रैंक वाले दो पूर्ण सदस्य (दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे को छोड़कर, जो रैंकिंग की परवाह किए बिना मेजबान के तौर पर स्वचालित क्वालिफायर हो जाती हैं), क्रिकेट विश्व कप लीग 2 की शीर्ष चार टीमें, और विश्व कप क्वालीफायर प्लेआफ से आगे बढ़ने वाली चार टीमें। क्वालीफायर प्लेआफ में आठ टीमें हिस्सा लेंगी – लीग 2 की सबसे नीचे की चार टीमें और चैलेंज लीग की शीर्ष चार टीमें।

हालांकि टूर्नामेंट का प्रारूप अभी तक पूरी तरह से पुष्टि नहीं हुआ है, लेकिन शीर्ष चार टीमें एकदिवसीय विश्व कप क्वालीफायर में आगे बढ़ेंगी। चैलेंज लीग क्वालिफिकेशन पाथवे का तीसरा टियर है और इसमें 12 टीमें हैं जिन्हें छह-छह के दो ग्रुप में बांटा गया है।

हैदराबाद में हाईप्लेक्स 2026 का भव्य रोड शो आयोजित

7 से 10 अगस्त तक हाईटेक्स में सजेगी देश की तीसरी सबसे बड़ी प्लास्टिक प्रदर्शनी

हैदराबाद, 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): देश की तीसरी सबसे बड़ी प्लास्टिक प्रदर्शनी हाईप्लेक्स 2026 के रोड शो का आयोजन शनिवार रात हैदराबाद के आईटीसी काकतीया में किया गया, जिसने देश के सबसे बड़े प्लास्टिक उद्योग आयोजनों में से एक के लिए मंच तैयार कर दिया है। इस शानदार रोड शो का उद्घाटन सतर्कता एवं प्रवर्तन विभाग के पुलिस अधीक्षक श्री धन्नारपु श्रीनिवास गुप्ता ने किया।

तेलंगाना एंड आंध्र प्लास्टिक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (तापमा) द्वारा आयोजित यह त्रिवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी आगामी 7 से 10 अगस्त 2026 तक हाईटेक्स एग्जीबिशन सेंटर, हैदराबाद में आयोजित की जाएगी। इसे भारत सरकार के रसायन एवं पेट्रोकेमिकल विभाग (रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय), तेलंगाना सरकार, सिपेट और अन्य उद्योग भागीदारों का पूरा सहयोग प्राप्त है। चार दिनों तक चलने वाले इस मेले में 500 से अधिक प्रदर्शकों और देश-विदेश से 50,000 से अधिक व्यापारिक आगंतुकों, निवेशकों व उद्यमियों के शामिल होने की उम्मीद है। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एसपी धन्नारपु श्रीनिवास गुप्ता ने कहा कि अक्सर प्लास्टिक को केवल प्रदूषण के नजरिये से देखा जाता है, जबकि आधुनिक जीवन और उद्योग इस पर पूरी तरह निर्भर हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, हमारे सामने चुनौती प्लास्टिक को खत्म करने की नहीं, बल्कि इसका जिम्मेदारी से उपयोग करने, प्रभावी ढंग से रीसायकल करने और एक स्थायी चक्रीय अर्थव्यवस्था बनाने की है।

उन्होंने आगे बताया कि प्लास्टिक क्षेत्र भारत में रोजगार पैदा करने वाले प्रमुख क्षेत्रों में से एक है, जहां लगभग 40,000 विनिर्माण इकाइयां करीब 18 लाख लोगों को आजीविका प्रदान कर रही हैं। बहस प्लास्टिक बनाम पर्यावरण की नहीं होनी चाहिए, बल्कि इस बात पर होनी चाहिए कि हम नवाचार, रीसाइक्लिंग और जिम्मेदार उपभोग के माध्यम से प्लास्टिक को एक स्थायी भविष्य का हिस्सा कैसे बनाएं।

रिसाइक्लिंग पवेलियन में दिखेगा जादू: 25 बोतलों से बनेगी टी-शर्ट, प्लास्टिक से बनेंगे घर

हाईप्लेक्स 2026 के संयोजक श्री मीला जयदेव ने बताया कि यह इस आयोजन के इतिहास का सबसे बड़ा संस्करण है, जो 26,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला होगा। उन्होंने कहा कि यह केवल एक प्रदर्शनी नहीं है, बल्कि एक ही छत के नीचे नवाचार, निवेश और व्यापार के अवसरों का संगम है।इस बार प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण रिसाइक्लिंग पवेलियन होगा। यहां लाइव दिखाया जाएगा कि कैसे 25 बेकार प्लास्टिक बोतलों को एक खूबसूरत टी-शर्ट में बदला जा सकता है। इसके अलावा, रिसायकल किए गए प्लास्टिक से बनीं नवोन्मेषी चीजें जैसे प्लास्टिक की सड़कें, रेलवे स्लीपर्स, ईंटें, बेंच, बस शेल्टर और यहां तक कि पूरे घर का मॉडल भी प्रदर्शित किया जाएगा।

आत्मनिर्भर और विकसित भारत की थीम पर तकनीकी प्रदर्शन

अमृत काल में आत्मनिर्भर और विकसित भारत का उदय: निवेश से परिवर्तन की थीम पर आधारित इस प्रदर्शनी में प्लास्टिक मूल्य श्रृंखला से जुड़ी अत्याधुनिक मशीनरी, कच्चे माल, प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों और ऑटोमेशन का प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शनी में प्लास्टिक प्रसंस्करण मशीनरी का सीधा प्रदर्शन , ज्ञान सत्र और बिजनेस नेटवर्किंग के अवसर मिलेंगे। अपने मजबूत औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र और विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के कारण हैदराबाद दक्षिण भारत में प्लास्टिक और पॉलीमर उद्योग के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है।

जीएनआईटीसी में 22वां दीक्षांत एवं प्लेसमेंट दिवस समारोह हर्षोल्लास से संपन्न

हैदराबाद, 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)

गुरु नानक इंस्टीट्यूशन्स टेक्निकल कैम्पस (जीएनआईटीसी), इब्राहिमपटनम में 22वां दीक्षांत एवं प्लेसमेंट दिवस समारोह गरिमा और शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ आयोजित किया गया। समारोह में कुल 1,004 विद्यार्थियों को डिग्री प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों को कुल 22 स्वर्ण एवं रजत पदक प्रदान किए गए। ये पदक संस्थान के संस्थापक स्व. सरदार तविंदर सिंह कोहली जी की स्मृति में स्थापित हैं।

समारोह की प्रमुख उपलब्धि प्लेसमेंट रही। 205 से अधिक बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा चयनित 1,049 विद्यार्थियों को नियुक्ति-पत्र एवं प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। प्रमुख कंपनियों में रॉन्च पॉलिमर्स में 180, एच-सीएल टेक में 102, कॉग्निजेंट में 96, टीसीएस में 90, एलटीआई माइंडट्री में 81 छात्रों का चयन हुआ।

इस वर्ष सर्वोच्च पैकेज मु सिग्मा द्वारा 40 लाख रुपये वार्षिक, प्रोविडेंस ग्लोबल द्वारा 14 लाख और रियलपेज द्वारा 10 लाख रुपये वार्षिक रहा।

छात्रों को उभरती तकनीकों में दक्ष बनाने हेतु हनीवेल, ज़ीरोह लैब्स, एसएपी, गरुड़ एयरोस्पेस, एचसीएल टेक, विप्रो, कॉग्निजेंट, अल्टेयर सहित 10 अग्रणी संस्थाओं के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

मुख्य अतिथि डॉ. एस.वी.एस. नारायण मूर्ति ने कहा कि तकनीक उद्योगों को बदल रही है, लेकिन रचनात्मकता, नवाचार और निरंतर कौशल विकास ही सफल करियर की कुंजी है।

समारोह में गुरु नानक संस्थानों के उपाध्यक्ष एवं गुरु नानक विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सरदार गगनदीप सिंह कोहली ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रबंध निदेशक एवं कुलपति डॉ. एच.एस. सैनी ने कहा कि उत्कृष्ट प्लेसमेंट गुण-वत्तापूर्ण शिक्षा और उद्योगोन्मुख प्रशिक्षण का परिणाम है। उन्होंने बताया कि जीएनआईटीसी स्वायत्त संस्थान है, जिसके सभी विभाग एनबीए मान्यता प्राप्त हैं और नैक द्वारा ए+ ग्रेड प्राप्त है।

कार्यक्रम में निदेशक डॉ. एस. श्रीनाथ रेड्डी, एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. ऋषि सयाल सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक, अभिभावक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

एमवाई ग्रेटर हैदराबाद क्लब द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित

नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी लगा, सदस्यों ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

हैदराबाद, 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। एमवाई ग्रेटर हैदराबाद क्लब द्वारा माथुर वैश्य भवन के तत्वावधान में शनिवार, 19 जुलाई को रक्तदान महादान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवा एवं मानवता को समर्पित इस आयोजन में क्लब के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों एवं उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान किया।

कार्यक्रम क्लब की अध्यक्ष दिव्या गुप्ता की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विकास गुप्ता, पूजा गुप्ता, नीतू गुप्ता, सपना गुप्ता एवं सोनू गुप्ता सहित अन्य सदस्यों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर समाज सेवा का प्रेरणादायी संदेश दिया।

आयोजकों ने कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद के जीवन की रक्षा का सबसे बड़ा माध्यम है और प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। इस अवसर पर माथुर वैश्य शाखा सभा के सहयोग से नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी आयोजित किया गया, जिसमें लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक पहुंचाना रहा।

उपस्थित सभी सदस्यों ने भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

ट्रेंड फ्यूजन इंडिया के देशव्यापी ऑडिशन की भव्य शुरुआत

हैदराबाद, 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): भारत के पहले मल्टी-डिसिप्लिन फ्यूजन टैलेंट प्लेटफॉर्म ट्रेंड फ्यूजन इंडिया (टीएफआई) ने अपने देशव्यापी सफर की शुरुआत करते हुए भाग्यनगर (हैदराबाद) में पहला ऑडिशन आयोजित किया। आइकॉनिक मल्टीमीडिया द्वारा हाईटेक सिटी स्थित होटल रेडिसन में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में फैशन, फिटनेस और एंटरटेनमेंट जगत की उभरती प्रतिभाओं ने हिस्सा लिया।

इस पहले ऑडिशन के दौरान टीएफआई बेस्ट फिजीक (बॉडी बिल्डिंग), किड्स फैशन शो, वीमेन्स फैशन शो और मेन्स फैशन शो जैसी विभिन्न श्रेणियों में कड़ा मुकाबला देखने को मिला। प्रतिभागियों ने निर्णायक मंडल के सामने अपना आत्मविश्वास, स्टाइल और हुनर प्रदर्शित किया। इस अवसर पर हिना भाटिया (अभिनेत्री व मनोवैज्ञानिक), शाजिया बकाल शरीफ (उद्यमी), निहारिका सूद (मिस यूनिवर्स तेलंगाना 2024) और सुधा जैन (एमएस इंडिया एशिया पैसिफिक) बतौर जज मौजूद रहीं। अयान मलिक और मोहम्मद हिदायत द्वारा स्थापित तथा आइकॉनिक मल्टीमीडिया द्वारा निर्मित यह प्लेटफॉर्म कच्चे हुनर को इंडस्ट्री के लिए तैयार प्रोफेशनल्स में बदलने का काम कर रहा है। आयोजकों ने बताया कि हैदराबाद के बाद अब दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, गोवा, कोलकाता और अंडमान-निकोबार सहित देश के कई अन्य शहरों में इसके ऑडिशन आयोजित किए जाएंगे, जिसमें जूनियर, मिस्टर, मिस, मिसेज, रैप, डांस और बिजनेस-क्रिएटिव अवॉर्ड्स जैसी श्रेणियां शामिल हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

4 और...

फिलहाल इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। उधर, चोट्टुप्पल पुलिस सर्किल अधिकारी ने मृतका के भाई से बातचीत कर उसे भरोसा दिलाया कि मामले की निष्पक्ष एवं कानूनसम्मत जांच की जा रही है। पुलिस ने परिवार को आश्वस्त किया कि प्रत्येक नामजद आरोपी के विरुद्ध उपलब्ध साक्ष्यों का निष्पक्ष परीक्षण किया जाएगा और कानून के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही परिजनों से धैर्य बनाए रखने की अपील भी की गई।

घटना के बाद समाज में भी व्यापक प्रतिक्रिया देखने को मिली है। पीड़िता के समाज के पदाधिकारियों के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों से 36 कौम के लोगों के लगातार फोन आए। उन्होंने गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस बात से व्यथित हैं कि समय रहते एक बेटी को बचाया नहीं जा सका। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि यदि पुलिस जांच और न्यायिक प्रक्रिया में आरोप सिद्ध होते हैं, तो दोषियों को कानून के अनुसार कठोर दंड मिलना चाहिए। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि 36 कौम पीड़िता के परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेगी और आवश्यकता पड़ने पर न्याय दिलाने के लिए सामूहिक रूप से सहयोग करेगी।

कानूनी दृष्टि से यह मामला अभी विवेचना के चरण में है। पुलिस द्वारा की गई गिरफ्तारी जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन आरोपों की अंतिम सत्यता का निर्धारण न्यायालय में प्रस्तुत साक्ष्यों, फॉरेंसिक रिपोर्ट, गवाहों के बयानों और संपूर्ण विवेचना के आधार पर ही होगा। भारतीय न्याय व्यवस्था के अनुसार प्रत्येक आरोपी तब तक निर्दोष माना जाता है, जब तक उसके विरुद्ध आरोप न्यायालय में विधिसम्मत रूप से सिद्ध नहीं हो जाते। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शेष नामजद महिला आरोपी की तलाश जारी है और उसकी गिरफ्तारी के साथ मामले की आगे की विवेचना भी कानून के अनुसार जारी रहेगी।

मॉनसून सत्र...

लेकिन माना जा रहा है कि बदले राजनीतिक समीकरणों के बीच सरकार इस बिल को पारित कराने की रणनीति पर काम कर रही है और क्षेत्रीय दलों की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए विधेयक में कुछ संशोधन करने पर भी विचार कर रही है। लोकसभा की प्रभावी सदस्य संख्या फिलहाल 540 है। किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए कम से कम 360 सांसदों (दो तिहाई बहुमत) का समर्थन जरूरी है। बजट सत्र में परिसीमन बिल के पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े थे।फिलहाल एनडीए के पास 293 सांसदों का समर्थन है। टीएमसी से अलग हुए 20 एनसीपीआई सांसदों और शिवसेना (यूबीटी) के 6 सांसदों के समर्थन से यह संख्या बढ़कर 319 हो गई है। जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के 4 सांसद भी पिछले संसद सत्र में महिला आरक्षण और परिसीमन बिल का समर्थन कर चुके हैं। अगर इन सांसदों को भी जोड़ लें, तो एनडीए का आंकड़ा 323 तक पहुंच जाता है। इस बदले समीकरण के हिसाब से बीजेपी को लोकसभा से परिसीमन बिल पास कराने के लिए अब 37 और सांसदों की जरूरत है।

एनसीपी (शरद पवार), शिवसेना (यूबीटी) और डीएमके ने संकेत दिया है कि यदि उनकी चिंताओं का समाधान किया जाता है तो वे विधेयक का समर्थन कर सकते हैं। सुप्रिया सुले ने कहा है कि यदि सभी राज्यों में समान अनुपात में सीटें बढ़ाई जाती हैं तो विरोध का कोई कारण नहीं होगा। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा है कि यदि विपक्ष के सुझावों के अनुरूप बिल में संशोधन किए जाते हैं तो उनकी पार्टी अपने रुख पर पुनर्विचार कर सकती है। डीएमके नेता तिरुची शिवा ने कहा कि पार्टी महिला आरक्षण विधेयक के पक्ष में है, लेकिन परिसीमन के मुद्दे पर सरकार को और स्पष्टता देनी होगी। मॉनसून सत्र से पहले लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सदन की सीटिंग अरेंजमेंट में बड़ा बदलाव किया है। स्पीकर ने तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों को लोकसभा में अलग बैठाने के लिए नई सीटें आवंटित की हैं। इसके चलते कई अन्य सांसदों की सीटों में भी बदलाव किया गया है। लोकसभा सचिवालय के अधिकारियों के मुताबिक, इस बदलाव के तहत कुल 39 सांसदों को नए सीट नंबर दिए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि बागी टीएमसी सांसदों के लिए अलग बैठने की व्यवस्था करने के कारण अन्य सदस्यों की सीटों में फेरबदल करना पड़ा।

सांसद अब सोमवार से शुरू हो रहे मॉनसून सत्र में अपने नए डिवीजन नंबर का उपयोग करेंगे। बता दें कि शनिवार को स्पीकर ओम बिरला ने शिवसेना (यूबीटी) के 6 बागी सांसदों के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय को मंजूरी दी थी। इसके साथ ही उन्होंने टीएमसी के 20 बागी सांसदों, जिन्होंने हाल ही में नेशनल सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया का दामन थामा है, उन्हें लोकसभा में अलग बैठने की अनुमति भी दे दी थी। टीएमसी के बागी सांसदों के एनसीपीआई में विलय को लेकर स्पीकर ओम बिरला मॉनसून सत्र के पहले दिन अपना फैसला सुना सकते हैं।

संसद मार्च को ...

पूर्व अनुमति के किसी भी मार्च को आगे बढ़ने की कतई इजाजत नहीं दी जाएगी।

इस पूरे घटनाक्रम के बीच, राजधानी के जंतर-मंतर पर सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके का विरोध-प्रदर्शन और अनशन लगातार जारी है। वहीं दूसरी ओर, इस आंदोलन से जुड़े प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को लेकर भी बड़ी खबर है। शनिवार को अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें तुरंत सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है।

दिल्ली पुलिस ने अपने आधिकारिक बयान में कहा है कि दिल्ली में प्रदर्शन के लिए तय की गई आधिकारिक जगह जंतर-मंतर पर भी किसी भी प्रकार के जमावड़े के लिए पहले से अनुमति लेनी अनिवार्य होगी। नियमों के मुताबिक, बिना पूर्व मंजूरी के किसी भी सार्वजनिक जगह पर सभा करने, प्रदर्शन करने या भीड़ जुटाने की अनुमति नहीं है।

पुलिस ने अंतिम चेतावनी देते हुए कहा है कि जो भी व्यक्ति या समूह धारा 163 का उल्लंघन करता हुआ पाया जाएगा, उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 और अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत त्वरित मुकदमा दर्ज कर एक्शन लिया जाएगा। संसद सत्र के समापन तक यह सुरक्षा व्यवस्था इसी तरह बेहद कड़ी रहेगी, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति या आपातकालीन हालात से तुरंत और मुस्तैदी से निपटा जा सके।

एससी में सीट...

सीबीआई से कोर्ट की निगरानी में निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। एसआईटी ने उत्तर प्रदेश सरकार को अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सौंप दी है और पूरी जांच को तार्किक अंत तक पहुंचाने के लिए अदालत से अतिरिक्त समय मांगा है। शुरुआती जांच में मंदिर के चढ़ावे के प्रबंधन में कई गंभीर सुरक्षा और प्रक्रियागत खामियां सामने आई हैं। जांच एजेंसी के मुताबिक, दानपात्रों (हुंडी) तक कथित तौर पर अनधिकृत पहुंच बनाई गई थी। इसके साथ ही चढ़ावे की गिनती और पूरी निगरानी व्यवस्था में भी बड़ी कमजोरियां पाई गई हैं।

इस हाई-प्रोफाइल मामले में पुलिस और जांच एजेंसियां अब तक कुल आठ लोगों को गिरफ्तार कर चुकी हैं। इनमें से मुख्य आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव और मनीष यादव को हाल ही में आगे की सघन पूछताछ के लिए 39 घंटे की पुलिस रिमांड पर भेजा गया था, जबकि अन्य आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं। एसआईटी की टीम इस समय चढ़ावे के नकद और कीमती सामान के कथित गबन की कड़ियों को आपस में जोड़ने के साथ-साथ मंदिर में दान प्रबंधन से जुड़े जिम्मेदार लोगों की भूमिका की भी गहराई से जांच कर रही है।

टूटा टिन्नू...

अविनाश शुक्ला के साथ मिलकर पहली बड़ी चोरी को अंजाम दिया। टिन्नू यादव के पास अनधिकृत रूप से हुंडी यानी दानपात्र की चाबियां रहती थीं। जब मनीष नाइट शिफ्ट में चोरी करता, तो टिन्नू यादव उसे अपनी बुलेट बाइक पर बैठाकर बिना किसी सुरक्षा चेकिंग के मंदिर के वीवीआईपी गेट से बाहर सुरक्षित निकाल ले जाता था। टिन्नू की बुलेट बिना रोक-टोक मंदिर परिसर में आती-जाती थी।

चेकिंग की सूचना लीक करता था टिन्नू, बाथरूम में छिपाए थे 2.25 लाख रुपये। टिन्नू यादव ने स्वीकार किया कि जब भी मंदिर के काउंटिंग रूम में सुरक्षा अधिकारियों या ट्रस्ट की सुगबुगाहट होती थी, वह तुरंत अपने गैंग को अलर्ट कर देता था। सीसीटीवी फुटेज सामने रखे जाने पर टिन्नू ने माना कि 4 जून को जब कर्मियों की तलाशी लेने का आदेश हुआ, तो यह बात उसने पहले ही लीक कर दी थी। इसी सूचना के बाद अनुकल्प मिश्रा ने हड़बड़ाहट में 2 लाख 25 हजार रुपये की चोरी की रकम को मंदिर के बाथरूम में छिपा दिया था। पूछताछ में मनीष यादव ने भी स्वीकार किया कि वह चोरी का सारा पैसा अपने चाचा टिन्नू को ही लाकर सौंपता था।

इसी बीच, डिजिटल और प्रिंट मीडिया में खबरें तैरने लगीं कि राम मंदिर के इन चोरों को अयोध्या जेल में विशेष सुविधाएं और वीआईपी ट्रीटमेंट दिया जा रहा है। इन खबरों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए अयोध्या जिला कारागार के अधीक्षक मुकेश कुमार ने रविवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर इसका कड़ा खंडन किया।

जेल अधीक्षक मुकेश कुमार ने साफ किया, जेल में वीआईपी ट्रीटमेंट दिए जाने संबंधी मीडिया की खबरें पूरी तरह मनगढ़ंत और तथ्यहीन हैं। इस मामले के सभी आठों आरोपी कारागार की अति-सुरक्षित हाई सिक्योरिटी बैरक में बंद हैं। नियमों से हटकर किसी को तिनका भर भी विशेष सुविधा नहीं दी गई है।

जेल प्रशासन के अनुसार, सभी आरोपियों की हर एक गतिविधि पर नजर रखने के लिए विशेष टीमें तैनात हैं। पूरी बैरक 24 घंटे सीसीटीवी कैमरों की कड़ी निगरानी में है। जेल अधीक्षक ने कहा कि सभी बंदी हर समय कैमरों की लाइव फीड में रहते हैं और सुरक्षा की हाई लेवल समीक्षा के लिए जरूरत पड़ने पर किसी भी समय इन सीसीटीवी फुटेज की री-चेकिंग की जा सकती है।

कारागार प्रशासन मैन्युअल के हिसाब से ही सभी बंदियों के साथ समान व्यवहार किया जा रहा है। उधर, 39 घंटे की रिमांड पूरी होने पर पुलिस ने राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव और मनीष यादव को वापस जेल भेज दिया है। पूछताछ के बाद पुलिस ने राम शंकर यादव टिन्नू की अर्टिगा कार के साथ बुलेट मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। अब तक चढ़ावा चोरी मामले में पुलिस ने 3 चार पहिया वाहन, एक बुलेट मोटरसाइकिल, शेयर मार्केट के पत्र और इसके साथ ही गोल्ड की वस्तुएं भी बरामद की हैं। इसी के साथ चढ़ावा चोरी मामले में पुलिस अब तक सभी आठों आरोपियों को रिमांड पर ले चुकी है।

स्पेन...

वहीं अर्जेंटीना ने लगातार तीन नॉकआउट मुकाबलों में अतिरिक्त समय तक चले रोमांचक मैच जीतकर फाइनल का टिकट हासिल किया था।

पहले हाफ में स्पेन का दबदबा, अर्जेंटीना नहीं लगा सकी एक भी शॉट

मुकाबले का पहला हाफ बेहद संघर्षपूर्ण रहा और दोनों टीमें गोल करने में असफल रहीं। हालांकि स्पेन ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले हाफ में स्पेन ने दो शॉट लक्ष्य पर लगाए, जबकि अर्जेंटीना की ओर से एक भी शॉट लक्ष्य पर नहीं लगाया जा सका। गेंद पर नियंत्रण (बॉल पोजेशन) भी 65 प्रतिशत तक स्पेन के पक्ष में रहा।

स्पेनिश खिलाड़ियों ने कप्तान लियोनेल मेसी की कड़ी मार्किंग की, जिसके कारण वे कोई बड़ा प्रभाव नहीं छोड़ सके। दूसरी ओर, स्पेन के युवा स्टार लैमिन यामाल भी कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए। पहले हाफ में अर्जेंटीना के डिफेंडर लिसांड्रो मार्टिनेज को येलो कार्ड मिला। इसके कुछ देर बाद चोटिल होने के कारण उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा और उनकी जगह निकोलस ओटामेंडी को उतारा गया।

दूसरे हाफ में भी स्पेन का रहा दबदबा, मार्टिनेज ने किए कई शानदार बचाव

दूसरे हाफ में भी स्पेन ने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा और 68 प्रतिशत बॉल पोजेशन अपने नाम किया। स्पेन ने आठ बार लक्ष्य पर सटीक शॉट लगाए, लेकिन अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने शानदार गोलकीपिंग का प्रदर्शन करते हुए सभी प्रयास विफल कर दिए।

इसके बावजूद अर्जेंटीना की टीम दूसरे हाफ में भी एक भी शॉट लक्ष्य पर नहीं लगा सकी।

इंजरी टाइम में अर्जेंटीना को बड़ा झटका लगा, जब मिडफील्डर एंजो फर्नांडीज को मैच का दूसरा येलो कार्ड मिलने के बाद रेड कार्ड दिखाया गया और उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। फुटबॉल के नियमों के अनुसार, एक ही मैच में दूसरा येलो कार्ड मिलने पर खिलाड़ी को स्वत: रेड कार्ड देकर बाहर भेज दिया जाता है।

फेरान टोरेस बने जीत के नायक

अतिरिक्त समय के 106वें मिनट में निको विलियम्स ने बेहतरीन पास देकर फेरान टोरेस को मौका बनाया। टोरेस ने शानदार फिनिशिंग करते हुए गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचा दिया। यही गोल मैच का निर्णायक क्षण साबित हुआ और स्पेन ने 1-0 से जीत दर्ज करते हुए फीफा विश्व कप 2026 की ट्रॉफी अपने नाम कर ली। इस जीत के साथ स्पेन ने विश्व फुटबॉल में अपनी नई बादशाहत स्थापित कर दी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 20 जुलाई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रसेन बैंक की 13वीं शाखा का निजामाबाद में भव्य उद्घाटन

जमा राशि पर बेहतरीन ब्याज का लाभ लें : प्रमोद केडिया

निजामाबाद, 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो):

द अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड, हैदराबाद ने आज निजामाबाद (तेलंगाना) के नामदेववाड़ा (मकान नंबर: 6-13-212) में अपनी 13वीं शाखा का भव्य उद्घाटन किया। इस नई शाखा का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री बोम्मा महेश कुमार गौड़ (अध्यक्ष - तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी, एमएलसी) द्वारा किया गया।

इसी क्रम में, एटीएम केंद्र का उद्घाटन श्री धनपाल सूर्यनारायण (विधायक - निजामाबाद अर्बन) द्वारा किया गया। द निजामाबाद डिस्ट्रिक्ट राइस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री एम. दयानंद गुप्ता ने बैंक शाखा के स्ट्रॉन्ग रूम और सेफ डिपॉजिट लॉकर सुविधा का उद्घाटन किया।

निजामाबाद की मेयर श्रीमती कुरागायाला उमा रानी ने शाखा की स्टाफ मनोरंजन सुविधाओं का उद्घाटन किया। इसके साथ ही, द निजामाबाद डिस्ट्रिक्ट राइस मिलर्स एसोसिएशन के महासचिव श्री वी. मोहन रेड्डी और द निजामाबाद मर्चेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री कमल किशोर इन्नानी ने बैंक के सभी ग्राहकों के उपयोग के लिए अन्य बैंकिंग सुविधाओं का उद्घाटन किया।

कृषि प्रधान बाजार में बैंकिंग सेवाओं से मिलेगा व्यापारियों को संबल

इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि श्री महेश कुमार गौड़ ने निजामाबाद में 1450 करोड़ रुपये के कुल कारोबार के साथ अपनी 13वीं शाखा खोलने पर बैंक को बधाई दी। उन्होंने विचार व्यक्त किया कि निजामाबाद हल्दी और धान जैसे कृषि उत्पादों का एक बड़ा बाजार है, और बैंक व्यापारियों को आसान ऋण व अन्य जमा उत्पाद जैसी सर्वश्रेष्ठ बैंकिंग सेवाएं प्रदान करके उनकी मदद कर सकता है। उन्होंने हैदराबाद शहर में पहले से ही 40,000 से अधिक ग्राहकों को सेवाएं देने और अब निजामाबाद में कदम रखने के लिए बैंक की सराहना की।

निजामाबाद (अर्बन) के विधायक श्री धनपाल सूर्यनारायण ने भी इस अवसर पर बैंक को बधाई दी। उन्होंने बताया कि बैंक के पास वर्तमान में 1,450 करोड़ रुपये का कुल कारोबार है, जिसमें 850 करोड़ रुपये की जमा राशि और 600 करोड़ रुपये का ऋण शामिल है, जो कि बैंक के प्रति ग्राहकों के मजबूत विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि बैंक निजामाबाद के ग्राहकों को गुण-वत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करके यहां बहुत अच्छा व्यवसाय करेगा।

28 वर्षों का अटूट विश्वास और आकर्षक ब्याज दरें

बैंक के चेयरमैन श्री प्रमोद कुमार केडिया ने कहा कि बैंक पिछले लगभग 28 वर्षों से अपने ग्राहकों की सेवा कर रहा है और उसने ग्राहकों का उच्च विश्वास अर्जित किया है। उन्होंने निजामाबाद के ग्राहकों से अपील करते हुए कहा कि बैंक जमा राशि पर बेहतरीन ब्याज दरें दे रहा है और ग्राहकों के लाभ के लिए विभिन्न ऋण योजनाएं भी पेश कर रहा है।

उद्घाटन समारोह में गणमान्य हस्तियों और बैंक अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस भव्य उद्घाटन कार्यक्रम में बैंक के निदेशक मंडल से सीनियर वाइस चेयरमैन सीए. नवीन कुमार अग्रवाल, वाइस चेयरमैन श्री सुरेश कुमार अग्रवाल, बीओएम के चेयरमैन श्री नारायण दत्त और निदेशकगण: श्री गोपाल चंद अग्रवाल, श्री राजेश कुमार अग्रवाल, सीए. पंकज कुमार अग्रवाल व श्री पवन कुमार केडिया उपस्थित रहे।

विशेष आमंत्रित अतिथियों में टीपीसीसी के राज्य महासचिव श्री राम भोपाल, नुडा के चेयरमैन के. वेणु, और तेलंगाना राज्य कृषि एवं किसान कल्याण आयोग के सदस्य जी.गंगाधर शामिल हुए।

इनके अलावा बैंक के महाप्रबंधक/सीईओ श्री सी.वी. राव, डीजीएम श्री आनंद अग्रवाल, श्री जी. प्रसाद, श्री टी. शंकर चंद्र रेड्डी और श्री गोपाल तिवारी समेत अन्य सभी शाखाओं के शाखा प्रबंधक और समस्त स्टाफ सदस्य इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

इस कार्यक्रम में वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्त्ता श्री सीताराम पांडे, भाजपा नेता श्री रोशन बोहरा, प्रमुख समाज-सेवी श्री प्रवीण व्यास, श्री हरिश व्यास, श्री जुगल किशोर झंवर, श्री ओमनारायण अट्टल, राजस्थानी शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री श्री वल्लभ सारडा, श्री नंदकिशोर गाँधी आदि ने बडी संख्या में भाग लिया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के साथ जरूरतमंदों को कराया अन्नदान

हैदराबाद, 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास रविवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कियांश गुप्ता के जन्मदिन को सेवा और मानवता का पर्व बनाते हुए नरेश गुप्ता एवं इंदु गुप्ता (एक्सप्रेस रोडवेज) की ओर से विशेष अन्नदान सेवा आयोजित की गई। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद, निराश्रित एवं असहाय लोगों को प्रेम, सम्मान और आत्मीयता के साथ भोजन वितरित किया गया। जन्मदिन के इस अनूठे आयोजन की उपस्थित सभी लोगों ने सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी पहल बताया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए नरेश गुप्ता ने कहा कि बेटे कियांश गुप्ता का जन्मदिन राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के साथ मनाना उनके परिवार के लिए अत्यंत सौभाग्य और गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि जन्मदिन पर जरूरतमंदों को भोजन कराना केवल एक सेवा कार्य नहीं, बल्कि ईश्वर की सच्ची आराधना है। निराश्रित जनों के चेहरों पर मुस्कान देखकर जो आत्मिक शांति और संतोष प्राप्त होता है, उसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि इस सेवा कार्य ने जन्मदिन की खुशियों को कई गुना बढ़ा दिया और परिवार ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी प्रत्येक शुभ अवसर समाज सेवा के कार्यों से ही मनाया जाएगा।

कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जयप्रकाश सारड़ा, रोहित अग्रवाल, सुमनलता अग्रवाल, ई. जगन (चंपापेट), मनीष अग्रवाल, कैलाशचंद केड़िया, निर्मला केड़िया, संजय गोयल, किरण गोयल, भाकरराम कुमावत, कमला देवी कुमावत, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, विशालजी अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल, नरेश गुप्ता, इंदु गुप्ता, राजीव गुप्ता, कियांश गुप्ता, रुचि गुप्ता, एनाया गुप्ता सहित गुप्ता परिवार एवं राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्यों ने सेवा कार्य में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने कियांश गुप्ता के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की मंगलकामना करते हुए कहा कि यदि जीवन के प्रत्येक शुभ अवसर को सेवा, अन्नदान और परोपकार से जोड़ा जाए तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन अवश्य आएगा। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निरंतर संचालित अन्नदान अभियान मानवता, सेवा और सामाजिक समर्पण का एक प्रेरणादायी उदाहरण बन चुका है।

परम पूज्य खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिन मणिप्रभ सूरीश्वर जी म.सा. के अवंति नगर में प्रवास के दौरान भावंरलाल जी बाफना के निवास पर महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक के वाइस चेयरमैन श्री गोविंद नारायण राठी ने महाराज साहब से आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर पदम बाफना, बसंत बाफना एवं अशोक बरमेचा भी उपस्थित थे।

बागेश्वर धाम सरकार पूज्य पंडित श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी से भेंट कर लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन श्री जसमत पटेल और साइबराबाद गुजराती समाज के श्री मुकेश सारडा ने आशीर्वाद प्राप्त किया।

विप्र सेना के सप्तम स्थापना दिवस पर तेलंगाना इकाई का सेवा संकल्प

गौ-सेवा से हुआ संगठनात्मक कार्यों का शुभारंभ, नए पदाधिकारियों की हुई नियुक्ति

हैदराबाद, 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

विप्र सेना (राष्ट्रीय संगठन) के सप्तम स्थापना दिवस के पावन अवसर पर नवगठित विप्र सेना, तेलंगाना प्रदेश इकाई ने सेवा, संस्कार एवं समाजहित की भावना के साथ अपने संगठनात्मक कार्यों का शुभारंभ गौ-सेवा के माध्यम से किया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने गौ-सेवा कर समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपनी सेवा भावना का परिचय दिया।

उल्लेखनीय है कि विप्र सेना की तेलंगाना प्रदेश इकाई का गठन हुए अभी मात्र दो दिन ही हुए हैं। इसके बावजूद संगठन ने अपनी पहली सामाजिक गतिविधि के रूप में गौ-सेवा का प्रेरणादायी कार्य कर समाज के समक्ष सेवा का आदर्श प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष श्री सुरेश कुमार व्यास जानम ने कहा कि विप्र सेना केवल एक संगठन नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता, गौ-संरक्षण, राष्ट्रसेवा तथा समाज के सर्वांगीण उत्थान के लिए समर्पित एक सशक्त अभियान है। उन्होंने कहा कि संगठन का प्रत्येक कार्य सेवा, संस्कार और संगठन की भावना से प्रेरित रहेगा तथा भविष्य में भी समाजहित के अनेक रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने विप्र सेना के राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में तेलंगाना प्रदेश इकाई समाज को संगठित करने, युवा शक्ति को सकारात्मक दिशा देने तथा सेवा कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य करेगी।

संगठन के स्थापना स्मृति दिवस पर प्रदेश अध्यक्ष श्री सुरेश कुमार व्यास जानम ने संगठन विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए श्री गोपाल जी शर्मा डोबा को प्रदेश उपाध्यक्ष, श्री नटवरलाल व्यास को भाग्यनगर (हैदराबाद-सिकंदराबाद) जिला अध्यक्ष, श्री रामेश्वर शर्मा (सिद्दिपेट) को प्रदेश उपाध्यक्ष तथा श्री नरेश पांडेय को युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया।

इस अवसर पर संदीप जोशी श्रीमाली, गौतम जोशी, सीए सोनू व्यास, विशाल श्रीमाली, कुशाल शर्मा, संदीप जायलवाल, संदीप व्यास, विकास व्यास, परशुराम मंदिर के पुजारी श्री नितेश जी व्यास सहित बड़ी संख्या में विप्र सेना के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित विप्र बंधुओं ने गौ-सेवा कर संगठन की निरंतर उन्नति, राष्ट्र की समृद्धि तथा समाज के सुख-समृद्ध जीवन की कामना की। साथ ही विप्र सेना के सेवा, संस्कार एवं राष्ट्र निर्माण के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का सामूहिक संकल्प भी लिया।

रेवंत ने कांग्रेस नेताओं को तीन अगस्त तक एसआईआर अभियान तेज करने के निर्देश दिये

हैदराबाद, 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस नेताओं को मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान तीन अगस्त तक तेज करने का निर्देश देते हुए कहा है कि एसआईआर की बढ़ी हुई अवधि का उपयोग यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाए कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से नहीं छूटे।

श्री रेड्डी ने रविवार को उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, तेलंगाना कांग्रेस के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, एआईसीसी नेताओं, मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, विधान परिषद सदस्यों, विधानसभा क्षेत्र प्रभारियों और एसआईआर समन्वयकों के साथ आयोजित जूम बैठक में कहा कि पार्टी राज्य की सभी 119 विधानसभा सीटों पर एसआईआर से संबंधित 489 बैठकें पहले ही कर चुकी है।

उन्होंने नेताओं को निर्देश दिया कि पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी होने तक अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में ही रहें, बूथ स्तरीय अभिकर्ताओं (बीएलए) के साथ मिलकर काम करें और केवल बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) की रिपोर्ट पर निर्भर न रहें। उन्होंने चेतावनी दी कि जिम्मेदारी निभाने में लापरवाही बरतने वाले सांसदों और अन्य नेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

श्री रेड्डी ने कहा कि मंत्री, विधायक और पार्टी प्रभारी अगले 10 दिनों तक चुनाव प्रचार की तर्ज पर अपने-अपने क्षेत्रों का दौरा करें। उन्होंने बताया कि प्रभारी मंत्री सोमवार से सभी जिलों में एसआईआर प्रक्रिया की समीक्षा करेंगे। साथ ही उन्होंने घोषणा की कि सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले 100 बीएलए को कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मिलने का अवसर दिया जाएगा।

श्री गौड़ ने कहा कि मतदाता सर्वेक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी नेताओं से तीन अगस्त तक अभियान पूरा करने के लिए सर्वेक्षण में तेजी लाने, बीएलए को पूरा सहयोग देने और यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से बाहर न रहे।

तेलंगाना में सरकार बनाने के लिए तैयार है भाजपा: रामचंद्र राव

हैदराबाद, 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी राज्य में अगली सरकार बनाने की तैयारी कर रही है।

श्री राव ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की जन-विरोधी नीतियों के खिलाफ लड़ाई तेज करने को कहा। हैदराबाद मध्य ज़िला कार्यकारी समिति की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा ने राज्य के 35,000 पोलिंग बूथों में से लगभग 31,000 में बूथ समितियां बनाई हैं, 42 लाख से अधिक सदस्य बनाए हैं और 870 मंडलों में मजबूत संगठनात्मक इकाइयां खड़ी की हैं, जिससे यह तेलंगाना का सबसे मजबूत राजनीतिक संगठन बन गया है।

श्री राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और बीआरएस दोनों ने जन-मुद्दों की अनदेखी की है और नौकरियों तथा खाली पदों को भरने में नाकाम रहकर बेरोजगार युवाओं के साथ धोखा किया है। उन्होंने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के प्रस्तावित पुनर्गठन को लेकर कांग्रेस सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि इसका मकसद ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) को राजनीतिक फायदा पहुंचाना है।

उन्होंने हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी (एचवाईडीआरएए) के तोड़फोड़ अभियान पर भी निशाना साधा और दावा किया कि इससे गरीब परिवार बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। तेलंगाना के विकास में केंद्र के योगदान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बीबीनगर, राष्ट्रीय निवेश एवं विनिर्माण क्षेत्र (एनआईएमजेड) ज़हीराबाद, काज़ीपेट रेलवे कोच फैक्ट्री, वारंगल टेक्सटाइल पार्क और रामागुंडम फर्टिलाइज़र फैक्ट्री जैसी परियोजनाएं राज्य के विकास के प्रति बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से जन-मुद्दों को जोर-शोर से उठाने का आग्रह किया और भरोसा जताया कि तेलंगाना की जनता बीजेपी को सत्ता में लाएगी।

खुश रहो, मस्त रहो और मुस्कुराते हुए जीवन जियो : मुनि दीप कुमार

हैदराबाद, 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित इरामंजिल कॉलोनी की ट्रेंडसेट ग्रांडे सोसायटी के सभागार में युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनिश्री दीप कुमारजी ठाणा-2 के सान्निध्य में खुश रहो, मस्त रहो विषय पर प्रेरणादायी प्रवचन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन राजकुमारजी बोकड़िया एवं कुलदीपजी भरुट के निवास स्थान पर किया गया।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, अपने प्रवचन में मुनिश्री दीप कुमारजी ने कहा कि खुशी वहां मिलती है, जहां अपेक्षाएं कम होती हैं। व्यक्ति को हर परिस्थिति में प्रसन्नचित्त रहकर जीवन जीना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकांश दुःख बाहरी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि हमारी सोच, अपेक्षाओं और मानसिक दृष्टिकोण से उत्पन्न होते हैं।

मुनिश्री ने कहा कि यदि किसी ने हमारी प्रशंसा नहीं की या हमारी बात नहीं मानी, तो हम दुःखी हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में आत्मचिंतन आवश्यक है, क्योंकि यदि हमारी खुशी दूसरों के व्यवहार पर निर्भर होगी, तो हम कभी भी स्थायी रूप से प्रसन्न नहीं रह पाएंगे।

उन्होंने कहा कि हमारे जीवन का रिमोट कंट्रोल हमारे अपने हाथ में रहना चाहिए। खुश रहने के लिए दूसरों से तुलना करने की आदत छोड़नी होगी। तुलना व्यक्ति की खुशी की सबसे बड़ी शत्रु है। अपनी तुलना केवल स्वयं से करें और प्रतिदिन अपने व्यक्तित्व को बेहतर बनाने का प्रयास करें।

मुनिश्री दीप कुमारजी ने कहा कि मुस्कान सबसे सस्ती और सबसे प्रभावी औषधि है। हंसने में कोई खर्च नहीं होता, लेकिन इसके लाभ अत्यंत व्यापक हैं। खुलकर हंसना सीखें, ताकि शरीर का रोम-रोम प्रफुल्लित हो उठे और जीवन से उदासी, निराशा तथा हताशा स्वतः दूर हो जाए। उन्होंने सभी से हर परिस्थिति में खुश रहो, मस्त रहो के मंत्र को अपनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर मुनिश्री काव्य कुमारजी ने कहा कि जीवन में सफल होने का स्वर्णिम सूत्र है खुश रहो, मस्त रहो।

तेरापंथ सभा, सिकंदराबाद के अध्यक्ष सुशीलजी संचेती ने जानकारी देते हुए बताया कि मुनिश्री दीप कुमारजी ठाणा-2 का 26 जुलाई (रविवार) प्रातः 10:16 बजे तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी में आध्यात्मिक मंगल प्रवेश होगा। इसके लिए नवरत्नजी महनोत के निवास स्थान से प्रातः 9:30 बजे भव्य शोभायात्रा (रैली) प्रारंभ होगी।

प्रवचन कार्यक्रम में श्रीमती मालाजी बोकड़िया एवं श्रीमती अंजुजी चोरड़िया ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। वहीं अंजुजी बैद तथा राजकुमार बोकड़िया ने अपने भावपूर्ण विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर मुनिश्री के प्रेरणादायी संदेशों का श्रवण किया तथा आध्यात्मिक वातावरण का लाभ उठाया।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 170वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

171 लोगों ने उठाया लाभ, नेत्र जांच के बाद 57 को चश्मे एवं 9 मरीजों के मोतियाबिंद ऑपरेशन की हुई व्यवस्था

हैदराबाद, 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा सेंट एडम्स हाई स्कूल, राजेंद्र नगर के सहयोग से 170वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर राजेंद्र नगर स्थित गोल्डन हाईट्स कॉलोनी के सेंट एडम्स हाई स्कूल परिसर में आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श सेवाएं प्रदान की गईं, जिसका 171 लोगों ने लाभ उठाया।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, किम्स सनशाइन हॉस्पिटल की ओर से कार्डियोलॉजी, हड्डी रोग, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, रक्तचाप (बीपी) एवं आरबीएस जांच की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। इस दौरान डॉ. मीनाक्षी एवं डॉ. चंटी ने चिकित्सकीय सेवाएं प्रदान कीं। नर्सिंग स्टाफ में निकिता, मतीन, स्वाति एवं मल्लेश्वरी, 2डी इको तकनीशियन भानु श्री, बीएमडी तकनीशियन डेविड एवं अनिल, जबकि विपणन विभाग से उदय कुमार एवं सौरव ने अपनी सेवाएं दीं।

शिविर में लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुडा के नेत्र विशेषज्ञ एच. भगवान, शिविर प्रभारी भास्कर, पी. साईं किरण, ऑप्टोमेट्रिस्ट सिरिशा तथा नेत्र विशेषज्ञ वंदना ने 125 मरीजों की नेत्र जांच की। जांच के उपरांत 57 लोगों को चश्मे उपलब्ध कराने तथा 9 मरीजों के मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई।

सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण की सेवा डॉ. अखिल क्लिनिक (पुरनदास रणछोड़दास) के जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी ने प्रदान की। वहीं दंत परीक्षण एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. निखिल राज द्वारा किया गया। इसके अलावा श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति की ओर से दो दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर सेवा प्रदान की गई।

शिविर को सफल बनाने में शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के सदस्य प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, निखिल राणासरिया, उर्मिला अग्रवाल तथा स्थानीय सहयोगी सेंट एडम्स हाई स्कूल के अध्यक्ष डॉ. एस. जगन, प्रधानाध्यापक पी. मधुसूदन रेड्डी, अपर प्रधानाध्यापक एम. ए. मुकीम, प्रभारी ईश्वर, स्वयंसेवक योगेश अग्रवाल, दीपा गर्ग, सरला अग्रवाल, बी. शांता देवी, समाजसेवी शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव एवं पित्ती लैमिनेशन के सदस्यों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। सभी के संयुक्त प्रयासों से स्वास्थ्य जांच शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

राजू जाधव ने की पीईपी के बोनाला से मुलाकात, महाराष्ट्र में पार्टी विस्तार पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): प्रजा एकता पार्टी (पीईपी) को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करने और अन्य राज्यों में इसके विस्तार की कवायद तेज हो गई है। इसी सिलसिले में तेलंगाना मराठा मंडल के कार्यकारी सदस्य तथा उप्पुगुड़ा (हैदराबाद, तेलंगाना) स्थित विठ्ठल रुक्मिणी मंदिर के सदस्य श्री राजू जाधव ने पीईपी के केंद्रीय कार्यालय का दौरा किया।

इस यात्रा के दौरान उन्होंने प्रजा एकता पार्टी के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बोनाला श्रीनिवास से शिष्टाचार मुलाकात की। बैठक में दोनों नेताओं के बीच महाराष्ट्र राज्य में प्रजा एकता पार्टी के प्रचार-प्रसार, सांगठनिक मजबूती और भविष्य की राजनीतिक रणनीतियों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। श्री बोनाला श्रीनिवास ने महाराष्ट्र में पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया।

हैदराबाद में एक साल में एनडीपीएस के 563 मामले दर्ज, 22.17 करोड़ की ड्रग्स ज़ब्त

हैदराबाद, 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद सिटी पुलिस ने शहर को नशा-मुक्त बनाने के लिए एक व्यापक अभियान के तहत जून 2025 से जून 2026 के बीच एनडीपीएस के 563 मामले दर्ज किए और 22.17 करोड़ रुपये मूल्य के प्रतिबंधित मादक पदार्थ ज़ब्त किए हैं।

पुलिस के रविवार को जारी एक बयान के अनुसार, ज़ब्त किए गए मादक पदार्थों में 12.56 करोड़ रुपये कीमत का 2,513 किलोग्राम गांजा, 55.3 लीटर हशीश तेल (6.91 करोड़ रुपये), 1,626 ग्राम एमडीएमए (1.62 करोड़ रुपये), 129 ग्राम कोकीन (4.5 लाख रुपये), 120 ग्राम हेरोइन (24 लाख रुपये), 570 एलएसडी ब्लॉट (17.1 लाख रुपये) और 220 ग्राम अफ़ीम शामिल है। सबसे ज़्यादा 116 मामले जुबली हिल्स क्षेत्र में दर्ज किए गए, इसके बाद सिकंदराबाद (99), गोलकोंडा (95), चारमीनार (90), राजेंद्रनगर (84), खैरताबाद (49) और शमशाबाद (30) का स्थान रहा।

पुलिस ने हाल ही में मंगर बस्ती में 1,100 से ज़्यादा जवानों के साथ ऑपरेशन थंडरबोल्ट चलाया था। इस दौरान स्थानीय मादक पदार्थ नेटवर्क को निशाना बनाते हुए गांजा और अवैध शराब ज़ब्त की गई। पुलिस अंतर-राज्यीय मादक पदार्थ आपूर्ति श्रृंखलाओं को तोड़ने के लिए एनसीबी, डीआरआई और ईगल जैसी एजेंसियों के साथ भी मिलकर काम कर रही है। हैदराबाद पुलिस ने लोगों के पुनर्वास पर भी ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने मादक पदार्थ लेने के शक वाले 1,550 लोगों की मौके पर ही जांच की, जिनमें से 421 लोग पॉजिटिव पाए गए। जिन लोगों की पहचान हुई है उन्हें इलाज एवं परामर्श के लिए गांधी अस्पताल, एर्रागड्डा स्थित मानसिक स्वास्थ्य संस्थान एवं निजी पुनर्वास केंद्रों में भेजा जा रहा है।

हैदराबाद के पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार ने कहा कि पुलिस मादक पदार्थों की तस्करी एवं सेवन के मामलों में ज़ीरो-टॉलरेंस की नीति अपनाएगी चाहे आरोपी की हैसियत कुछ भी हो। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों के व्यवहार पर बारीकी से नज़र रखने का आग्रह किया और लोगों से अपील की कि वे मादक पदार्थों से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी 100 नंबर पर फोन करके या एच-न्यू विंग (8712661601) से संपर्क करके दें। उन्होंने आश्वासन दिया कि जानकारी देने वालों की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

कार और ट्रक की भीषण टक्कर में चार लोगों की मौत

विशाखापत्तनम, 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम जिले के आनंदपुरम गांव में पेनदुर्ति-आनंदपुरम राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार सुबह एक कार और ट्रक के बीच हुई जोरदार टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि मारे गए सभी लोग पलनाडू जिले के ईपुरु मंडल के इनुमेला गांव के रहने वाले थे। वे सभी एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने के लिए श्रीकाकुलम जिले के टेक्काली जा रहे थे। तड़के सुबह उनकी कार एक दूसरी कार से आगे निकलने की कोशिश में सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में पालगनी रामंजनेयुलु (51 साल), शेख मीरा वली (56 साल), मंदपति भवानी शंकर (11 साल) और गाड़ी के चालक श्रीनू (29 साल) की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे में गंभीर रूप से घायल एम. चंद्रशेखर को तुरंत भीमिली के एक चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की सेवा भावना बनी समाज के लिए प्रेरणा : शिव भगवान अग्रवाल

हैदराबाद, 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को प्रेम, सम्मान एवं आत्मीयता के साथ भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में उपस्थित सभी सेवाभावियों ने पूरे समर्पण और उत्साह के साथ भाग लेकर मानव सेवा का प्रेरणादायी संदेश दिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए शिव भगवान अग्रवाल ने कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही सच्ची मानवता की पहचान है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद बिना किसी भेदभाव के निरंतर समाज के जरूरतमंद, असहाय एवं वंचित लोगों की सेवा कर रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य है और ऐसे सेवा कार्य समाज में संवेदनशीलता, प्रेम और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अपने जीवन में सेवा का संकल्प लेकर ऐसे सामाजिक कार्यों में अधिक से अधिक सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान सेवाभावियों ने जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानवता, करुणा और परोपकार का संदेश दिया। सभी ने संकल्प व्यक्त किया कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा संचालित नियमित अन्नदान एवं अन्य जनसेवा गतिविधियों को आगे भी निरंतर इसी समर्पण और सेवा भावना के साथ जारी रखा जाएगा।

कार्यक्रम में शिव भगवान अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय एवं महेश गोयल उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.